नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

लातेहार में एसएसबी जवानों ने निकाली नशामुक्ति रैली

• बोकारो, शनिवार 27 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 41 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

पुलिस चेकपोस्ट तोड़ने के मामले में 34 के खिलाफ नामजद प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के सदर थाना अंतर्गत पोखराहा में नेशनल हाईवे पर बने पुलिस चेकपोस्ट तोड़े जाने के मामले में 34 नामजद और 125 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। नामजद आरोपियों में जेएलकेएम के नेता भी शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने, पुलिस चेकपोस्ट तोड़ने समेत कई गंभीर आरोप हैं। इस संबंध में डीएसपी राजेश यादव ने बताया कि पुलिस चेकपोस्ट तोड़ने के मामले में 34 नामजद और अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल गुरुवार को सदर थाना क्षेत्र के पोखराहा में नेशनल हाइवे बाईपास के पास सड़क हादसे में मजीद अंसारी नामक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हादसे के बाद पोखराहा में ग्रामीणों ने रोड जाम कर जमकर बवाल किया था। इस दौरान पुलिस की स्थायी चेकपोस्ट को तोड़ दिया गया था। बाद में सदर एसडीएम संजय पांडेय और एसडीपीओ राजेश यादव मौके पर पहुंचे थे और काफी देर तक लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया था। करीब 4:30 घंटे तक बवाल हुआ था और रोड जाम हटाया गया था। ग्रामीण नेशनल हाईवे को बंद करने की मांग कर रहे थे क्योंकि नेशनल हाईवे और पांकी रोड एक-दूसरे को क्रॉस करते हैं और लगातार सड़क हादसे हो रहे थे। पिछले 15 दिनों में एक ही जगह पर सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

ट्रैक्टर चालक का शव मिला

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के नवलशाही थाना क्षेत्र में पुरनाडीह-नवादा पुल के पास झाड़ी से एक ट्रैक्टर चालक का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान बिहार के जमुई जिले के रजौन निवासी सुनील यादव के रूप में हुई है। यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे सामने आई। सुनील यादव फुलवरिया निवासी अनु कुमार मेहता का ट्रैक्टर चलाता था और पुरनाडीह स्थित एक किराए के कमरे में रहता था।

रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर कोयला लदे ट्रक और सवारी वाहन में जोरदार टक्कर

आठ लोगों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास बीती रात कोयला लदे एक ट्रक ने एक सवारी वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के वक्त वाहन में आठ लोग सवार थे जिनमें से सात की मौत अस्पताल ले जाते वक्त हो गई थी। वहीं गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति को रांची के रिम्स में भर्ती करवाया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। इसकी पुष्टि मृतक के रिश्तेदार ने की है। इस हादसे में मारे गये लोग बैंड-ताशा पार्टी के सदस्य थे। आठ में से तीन एक ही परिवार के सदस्य थे जबकि दो सगे भाई थे। मृतकों में अनोद कुमार, डेविड करमाली, पप्पू करमाली, पवन करमाली, अशोक कुमार, शक्ति कुमार, हेमंत कुमार महतो और मनीष कुमार शामिल हैं। यह हादसा बुध बाजार लारी-बरलौंग के समीप रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार बलसगरा के दो लोग और मारगमर्चा गांव के ताशा-बैंड पार्टी के सदस्य एक सवारी वाहन से मारगमर्चा आए थे। कार्यक्रम के लिए बैंड-ताशा पार्टी के अन्य सदस्यों को लेकर

वापस बलसगरा लौट रहे थे। इसी दौरान रामगढ़ की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे कोयला लदे ट्रक ने ओवरटेक करने के क्रम में सवारी वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, रजरप्पा थाना पुलिस और अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने सात लोगों को मृत घोषित कर दिया जबकि एक व्यक्ति की हालत अत्यंत गंभीर होने के कारण उसे रांची रेफर कर दिया गया। वहीं ताशा पार्टी से जुड़े पिंटू ने बताया कि दो लोग बलसगरा से सवारी गाड़ी में आए थे मारगमर्चा से 6 लोगों को लेकर वापस बलसगरा जा रहे थे। इसी दौरान यह घटना घटी है। मृतकों में 6 लोग मारगमर्चा के जबकि दो लोग बलसगरा के बताए जा रहे हैं। रामगढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) आलोक रंजन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ट्रक के रॉन्ग साइड में जाकर सवारी वाहन को टक्कर मारने की बात सामने आई है। वाहन में ताशा पार्टी के सदस्य सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि सवारी वाहन के परखच्चे उड़ गए। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस हादसे के बाद मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-23 को जाम कर दिया और लगातार हो रहे हादसों पर नाराजगी जताई।

सीएम ने जताया शोक

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रामगढ़-बोकारो मार्ग पर लारी-बरलौंग के पास सड़क हादसे में 8 लोगों के मरने पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि इस दुःखद खबर से मन व्यथित है। उन्होंने कहा कि मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़ सदर अस्पताल में लगा एसी ब्लास्ट

रामगढ़(नबिटा ब्यूरो)। सदर अस्पताल के मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में गुरुवार देर रात को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ओटी के बाहर लगे एयर कंडीशनर में हुए ब्लास्ट के बाद पूरा मॉड्यूलर ओटी धुएं से भर गया जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। हालांकि अस्पताल कर्मियों, स्थानीय युवकों और चिकित्सकों की तत्परता और साहसिक प्रयासों से एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई

कुएं से महिला का अर्धनग्न शव बरामद

दुमका(नबिटा ब्यूरो)। जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला का अर्धनग्न अवस्था में शव मिला है। महिला की उम्र लगभग 30-35 साल है। जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मामले में दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने कहा कि शव की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना मिलते ही शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित लकड़ा टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के बनियाडीह के पास सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बनियाडीह ग्राम निवासी अनूप उरांव के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि अनूप अपने दोस्तों के साथ दो बाइक पर सवार होकर घाघरा से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान साथी द्वारा चलाई जा रही दूसरी बाइक से टकराकर अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में अनूप की मौके पर ही मौत हो गई।

घरेलू विवाद के बाद पति ने पत्नी को मार डाला

गोड्डा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के राजाभीठा थाना क्षेत्र के अमरपुर गांव में एक पति ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान होपनमय चौड़े 32 वर्ष के रूप में हुई है जबकि आरोपी पति का नाम मनु हांसदा है। जानकारी के अनुसार आरोपी मनु हांसदा नशे का आदी था और अक्सर अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। बीती रात भी वह नशे की हालत में घर आया और पत्नी से झगड़ा करने लगा। इसी दौरान उसने धोती से अपनी पत्नी का गला घोंट दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

झारखंड को मिलेंगे 1042 नये प्राथमिक शिक्षक

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 29 जून को चयनित अभ्यर्थियों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के सरकारी प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने की दिशा में राज्य सरकार एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 29 जून को 1,042 नवनियुक्त सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह राजधानी रांची के खेलगांव में दोपहर एक बजे आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित अभ्यर्थी शामिल होंगे। नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए सभी जिलों की जिला स्थापना समिति ने अपनी अनुशंसा प्राथमिक शिक्षा निदेशालय को भेज दी है। इस चरण में कक्षा एक से पांच तक के लिए 274 सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। वहीं कक्षा छह से आठ तक के लिए 768 शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इन नियुक्तियों के बाद कई सरकारी विद्यालयों में लंबे समय से खाली पड़े शिक्षकों के पद भर सकेंगे। सरकार का मानना है कि इससे प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था मजबूत होगी तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। कक्षा छह से आठ तक के विद्यालयों में विषयवार नियुक्तियां भी तय कर दी गई हैं। प्रत्येक विद्यालय में भाषा, गणित एवं विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान विषय के लिए स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक नियुक्त किए जाएंगे। इनमें भाषा विषय के 150, गणित एवं विज्ञान के 231 तथा सामाजिक विज्ञान के सर्वाधिक 387 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। विषयवार नियुक्ति का उद्देश्य विद्यालयों में सभी प्रमुख विषयों के लिए पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराना है ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो। जिलावार नियुक्तियों पर नजर डालें तो सबसे अधिक 123 शिक्षकों की नियुक्ति पलामू जिले में होगी। इसके बाद गिरिडीह में 92, कोडरमा में 81, साहिबगंज में 63, पश्चिमी सिंहभूम में 61, देवघर में 59, दुमका में 54, गोड्डा में 53 और पाकुड़ में 51 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। दूसरी ओर सबसे कम केवल चार शिक्षकों की नियुक्ति रामगढ़ जिले में होगी। रांची में 36, खूंटी में 12, लोहरदगा में 11, गुमला में 27, सिमडेगा में 21, लातेहार में 41, गढ़वा में 34, पूर्वी सिंहभूम में 39, सरायकेला-खरसावां में 34, हजारीबाग में 15, धनबाद में 42, बोकारो में 24 और जामताड़ा में 39 शिक्षकों की नियुक्ति होगी। राज्य सरकार ने प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में लगभग 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया वर्ष 2023 में शुरू की थी। चरणबद्ध तरीके से नियुक्तियां लगातार की जा रही हैं। अब तक करीब 12,500 शिक्षकों को नियुक्ति दी जा चुकी है। 29 जून को 1,042 और शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलने के बाद यह संख्या और बढ़ जाएगी। सरकार का कहना है कि रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को समाप्त कर शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए।

आज रांची जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मोहर्रम के मद्देनजर सभी विद्यालयों में शनिवार, 27 जून को एक दिवसीय अवकाश घोषित किया गया है। यह निर्देश रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने एक आदेश जारी कर दिया है। डीसी द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि मुहर्रम के अवसर पर राजधानी रांची के अधिकांश क्षेत्रों में ताजिया और अखाड़ा जुलूस निकाले जाएंगे। इन जुलूसों के कारण विभिन्न मार्गों पर यातायात प्रभावित होने की संभावना है जिससे स्कूली बच्चों को आवाजाही में असुविधा हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार रांची जिले के सभी सरकारी, गैर सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों में 27 जून (शनिवार) को पूर्ण अवकाश रहेगा। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिन विद्यालयों में पहले से निर्धारित परीक्षाएं आयोजित होनी हैं या जिनकी परीक्षा अत्यंत आवश्यक है, उन विद्यालयों के प्राचार्य रांची के जिला शिक्षा पदाधिकारी को पूर्व सूचना देकर परीक्षा का आयोजन कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और आम नागरिकों से सहयोग बनाए रखने की अपील की है ताकि मुहर्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

रिम्स निदेशक का इस्तीफा मंजूर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने गुरुवार शाम ईमेल से अपना इस्तीफा स्वास्थ्य मंत्री सह शासी परिषद के अध्यक्ष डॉ. इरफान अंसारी को भेजा। इसे स्वीकार करने का अनुरोध किया। इस्तीफ़े का कारण उन्होंने व्यक्तिगत बताया है। विभाग ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। उनके स्थान पर डीन एकेडमिक डॉ. डीके सिन्हा को प्रभारी निदेशक बनाया है। डॉ. राजकुमार ने कहा कि लोग चाहते थे कि मैं चला जाऊं तो अब मैंने मन बना लिया है लेकिन इस्तीफ़े की कोई ठोस वजह नहीं बताया। एडमिशन और टेंडर घोटाले में सीआईडी ने बुधवार को रिम्स में छापेमारी की थी। इस दौरान निदेशक और डीन से कई घंटे तक पूछताछ की थी। इसके अगले ही दिन इस्तीफा देने की खबर फैलते ही स्वास्थ्य विभाग में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। गौरतलब है कि रिम्स निदेशक और स्वास्थ्य विभाग के बीच लंबे समय से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। पिछले साल शासी परिषद की बैठक में किसी एजेंडे पर निदेशक व विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद उन्हें फिर बहाल किया गया था।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने देवघर में की पूजा-अर्चना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। श्रद्धा, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा के केंद्र बाबा बैद्यनाथ धाम शुक्रवार सुबह केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि और विकसित भारत के संकल्प के सफलता की कामना की। गुरुवार देर रात देवघर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने एक निजी होटल में रात्रि विश्राम किया और शुक्रवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीधे बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचे। मंदिर प्रशासन ने उनके आगमन को लेकर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए थे। मंदिर के तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका संकल्प कराया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने गर्भगृह में प्रवेश कर बाबा बैद्यनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया और पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न की। पूजा के उपरांत मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में ललन सिंह ने कहा कि उन्होंने बाबा बैद्यनाथ से देश और प्रदेश में शांति, समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए भी बाबा भोलेनाथ से आशीर्वाद मांगा। बाबा बैद्यनाथ धाम में दर्शन पूजन के बाद केंद्रीय मंत्री कड़ी सुरक्षा के बीच बाबा बासुकीनाथ धाम के लिए रवाना हो गए। उनके देवघर आगमन की सूचना मिलते ही विभिन्न जिलों से भाजपा और एनडीए के कई नेता और कार्यकर्ता उनसे मिलने पहुंचे। हालांकि मीडिया द्वारा राजनीतिक मुद्दों पर सवाल पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। ललन सिंह दो दिवसीय देवघर दौरे पर हैं। इस दौरान वे धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ कई निजी आयोजनों में भी शामिल होंगे। उनके दौरे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। वहीं केंद्रीय मंत्री के पूजा करने के दौरान मंदिर में आम लोगों के प्रवेश पर थोड़ी देर के लिए रोक लगा दी गई थी।

रांची में 177 करोड़ में बनेगा पहला शानदार सिक्स लेन का स्मार्ट रोड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में सड़क ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ी परियोजना शुरू होने जा रही है। करीब 177 करोड़ रुपये की लागत से शहर का पहला सिक्स लेन स्मार्ट रोड बनाया जाएगा। यह परियोजना पथ निर्माण विभाग के तहत स्टेट हाईवे अथॉरिटी ऑफ झारखंड द्वारा क्रियान्वित की जाएगी। टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और सितंबर तक इसे अंतिम रूप देने की योजना है। इसके बाद इसी वर्ष निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। यह प्रस्तावित सिक्स लेन सड़क विवेकानंद स्कूल मोड़ से शुरू होकर जगन्नाथ मंदिर, झारखंड हाईकोर्ट के पास से गुजरते हुए नयासराय आरओबी तक जाएगी। कुल 6.089 किलोमीटर हिस्से को सिक्स लेन में विकसित किया जाएगा। इसके बाद नयासराय आरओबी से आगे रिंग रोड तक लगभग 2.12 किलोमीटर हिस्से का चौड़ीकरण किया जाएगा जिसे टू लेन के रूप में विकसित किया जाएगा। इस स्मार्ट रोड परियोजना में सिर्फ सड़क चौड़ीकरण ही नहीं बल्कि आधुनिक शहरी सुविधाओं का भी समावेश किया गया है। सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड बनाए जाएंगे ताकि स्थानीय यातायात को सुगम बनाया जा सके। इसके साथ ही साइकिल ट्रैक और पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का निर्माण भी किया जाएगा जिससे शहर में सुरक्षित और व्यवस्थित आवागमन को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना की एक महत्वपूर्ण विशेषता सड़क किनारे लगाई जाने वाली सोलर लाइटिंग व्यवस्था है। पूरी सड़क को सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था से रोशन किया जाएगा जिससे ऊर्जा की बचत होगी और पर्यावरण के अनुकूल व्यवस्था विकसित की जा सकेगी। यह पहल रांची को स्मार्ट सिटी की दिशा में एक कदम और आगे ले जाएगी। परियोजना में उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री के उपयोग के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। सड़क डिजाइन को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि यातायात दबाव को आसानी से संभाला जा सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। पथ निर्माण विभाग ने स्पष्ट किया है कि काम की गुणवत्ता में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह सड़क न केवल रांची के यातायात को सुगम बनाएगी बल्कि शहर के विभिन्न हिस्सों को बेहतर तरीके से जोड़ने में भी मदद करेगी। इससे हाईकोर्ट, शैक्षणिक संस्थानों और प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होगी। साथ ही यह परियोजना स्थानीय अर्थव्यवस्था और शहरी विकास को भी गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

फाइटर जेट की झांकी ने जगाया देशभक्ति का भाव

मुहर्रम : कर्बला की मातमी प्रस्तुति ने किया भावुक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बरही (हजारीबाग)। मुहर्रम के अवसर पर बरही नगर और आसपास के क्षेत्रों में निकले जुलूस एवं झांकियां भव्यता, अनुशासन और सामाजिक सौहार्द की मिसाल बन गईं। गुरुवार रात्रि नवमी और शुक्रवार को दशमी के अवसर पर विभिन्न अखाड़ों एवं मुहर्रम समितियों द्वारा निकाले गए जुलूसों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। सन्नी और टाइगर जैसे विशाल डीजे की गूंजती धुनों के बीच निकली झांकियों से पूरा बरही देर रात तक गुंजायमान रहा।

कोनरा पंचायत के दरगाह, आजाद और बीच मोहल्ला सहित विभिन्न क्षेत्रों की झांकियां तथा मल्लाह टोली की ताजिया आकर्षण का केंद्र रहीं। युवाओं ने तलवारबाजी, लाठी खेल और अन्य पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया। कई स्थानों पर आग के साथ किए गए साहसिक खेलों ने दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। झांकियों में शामिल फाइटर जेट की प्रतिकृति ने लोगों में देशभक्ति का भाव जगाया, जबकि आजाद मोहल्ला से बिना डीजे के निकली घोड़े वाली झांकी और कर्बला के मातमी दृश्य ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत और बलिदान की याद ताजा कर लोगों को भावुक कर दिया। सभी अखाड़ों के पदाधिकारी और स्वयंसेवक अनुशासित ढंग से जुलूसों का संचालन करते हुए बरही चौक पहुंचे, जहां प्रशासनिक शिविर स्थापित किया गया था। अनुमंडल पदाधिकारी जोहान टुडू, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर, पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारी, सुरक्षा बल और स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार मुस्तैद रही।

जुलूस को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में मुहर्रम कमिटी के पदाधिकारियों के साथ स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं, प्रबुद्धजनों, शांति समिति के सदस्यों और स्वयंसेवकों ने भी सार्थक भूमिका निभाई। सभी के सहयोग और प्रशासन की सतर्कता से मुहर्रम के कार्यक्रम पूरी गरिमा, भाईचारे और सामाजिक समरसता के साथ संपन्न हुए।

सौहार्द एवं शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया मुहर्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले भर में मुहर्रम का पर्व शुक्रवार को पूरी श्रद्धा, आस्था और भाईचारे के वातावरण में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों में पारंपरिक तरीके से ताजिया जुलूस निकाले गए, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। अखाड़ों द्वारा हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पर्व के दौरान जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक स्वयं पूरे घटनाक्रम की निगरानी करते रहे तथा विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मुहर्रम के अवसर पर सभी समुदायों के लोगों ने आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति का परिचय दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं बुद्धिजीवियों ने भी लोगों से शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की जिला प्रशासन ने शांतिपूर्ण ढंग से पर्व संपन्न कराने में सहयोग करने वाले सभी नागरिकों, शांति समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों तथा पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों एवं जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे जिले में मुहर्रम का पर्व सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बनकर संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को लेकर तैयारियां पूरी

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले में 28 जून से 30 जून तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। अभियान के तहत शून्य से पांच वर्ष तक के 4,91,038 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दौरान प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी। अभियान की तैयारियों के लिए जिले में 2,337 पोलियो बूथ, 45 ट्रांजिट टीम, 9 मोबाइल टीम, 453 सुपरवाइजर तथा 210 सब-डिपो बनाए गए हैं। अभियान के लिए जिले को 6,21,180 डोज बीओपीवी (बीओपीवी) वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है। अभियान की तैयारियों की समीक्षा के दौरान सिविल सर्जन डॉ. बच्चा सिंह एवं डॉ. आर. पी. दास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दीं। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने आम जनता से अपील की कि 28 जून को अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर जीवनरक्षक पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, ताकि गिरिडीह को पोलियो मुक्त बनाए रखने के राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाया जा सके।

गिरिडीह के सिकदारडीह करबला में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने की अमन-चैन की दुआ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुहर्रम की 10वीं तारीख पर गिरिडीह के सिकदारडीह करबला में अकीदतमंदों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मातमी रस्मों और इबादत के बीच पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, आस्था और गंगा-जमुनी तहजीब का सुंदर नज़ारा देखने को मिला। इस अवसर पर राज्य के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, महापौर प्रमिला मेहरा, उपमहापौर सुमित कुमार, सिकदारडीह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि महताब मिर्ज़ा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग करबला पहुंचे और अकीदतमंदों से मुलाकात कर मुहर्रम की अहमियत पर प्रकाश डाला। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने करबला में इबादत करते हुए गिरिडीह जिले की सुख-समृद्धि, अमन-चैन, शांति और आपसी भाईचारे के लिए दुआ की। उन्होंने कहा कि मुहर्रम हमें त्याग, इंसाफ, सत्य और मानवता का संदेश देता है। समाज के सभी लोगों को इन मूल्यों को अपनाकर आपसी सौहार्द और एकता को मजबूत करना चाहिए पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, अनुशासन और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे अकीदतमंदों ने करबला में इबादत कर शांति, खुशहाली और देश-दुनिया में अमन की दुआ मांगी। प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और विधि-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

सांसद ने किया हाइ मास्ट एलइडी लाइट का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मनसाही/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के सिरनिया पश्चिम पंचायत के हफला मखदुमपुर हाट एवं अंबेडकर चौक हफ़लागंज में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत सांसद तारिक अनवर के द्वारा अनुशंसित 16 मीटर हाई मास्ट एलईडी लाईट अधिष्ठापन कार्य का उद्घाटन फीता काटकर, शीला पट्ट का अनावरण एवं नारियल फोड़ कर किया। इस मौके पर सांसद ने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों के मुख्य चौक चौराहे, सार्वजनिक स्थल के सामने हाई मास्ट एलईडी लाईट लगाने का कार्य जोरों पर है। इस कड़ी में सिरनिया पश्चिम पंचायत के मखदुमपुर हाट एवं अंबेडकर चौक हफ़लागंज में एलईडी लाईट लगाने का कार्य किया गया इसका विधिवत उद्घाटन किया गया। अब इस लाइट के लग जाने से शाम के समय में दोनों जगह पर उजाला ही उजाला दिखाई पड़ेगा। वही सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव ने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों की जो समस्या हैं, उनका जल्द ही निदान किया जाएगा। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव, सिरनीया पश्चिम पंचायत के पंचायत समिति सदस्य गुलाम मुस्तफा, अवधेश मंडल, कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार पासवान, विक्रम पासवान, निरंजन पोद्दार, सुनील साह, मुजीबुर रहमान आदि उपस्थित रहे।

एनडीपीएस एक्ट में तीन गिरफ्तार

मादक पदार्थ तस्करी पर पुलिस का शिकंजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

केरेडारी (हजारीबाग)। झारखंड के हजारीबाग जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केरेडारी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, केरेडारी थाना कांड संख्या 80/26 (दिनांक 25 जून 2026) में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी), 22(बी) एवं 29 के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मनोज साव

सफलता

(निवासी- केरेडारी), राहुल ठाकुर (निवासी- पांडेय मोड़, थाना टंडवा, जिला चतरा) तथा किशोर कुमार (निवासी- पांडेय मोड़, थाना टंडवा, जिला चतरा) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि तीनों की गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। यह कार्रवाई केरेडारी थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय एवं उपनिरीक्षक (एसआई) टिंकू सिंह के संयुक्त नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

केरेडारी पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में नशा तस्करी पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे विशेष अभियान जारी रहेंगे, ताकि युवाओं को नशे के जाल से बचाया जा सके और समाज में सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

मुहर्रम को लेकर निकाला गया ताजिया जुलूस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कटिहार। जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में मोहर्रम का पर्व परंपरागत भाईचारे, शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। गम और शहादत के इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से अखाड़ों ने ताजिया जुलूस निकाला। जुलूस में शामिल जंगियों ने पारंपरिक युद्ध कौशल का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पूरे आयोजन के दौरान लोगों ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए उनके बताए ईमान, सत्य, न्याय और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और मानवता की रक्षा के लिए दी गई उनकी कुर्बानी को श्रद्धापूर्वक नमन किया। मनिहारी अनुमंडल क्षेत्र में भी मोहर्रम के अवसर पर विभिन्न अखाड़ों के खलीफाओं के नेतृत्व में ताजिया जुलूस निकाला गया। जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए थाना परिसर स्थित इमामबाड़ा पहुंचा। जहां जंगियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। इसके बाद सभी अखाड़े अपने-अपने ताजियों के साथ कर्बला के लिए रवाना हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही और लोग जुलूस का शांतिपूर्ण तरीके से स्वागत करते नजर आए। मोहर्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह, डीएसपी विनोद कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार उपसमाहर्ता रंजीत कुमार, अंचलाधिकारी निहारिका राय, बीडीओ सनत कुमार तथा थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा पुलिस बल के साथ लगातार जुलूस की निगरानी करते रहे। प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रिय मौजूदगी से पूरे आयोजन में शांति और व्यवस्था बनी रही। वहीं नगर मुख्य पार्षद लाखो यादव भी ताजिया जुलूस के साथ भ्रमण करते रहे और लोगों को आपसी भाईचारे, शांति तथा सद्भाव का संदेश देते रहे।

विहिप, बजरंग दल की बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

नए पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी, आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बरही (हजारीबाग)। मनोकामेश्वर शिव मंदिर परिसर में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष निरंजन केसरी ने की, जबकि संचालन प्रखंड मंत्री कैलाश ठाकुर ने किया। बैठक में संगठन की मजबूती, विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन कुमार ने संगठन कार्यों को गांव-गांव तक पहुंचाने और युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर बल दिया। वहीं जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंहा, जिला मंत्री अरविंद मेहता, जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता तथा जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक के दौरान संगठन को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई नए दायित्वों की घोषणा की गई। बजरंग दल में सोनू केसरवानी एवं संजय केसरी को सहसंयोजक, रोहित कुमार को धर्म प्रसार प्रमुख, अभय कुमार को सह मंत्री, धर्मेंद्र कुमार को सुरक्षा प्रमुख, रविशंकर साहू को सत्संग प्रमुख तथा शिवम कुमार को विद्यार्थी प्रमुख बनाया गया। वहीं दुर्गा वाहिनी में पलक कुमारी को प्रखंड संयोजिका, संतुष्टि केसरी को सह संयोजिका, रिया कुमारी को बल संस्कार केंद्र प्रमुख, विशाखा कुमारी को विद्यार्थिनी प्रमुख तथा संध्या ठाकुर को शक्ति साधना केंद्र प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

जुराबगंज-मुसापुर मार्केट के पास स्कॉर्पियो-ऑटो में भीषण टक्कर

10 घायल, पांच की हालत नाजुक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोढ़ा /कटिहार। कोढ़ा थाना क्षेत्र एनएच-31 पर जुराबगंज मुसापुर मार्केट के सामने स्कॉर्पियो और ऑटो के बीच आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में 10 लोग घायल हो गए। इनमें से 5 घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो पूर्णिया की ओर से आ रही थी जबकि ऑटो गेड़ाबाड़ी की तरफ से पूर्णिया जा रहा था। इसी दौरान दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो में सवार सभी 10 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही कोढ़ा थाना अध्यक्ष पंकज आनंद पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोढ़ा लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। स्कार्पियो चालक ने पुलिस को बताया कि वाहन का हैंडल अचानक लॉक हो गया था, जिसके कारण वह नियंत्रण खो बैठा और सामने से आ रहे ऑटो से टक्कर हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घायलों की पहचान रिचा प्रिया मोरसंडा, भारतीय कुमारी महिनाथपुर, काजल कुमारी मोरसंडा, मोहम्मद चांद मोरसंडा, पार्वती कुमारी मोरसंडा, छोटी कुमारी पूर्णिया, सिंटू कुमार मोरसंडा, पिंटू महतो मोरसंडा, आशुतोष सिंह मडवा एवं अजय कुमार मुसापुर के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में लेकर कोढ़ा थाना पहुंचा दिया है। वहीं इस सड़क हादसे को लेकर इलाके में चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस व्यस्त मार्ग पर यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ करने तथा सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है। ताकि

'बेटियों को पढ़ाइए, शादी की चिंता मत कीजिए'

सम्मान समारोह में भावुक हुईं बीपीएससी सफल ऐश्वरी, समाज के तानों के बीच माता-पिता ने जताया विश्वास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बारसोई/कटिहार। 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफलता प्राप्त कर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी बनी बारसोई की बेटी ऐश्वरी कुमारी के सम्मान में शुक्रवार को उनके पैतृक आवास के सामने भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने उन्हें फूलमाला पहनाकर, गुलदस्ता भेंट कर तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। सम्मान से अभिभूत ऐश्वरी अपने माता-पिता के संघर्ष को याद कर भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि एक समय समाज के कई लोग उनके माता-पिता से कहते थे कि बेटी को अधिक पढ़ाने के बजाय उसकी शादी के लिए पैसे जमा करें, लेकिन उनके माता-पिता ने समाज की बातों पर ध्यान न देकर अपनी बेटी की क्षमता पर विश्वास किया और अपनी मेहनत की पूरी कमाई उसकी शिक्षा पर लगा दी। भावुक स्वर में उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा, अगर आपकी बेटी पढ़ना चाहती है तो उसे अवश्य पढ़ाइए, उसकी शादी की चिंता मत कीजिए। यदि उसमें काबिलियत होगी तो योग्य परिवार स्वयं आपके घर आकर रिश्ते का प्रस्ताव देगा।'' उनके इस संदेश पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। ऐश्वरी ने अपने गुरुजनों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कई शिक्षकों ने फीस की परवाह किए बिना उन्हें पढ़ाया और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज के सभी लोगों के प्रेम, सम्मान और सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि सागर साह, संजीव कुमार, शिक्षक अनिल भगत, विकास साह, दुलाल चंद्र साह, वार्ड पार्षद दीपक चंद्र दास, नीरज दास, भारती दास, गौतम दास, जॉनी दास, प्रभुदयाल समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ऐश्वरी की सफलता आज केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि उस विश्वास, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन की कहानी बन गई है, जो यह संदेश देती है कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि परिवार और समाज का सबसे बड़ा गौरव होती हैं।

खरीफ महाभियान के तहत खरीफ कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बारसोई/कटिहार। प्रखंड ई-किसान भवन सभागार बारसोई में खरीफ महाभियान के तहत एकदिवसीय खरीफ कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ प्रखंड कृषि पदाधिकारी बारसोई पवन कुमार, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि मोहम्मद जिन्ना एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ सुशील सिंह, डॉ प्रभात कुमार तथा उप परियोजना निदेशक शशिकांत झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर बड़ी संख्या क्षेत्र के अन्नदाता मौजूद रहे। इस दौरान बीएओ ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों को जागरूक करने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के द्वारा खरीफ महाभियान के तहत देशभर में कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस महाभियान का यह उद्देश्य है कि सभी किसान प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने खेती के तरीके में परिवर्तन लाकर अपनी उपज बढ़ाएं। उन्होंने प्राकृतिक खेती, जैविक खाद एवं मोटे अनाज के उत्पादन पर जोड़ दिए जाने की बात कहीं। बीएओ ने दलहन-तिलहन में आत्मनिर्भरता, बीज उपलब्धता, कॉटन मिशन, बागवानी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, संतुलित उर्वरक एवं ड्रॉप मोर क्रॉप तथा कृषि यंत्रीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दीं। मौके पर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार के द्वारा आज किसानों को खेती में सहूलियत देने के लिए बहुत सारी कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

पीएचसी के सामने ट्रांसफार्मर में लगी आग, बिजली आपूर्ति ठप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अमदाबाद/कटिहार। नगर पंचायत क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने शुक्रवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे अचानक ट्रांसफार्मर में आग लग गई। देखते ही देखते ट्रांसफार्मर धू-धू कर जलने लगा। घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग सुरक्षित स्थानों की ओर हट गए। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं घटना की सूचना मिलते ही बिजली बोर्ड ने एहतियात के तौर पर संबंधित फीडर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। ट्रांसफार्मर जल जाने से इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इस भीषण गर्मी के बीच बिजली गुल रहने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जदयू नगर अध्यक्ष संजीव कुमार साह ने बिजली विभाग से अविलंब नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इधर बिजली विभाग के कनीय अभियंता कौशल कुमार ने बताया कि ट्रांसफार्मर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। नया ट्रांसफार्मर शनिवार को उपलब्ध होने के बाद उसे स्थापित कर जल्द बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

सांसद ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मनसाही/कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के सिरनिया पश्चिम पंचायत के वार्ड संख्या नौ हफलागंज कार्तिक स्थान चौक में विवाह भवन एवं हाई मास्ट एलईडी लाईट लगाने की मांग स्थानीय ग्रामीण सहित सिरनिया पश्चिम पंचायत के पैक्स अध्यक्ष सुनील कुमार साह ने सांसद तारिक अनवर से किया। इससे पूर्व सांसद को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। वहीं सिरनिया पूरब पंचायत के गोलाघाट में वार्ड सदस्य सह उप मुखिया मो. सकुर आलम के आवास पर सांसद का भव्य स्वागत किया गया। फूलों का माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया । मौके पर उप मुखिया मोहम्मद सकुर आलम ने अपने पंचायत में बड़ी नहर मरंगी पिच रोड से परतेली फोर लाइन तक पक्की सड़क का निर्माण,गोलाघाट चौक से बलुआ संथाली तक पक्की सड़क का निर्माण, गोलाघाट में जन वितरण प्रणाली की दुकान खोलने की मांग सहित बिजली में हो रही भारी कटौती को लेकर सांसद को ज्ञापन सौंपा कहा कि अभिलंब इन पर सांसद को संज्ञान लेना चाहिए। वहीं सांसद ने कहा कि सबों की मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

दोषपूर्ण ट्रांसफार्मर और अधिकारियों की कार्यशैली पर भड़के नगर पंचायत अध्यक्ष

जीएम बिजली विभाग से की कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। नगर पंचायत हुसैनाबाद के अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने बिजली विभाग के महाप्रबंधक (जीएम), मेदिनीनगर को पत्र भेजकर क्षेत्र में लगातार जल रहे ट्रांसफार्मरों, खराब विद्युत व्यवस्था और विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि विभाग द्वारा गुणवत्ताहीन एवं मरम्मत किए गए पुराने ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा है कि भीषण गर्मी के बीच नगर पंचायत क्षेत्र में लगातार ट्रांसफार्मर जलने की घटनाओं से आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित होने के कारण उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में रामबिगहा, मेंहदीनगर और खादी भंडार क्षेत्र के लिए तीन ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराए गए थे, जिनमें दो नए और एक मरम्मत किया हुआ पुराना ट्रांसफार्मर था।पत्र के अनुसार, रामबिगहा वार्ड संख्या-3 में पुराने ट्रांसफार्मर भेजे जाने पर ग्रामीणों में भारी नाराजगी फैल गई और स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गई। विवाद बढ़ने के बाद उक्त ट्रांसफार्मर को दो दिनों तक हुसैनाबाद थाना परिसर में रखना पड़ा। अजय कुमार भारती ने इस पूरे मामले के लिए बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उन्हें लिखित रूप से अवगत कराने और कई बार दूरभाष पर संपर्क करने के बावजूद न तो उनकी शिकायतों पर ध्यान दिया गया और न ही किसी प्रकार की सकारात्मक पहल की गई। उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों की बात तक नहीं सुनी जा रही है, तो आम जनता की समस्याओं के प्रति विभाग की संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने महाप्रबंधक से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, संबंधित कार्यपालक अभियंता के आचरण एवं कार्यशैली की समीक्षा करने तथा आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने हुसैनाबाद क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने, निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और स्थायी समाधान के लिए जर्जर बिजली तारों को बदलने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराने का आग्रह किया है।उन्होंने इस पत्र की प्रतिलिपि उपायुक्त पलामू, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, ऊर्जा विभाग तथा मुख्यमंत्री झारखंड सरकार को भी प्रेषित की है।

गिरे पड़े डस्टबिन, कचरे का अंबार और भ्रष्टाचार के आरोप

वार्ड पार्षद ने विभाग को ऑनलाइन शिकायत भेज उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद नगर पंचायत वार्ड छः के पार्षद अभिमन्यु कुमार गुप्ता ने नगर पंचायत में वित्तीय अनियमितता, सफाई व्यवस्था की बदहाली और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी का गंभीर आरोप लगाते हुए ऑनलाइन के माध्यम से संबंधित मंत्रालय (विभाग) में शिकायत भेजकर मामले की जांच की मांग की है। वार्ड पार्षद ने आरोप लगाया है कि नगर पंचायत क्षेत्र के जपला एवं रामबीघा रोड सहित विभिन्न इलाकों में जनता के टैक्स के पैसों से बड़ी लागत पर खरीदे गए ट्विन डस्टबिन और स्टील कचरा पात्र वर्तमान में बदहाल स्थिति में पड़े हैं। उनका कहना है कि लगभग 25 हजार रुपये प्रति डस्टबिन की लागत से

लगाए गए कई डस्टबिन उखड़ चुके हैं, टूट-फूट गए हैं और कई स्थानों पर कचरे के बीच लावारिस अवस्था में पड़े हुए हैं। इससे नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अभिमन्यु कुमार गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन वार्ड 5 के पार्षद संगीता कुमारी के साथ मिलकर कई बार नगर पंचायत प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है, जिससे जनता की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि मामले से संबंधित जियोटैग्ड तस्वीरें और वीडियो उपलब्ध हैं, जिनमें सरकारी संपत्ति की दुर्दशा, कचरे का अंबार और डस्टबिनों की खराब स्थिति स्पष्ट दिखाई दे रही है। वार्ड पार्षद ने केंद्र और राज्य सरकार के सक्षम अधिकारियों से नगर पंचायत में डस्टबिन खरीद एवं रखरखाव की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषीयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

28-29 जून को मधुबन में होगा माले का जिला सम्मेलन, तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे राजेश सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भाकपा (माले) का दो दिवसीय जिला सम्मेलन 28 एवं 29 जून को मधुबन में आयोजित होगा। सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए माले नेता राजेश सिन्हा मधुबन पहुंचे। उन्होंने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर कार्यकर्ताओं के साथ तैयारियों की समीक्षा की और सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया माले नेताओं ने बताया कि 28 जून को खुला सत्र, विशाल रैली और जनसभा का आयोजन होगा, जिसमें करीब पांच हजार कार्यकर्ता, समर्थक, शुभचिंतक तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन में पार्टी के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, आरा सांसद सुदामा प्रसाद, निरसा विधायक अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, पूर्व विधायक राजकुमार यादव, पूर्व विधायक विनोद सिंह, राज्य सचिव मनोज भक्त समेत राज्य एवं जिला कमेटी के पदाधिकारी और विभिन्न प्रखंडों के नेता शामिल होंगे। बड़ी संख्या में महिला, युवा और छात्र कार्यकर्ताओं की भी भागीदारी रहेगी नेताओं ने बताया कि इस बार जिला सम्मेलन के लिए मधुबन का चयन इसलिए किया गया है ताकि पीरटांड़ प्रखंड एवं गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र में संगठन को और मजबूत किया जा सके। सम्मेलन की तैयारियों में जिला सचिव अशोक पासवान, किसान नेता पूरन महतो, राजेश सिन्हा, कन्हाई पांडेय, अजीत राय, सोहन महतो, मनोज महतो, हराधन तुरी, योगेश्वर महतो, सूरज तुरी, बसंत कर्मकार, नागेश्वर महतो, भीम कोल, अरबिंद टुडू सहित कई कार्यकर्ता जुटे हुए हैं आयोजकों के अनुसार, सभा का मुख्य स्थल मध्यलोक भवन (बिसपंथी के सामने) तथा रैली एवं जनसभा का आयोजन थाना मोड़ मेला मैदान में होगा। बाहर से आने वाले प्रतिनिधियों के ठहरने के लिए भोमिया भवन सहित अन्य गेस्ट हाउस की व्यवस्था की गई है 28 जून की शाम प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित होगी, जबकि 29 जून को संगठन विस्तार, विभिन्न क्षेत्रों की समीक्षा और नई जिला कमेटी के गठन सहित कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जाएगी माले नेताओं ने कहा कि सम्मेलन की तैयारियां पिछले एक माह से चल रही हैं। सम्मेलन के दौरान राज्य सरकार की नीतियों, जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों तथा राजनीतिक परिस्थितियों पर भी चर्चा की जाएगी। सम्मेलन को लेकर बगोदर, राजधनवार, जमुआ, गिरिडीह, गांडेय और डुमरी क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

अंधेरे में डूबा हुसैनाबाद रेलवे ओवर ब्रिज, हादसों का बढ़ा खतरा, उपायुक्त से लगाई गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद शहर का प्रमुख रेलवे ओवर ब्रिज इन दिनों घोर अंधेरे में डूबा हुआ है। ब्रिज पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होने के कारण यह क्षेत्र दुर्घटना की दृष्टि से बेहद संवेदनशील बन गया है। रात के समय राहगीरों, वाहन चालकों, छात्रों, मरीजों तथा कामकाजी लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर नगर पंचायत हुसैनाबाद के अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने पलामू के उपायुक्त को पत्र लिखकर तत्काल प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा 26 जून 2026 को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि रेलवे ओवर ब्रिज पर पर्याप्त रोशनी के अभाव में आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अंधेरा होने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी होती है, वहीं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने का खतरा बढ़ गया है। अध्यक्ष ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस संबंध में पूर्व में भी कई बार लिखित एवं मौखिक रूप से संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे स्थानीय लोगों में निराशा और आक्रोश दोनों बढ़ रहे हैं।

उन्होंने उपायुक्त से जनहित और जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेलवे ओवर ब्रिज पर शीघ्र स्ट्रीट लाइट लगाने की व्यवस्था कराने का आग्रह किया है, ताकि नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह ओवर ब्रिज शहर की जीवनरेखा है। प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं, बाजार जाने वाले लोग, मरीज और नौकरीपेशा व्यक्ति इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। रात के समय अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं के साथ-साथ चेन स्नैचिंग, छीना-झपटी और अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।अब लोगों की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं। देखना यह है कि उपायुक्त कार्यालय इस गंभीर जनसमस्या पर कितनी शीघ्रता से संज्ञान लेता है और हुसैनाबाद रेलवे ओवर ब्रिज पर कब उजाले की व्यवस्था हो

30 जून को भोगनाडीह में मनाया जाएगा हूल दिवस, पारंपरिक कार्यक्रमों के साथ होगा आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

साहिबगंज। आगामी 30 जून को ऐतिहासिक भोगनाडीह में हूल दिवस का आयोजन पारंपरिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। इसकी जानकारी सिदो कान्हू हूल फाउंडेशन के अध्यक्ष व वीर शहीद सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू ने दी। मंडल मुर्मू ने बताया कि सिदो कान्हू हूल फाउंडेशन और आतो मांझी बैसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है।

दो दिवसीय कार्यक्रम, फुटबॉल प्रतियोगिता शामिल

दो दिवसीय आयोजन के तहत 29 एवं 30 जून को फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 30 जून की

सुबह सिदो कान्हू स्टेडियम और उनके आवास परिसर में वीर शहीद सिदो, कान्हु, चांद, भैरव तथा फूलो-झानो की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण एवं पारंपरिक पूजा-अर्चना की जाएगी।

विचार गोष्ठी से सांस्कृतिक कार्यक्रम तक

मंडल मुर्मू ने बताया कि सुबह 10 बजे से रात तक विचार गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक नृत्य-गीत और सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हूल दिवस आदिवासी समाज के गौरव, संघर्ष और बलिदान की ऐतिहासिक विरासत को याद करने का अवसर है। भोगनाडीह वही ऐतिहासिक स्थल है, जहां वर्ष 1855 में हूल आंदोलन का बिगुल फूंका गया था। इसी कारण हर वर्ष झारखंड समेत देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर हूल क्रांति के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। प्रेस वार्ता में ग्राम प्रधान सह आतो मांझी बैसी के अध्यक्ष बबलू हांसदा, राजा हांसदा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

हूल दिवस को भव्य रुप में मनाएगी भाजपा, 9 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। हूल दिवस को भव्य बनाने की दिशा में प्रदेश भाजपा तैयारियों में जुट गई है। इसके तहत प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने आयोजन समिति का गठन किया है, जो 30 जून को भोगनाडीह अमर शहीद स्थल पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी करेगी।

वीर गाथाओं से भरी पड़ी है झारखंड की भूमि

इस संबंध में प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बताया कि झारखंड के लिए इस तिथि का ऐतिहासिक महत्व है। संथाल परगना और झारखंड की भूमि, क्रांतिकारियों की वीर गाथाओं से भरी पड़ी है। सन् 1855 में 30 जून के ही दिन झारखंड के जनजातीय समुदाय द्वारा हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हू के नेतृत्व में अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका गया था। चांद-भैरव, फूलो-झानो ने भी इस आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई थी।

30 जून को हर साल मनाया जाता है हूल दिवस

दमन और शोषण के खिलाफ उलगुलान का यह आदिवासियों का इतिहास आजादी की लड़ाई से पूर्व का है। 30 जून, 1855 को अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी समाज द्वारा फूंका गया यह बिगुल भारत का पहला स्वाधीनता संग्राम के रुप में जाना जाता है।

देशभर में पेपर लीक और नीट छात्रों की समस्याओं पर कांग्रेस करेगी प्रेस वार्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों तथा नीट अभ्यर्थियों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस शनिवार, 27 जून को प्रेस वार्ता आयोजित करेगी। 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत आयोजित इस प्रेस वार्ता को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता देबू चटर्जी और अब्दुल करीम अंसारी संबोधित करेंगे प्रेस वार्ता स्थानीय परिसदन में शनिवार दोपहर 2:00 बजे होगी। इसमें दोनों नेता पेपर लीक की घटनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता तथा नीट छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस का पक्ष रखेंगे। साथ ही छात्रों के हितों से जुड़े विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा किए जाने की संभावना है।

शादी समारोह में चली गोली, एक जख्मी

हत्या की नीयत से फायरिंग का आरोप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के शिव शंकरपुर गांव में गुरुवार देर रात एक शादी समारोह के दौरान गोली चलने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची तेल्हाड़ा एवं चिकसौरा थाना पुलिस ने घायल को अनुमंडलीय अस्पताल हिलसा पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पावापुरी विम्स रेफर कर दिया गया।घायल के परिजनों ने बाद में उन्हें बिहारशरीफ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन शुक्रवार को उनकी हालत और गंभीर होने पर पुलिस के सहयोग से बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर किया गया।घायल की पहचान चिकसौरा थाना क्षेत्र के पार बिगहा गांव निवासी महावीर

पासवान के 50 वर्षीय पुत्र सूरत पासवान के रूप में हुई है। उन्हें पेट में गोली लगी है और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। हिलसा के टू डीएसपी कुमार ऋषिराज ने बताया कि शादी समारोह के दौरान गोली चलने की घटना हुई है। इस मामले में घायल की पुत्री के बयान पर तेल्हाड़ा थाना में कई लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिसमें हत्या करने की नीयत से गोली मारने का आरोप लगाया गया है।

जेपी लोकतंत्र सेनानी संगठन ने मनाया काला दिवस

आपातकाल के विरोध में नारेबाजी कर लोकतंत्र की रक्षा का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जेपी लोकतंत्र सेनानी संगठन ने आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ को काला दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान जेपी सेनानियों ने प्रजातंत्र चौक स्थित जयप्रकाश नारायण के स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर आपातकाल के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद शहर के फल गली स्थित आरएसएस कार्यालय में संगठन के जिलाध्यक्ष जयनारायण प्रसाद के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वक्ताओं ने संपूर्ण क्रांति आंदोलन एवं आपातकाल के विरोध में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में जेपी सेनानियों ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार बताते हुए कहा कि उस दौर के संघर्ष और बलिदान को नई पीढ़ी

तक पहुंचाना समय की जरूरत है, ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति जागरूकता बनी रहे। प्रवक्ता आदित्य विशाल ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन सरकार के द्वारा लगाए गए आपातकाल ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर आघात पहुंचाया था। उस वक्त लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में विभिन्न राजनीतिक दलों व लोकतंत्र समर्थकों ने तानाशाही प्रवृत्तियों के खिलाफ संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि आपातकाल के उस दौर को याद करना इसलिए आवश्यक है, ताकि नई पीढ़ी लोकतंत्र की रक्षा के लिए हुए संघर्षों से प्रेरणा ले सके। मौके पर संगठन के जिलाध्यक्ष जयनारायण प्रसाद, उपाध्यक्ष श्याम सुंदर सिंह, अर्जुन सिंह, महामंत्री अमरेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष कृष्णदेव प्रसाद, प्रवक्ता आदित्य विशाल, कुलदीप प्रसाद, अनुज प्रसाद एवं ओम प्रकाश वि श व क र्मा सहित अन्य जेपी सेनानी उपस्थित रहे।

राजदह धाम में निर्जला एकादशी पर मोदी सेवा ट्रस्ट ने किया शर्बत वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर बिरनी प्रखंड के मोदी सेवा ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार को सरिया के प्रसिद्ध उत्तरवाहिनी तीर्थ स्थल राजदह धाम में श्रद्धालुओं के बीच शर्बत एवं शीतल पेयजल का वितरण किया गया। कार्यक्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष मुकुल प्रसाद की उपस्थिति में आयोजित हुआ ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि बीते वर्ष से निर्जला एकादशी के अवसर पर सेवा कार्य का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इस वर्ष भी भीषण गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं एवं व्रतधारियों के बीच गुड़-दही, गुड़-नींबू का शर्बत तथा शीतल पेयजल वितरित किया गया ट्रस्ट के संरक्षक अरविंद कुमार ने कहा कि निर्जला एकादशी सेवा, दान और मानवता का संदेश देने वाला पावन पर्व है। उन्होंने कहा कि मोदी सेवा ट्रस्ट हमेशा सामाजिक सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहता है तथा भविष्य में भी ऐसे जनसेवा कार्य जारी रहेंगे कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्य राजेश कुमार, सुमन कुमार, सागर कुमार, मुकेश बर्णवाल, पप्पू मोदी, महावीर मोदी, नयन कुमार, रोहित कुमार एवं जीवन कुमार सक्रिय रूप से मौजूद रहे। वहीं राजदह धाम समिति के अध्यक्ष सुरेश भारती, उपाध्यक्ष राजकुमार वर्मा, बसंत कुमार, धर्मवीर कुमार, राजेंद्र वर्मा, सचिव संजय कुशवाहा, कोषाध्यक्ष वासुदेव वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा प्रणाली के लिए संक्षिप्त निविदा सूचना सं. एएसएन/I/01 ऑफ 2026-27, दिनांक: 25.06.2026, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/I/पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I/पूर्व रेलवे/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में जियो-टेक्निकल जाँच के लिए शेष कार्य एवं सभी अन्य सहायक कार्य। **निविदा का माध्यम:** एकल पैकेट प्रणाली। **अनुमानित मूल्य:** रु.93.02 लाख। **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **बोली प्रतिभूति:** रु.1,86,100/-। **समापन अवधि:** 12 माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 17.07.2026 को 11.00 बजे। निविदा कागजात और अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं। इस निविदा के लिए बोली उक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

ASN-153/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना क्रमांक ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-20डी-24, दिनांक 22.06.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए **निविदा क्रमांक ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-20डी-24** के प्रतिपक्ष ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान** : हावड़ा के झील साइडिंग कोचिंग डिपो में ट्रेन सेट मेंटेनेंस सुविधा की स्थापना के संबंध में 25 केवी एसी ओएचई की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और आरंभ। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 3,57,83,331.20, **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 7,15,700/-, **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। **कार्य समाप्ति की अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 18 (अठारह) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** दिनांक 14.07.2026 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/ वर्णन/ विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps. gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

HWH-173/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/ई-ऑक्शन/2025, दिनांक : 24.06.2026 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा द्वारा हावड़ा मंडल के तहत तारकेश्वर, बर्द्धमान स्टेशन और हावड़ा स्टेशन के पास गुलमोहर कॉलनी, डॉबसन रोड में मल्टी-शॉपिंग आर्केड की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव हेतु अनुबंध प्रदान करने के लिए पूर्व प्रकाशित ई-नीलामी के लिए अनुबंध की अवधि क्रम सं. ए/1, लॉट सं.: एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-टीएके-एसटीजीईएन-79-26-2 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), क्रम सं. ए/2, लॉट सं.: एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-एसटीजीईएन-80-26-2 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल) और क्रम सं. ए/3, लॉट सं.: एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-एसटीजीईएन-83-26-2 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल) के लिए पांच (05) वर्ष के बदले **दस (10) वर्ष** पढ़ी जानी चाहिए। इसका विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

HWH-176/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बोकारो में सरकारी बस स्टैंड की बदहाली, करोड़ों की सरकारी संपत्ति खंडहर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। कभी बोकारो की पहचान और यात्रियों की पहली पसंद रहा सरकारी बस स्टैंड आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से बनी सरकारी संपत्ति अब खंडहर में तब्दील हो चुकी है। यहां कभी रोजाना 40 बस अलग-अलग शहरों के लिए रवाना होती थी, वहीं आज सन्नाटा पसरा हुआ है। दरसअल, बोकारो का सरकारी बस स्टैंड कभी यात्रियों की भीड़, बसों के शोर शराबे और सफर की रौनक से गुलजार हुआ करता था लेकिन आज यह परिसर पूरी तरह से वीरान पड़ा है। 1970 में शुरू हुआ यह बस स्टैंड बोकारो को बिहार और झारखंड के कई प्रमुख शहरों से जोड़ने वाला अहम परिवहन केंद्र हुआ करता था।एक समय यहां से हर दिन करीब 40 बस दरभंगा, बक्सर, छपरा, सिवान, पूर्णिया, भागलपुर, रांची, रामगढ़ और टाटा जैसे शहरों के लिए संचालित होती थीं लेकिन झारखंड-बिहार के बीच संपत्ति बंटवारे के बाद से यह बस स्टैंड प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार होता चला गया। बसों का संचालन बंद हुआ और परिसर में खड़ी बसों को धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील कर दिया गया।

आज स्थिति यह है कि करोड़ों रुपये मूल्य की करीब छह एकड़ सरकारी जमीन पूरी तरह वीरान पड़ी है। परिसर की इमारत जर्जर हो चुकी हैं और चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सरकारी संरक्षण के अभाव में यह ऐतिहासिक बस स्टैंड अब अपनी पहचान खोता नजर आ रहा है।

नहाने गये पांच दोस्तों में दो गंगा में समाए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बाढ़ अनुमंडल में पोस्ट ऑफिस घाट पर नहाने गए पांच दोस्तों में से दो गंगा नदी में डूब गए। सभी युवक बाढ़ थाना क्षेत्र के मल्लिक समाज से हैं और आपस में घनिष्ठ मित्र बताए जा रहे हैं। सभी शाम को घर से लगभग 500 मीटर दूर स्थित पोस्ट ऑफिस घाट पर स्नान करने गए थे। इनमें विकास और रोहित गंगा नदी में डूब गए, जिनकी तलाश अभी जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्नान के दौरान पांचों युवक गंगा की तेज धारा में चले गए। स्थिति बिगड़ते ही घाट पर अफरातफरी मच गई और स्थानीय लोग उन्हें बचाने के लिए नदी की ओर दौड़ पड़े। बताया जाता है कि डूब रहे युवकों में से एक को स्थानीय लोगों ने किसी तरह नदी से बाहर निकाल लिया। वहीं दो अन्य युवक तैरकर सुरक्षित किनारे तक पहुंचने में सफल रहे। हालांकि विकास और रोहित तेज धारा में बहकर काफी दूर चले गए।

लोगों ने दोनों युवकों को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। देखते ही देखते दोनों गंगा की तेज धारा में ओझल हो गए, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही एसडीपीओ रामकृष्ण पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन ने तत्काल गोताखोरों की टीम को बुलाया और गंगा नदी में दोनों युवकों की तलाश शुरू कराई। समाचार लिखे जाने तक खोज अभियान जारी था।

शंकर मल्लिक ने बताया कि पांच युवक गंगा में स्नान करने गए थे, जिनमें से एक को स्थानीय लोगों ने डूबने से बचा लिया, जबकि दो अन्य किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के दौरान पुलिस की ओर से अपेक्षित मदद नहीं मिली।

शांतिपूर्ण माहौल में मोहर्रम संपन्न

नबिटा टीम

शिवाजीनगर/मुजफ्फरपुर/गयाजी। प्रखंड क्षेत्र में मोहर्रम का पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे दिन पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की लगातार निगरानी के कारण कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

हथौड़ी थाना अध्यक्ष मौसम के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के रहटौली, बलीपुर, परशुराम, मधुरापुर, हबका, सभा, काजी डुमरा, शाहिद तथा चक चौहान समेत विभिन्न गांवों एवं चौक-चौराहों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिसकर्मी लगातार गश्ती करते रहे और ताजिया जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर बनाए रखी वहीं, शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार के नेतृत्व में भी थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल एवं अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई। जुलूस के निर्धारित मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के साथ-साथ भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। थाना अध्यक्षों ने लोगों से आपसी भाईचारा, शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की थी, जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। मोहर्रम के अवसर पर सभी समुदायों के लोगों ने प्रशासन का सहयोग किया और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किया प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि पर्व के दौरान

पूरे क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी गई तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने भी प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए शांतिपूर्ण आयोजन में आम लोगों के सहयोग की प्रशंसा की।

मुजफ्फरपुर से संवाददाता के अनुसार मुहर्रम की 10वीं तारीख (आशूरा) पर बिहार के मुजफ्फरपुर में शिया समुदाय ने इमाम हुसैन की शहादत की याद में गम और मातम का जुलूस निकाला। 'या हुसैन' की सदाओं के बीच अजादारों ने मातम कर कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मान्यता के अनुसार, 10 वीं तारीख को मुहर्रम को कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन ने यजीद के अत्याचार और अन्याय के खिलाफ लड़ते हुए शहादत दी थी। उनकी कुर्बानी की याद में हर वर्ष आशूरा के दिन मातमी जुलूस निकाले जाते हैं।

मुजफ्फरपुर शहर के चंदवारा स्थित शिया बहुल कमरा मोहल्ले से पहला मातमी जुलूस निकाला गया। इसमें हजारों की संख्या में शिया समुदाय के लोग शामिल हुए। अजादार नंगे पांव चलकर मातम करते रहे और 'या हुसैन' के नारों के साथ कर्बला के शहीदों को याद किया।

गयाजी से संवाददाता के अनुसार जिले के इमामगंज प्रखंड के झिकटिया पंचायत के झिकटिया गांव में मुहर्रम के अवसर पर इस वर्ष हेलीकॉप्टर की तर्ज पर बनाया गया ताजिया लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

अपनी अनूठी बनावट, रंग-बिरंगी सजावट और शानदार कारीगरी के कारण इसे देखने के लिए इमामगंज के साथ-साथ डुमरिया, बांकेबाजार और बुढ़वा क्षेत्र के दर्जनों गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। इस ताजिया की सबसे खास बात यह है कि इसे झिकटिया गांव के हिंदू बढ़ई प्रदीप शर्मा ने तैयार किया है।

प्रदीप शर्मा पिछले करीब 10 वर्षों से लगातार ताजिया बना रहे हैं। हर साल वे अपने हुनर और रचनात्मक सोच से नया एवं आकर्षक डिजाइन तैयार करते हैं। इस वर्ष उन्होंने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ताजिया को हेलीकॉप्टर का रूप दिया है।

पंखे, पूंछ और बॉडी का हू-ब-हू मॉडल देखकर लोग हैरान हैं। गांव में इसकी हर ओर सराहना हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रदीप शर्मा का यह कार्य केवल बेहतरीन कारीगरी का उदाहरण नहीं है, बल्कि यह हिंदू-मुस्लिम एकता, आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का भी जीवंत प्रतीक है।

प्रखंड मुख्यालय पर जन प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी। लोक समिति, मजदूर - किसान समिति और छात्र - युवा संघर्ष वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में प्रदर्शन किया गया। सैकड़ों की संख्या में मजदूर , किसान और महिलाएं बैनर के साथ नारे लगाते हुए जयराम गिरि उच्च विद्यालय के पास से चिलचिलाती धूप में चल कर प्रखंड मुख्यालय पहुंची। जहां बीडीओ और सीओ की गैर मौजूदगी में संबंधित स्मारक - पत्र को मुख्य गेट के पास चिपका दिया गया।

सभा को संबोधित करते हुए लोक समिति के राष्ट्रीय संयोजक कौशल गणेश आजाद ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल अधिकारी का रवैया ठीक नहीं है । उन्होंने कहा कि दोनों अधिकारी अपने आवास में आराम फरमा रहे हैं। उन्हें प्रदर्शन की सूचना पहले ही दी जा चुकी थी फिर भी कार्यालय में मौजूद न रहकर अपने आवास में आराम फरमाना, प्रदर्शन को नजरंदाज करना, इनके लापरवाही का पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि प्रखंड और अंचल मुख्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। अधिकारी अपने आवास से ही विचौलियों के माध्यम से काम करते हैं। श्री आजाद ने कहा कि बिहार भ्रष्ट अधिकारियों के लिए चारागाह बन गया है। उन्होंने कहा कि 1974 का आंदोलन भ्रष्टाचार एक प्रमुख मुद्दा था । इसके साथ ही महंगाई , बेरोजगारी , शैक्षणिक , आर्थिक , सामाजिक और राजनैतिक गैरबराबरी मुद्दे थे । उन्होंने कहा कि दशकों से 1974 के आंदोलन में शामिल लोगों का सत्ता पर कब्जा है फिर भी ये समस्याएं बढ़ी ही है । नेताओं द्वारा इमरजेंसी का विरोध रस्म अदायगी है । बुल्डोजर और एनकाउंटर राज्य स्थापित करने की कोशिश हो रही है । उन्होंने कहा कि हमें संगठन को और मजबूत कर लंबे समय तक शांतिमय संघर्ष करना होगा। सभा को बालेश्वर मांझी , परमेश्वर यादव , खनौरी दास , सुखदेव मांझी, मीरा देवी, झपासी मांझी , यमुना मांझी , इंद्रदेव मांझी आदि ने संबोधित किया । संचालन बिशुनधारी यादव , जिला संयोजक , मजदूर - किसान समिति ने किया।

कोचिंग सेंटरों में इमरजेंसी एग्जिट और फायर सेफ्टी को लेकर सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। लखनऊ में हुए दर्दनाक कोचिंग हादसे के बाद देशभर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। इस घटना में कई छात्रों की मौत के बाद अभिभावकों और आम लोगों के बीच चिंता बढ़ गई है। झारखंड की राजधानी रांची सहित हजारीबाग, जमशेदपुर और धनबाद में संचालित कई कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

रांची के लालपुर, कांटाटोली, सिरमटोली, सर्कुलर रोड और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। इनमें पढ़ने के लिए झारखंड के अलावा बिहार समेत अन्य राज्यों से भी छात्र आते हैं। आरोप है कि कई संस्थान संकरी गलियों और बहुमंजिला इमारतों में बिना पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के संचालित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों का कहना है कि अधिकांश इमारतों में आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) की व्यवस्था नहीं है। कई जगहों पर क्षमता से अधिक छात्रों को एक ही कक्ष में बैठाया जाता है, जिससे किसी आपदा की स्थिति में भगदड़ और जनहानि का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा पर्याप्त वेंटिलेशन, अग्निशमन यंत्र और फायर सेफ्टी मानकों की भी कमी देखने को मिलती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बढ़ते कोचिंग व्यवसाय के बीच सुरक्षा मानकों की नियमित जांच और सख्त अनुपालन आवश्यक है। उनका कहना है कि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण और मानकों की समीक्षा की जानी चाहिए।

अभिभावकों की मांग है कि प्रशासन सभी कोचिंग संस्थानों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट कराए और नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर सख्त कार्रवाई करे। उनका कहना है कि छात्रों की जान से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

फरार अभियुक्त धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। छह वर्षों से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी गुड्डू कुमार को एसटीएफ की विशेष टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वर्ष 2020 में हुए लूट और फायरिंग कांड के बाद से फरार था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी। जानकारी के अनुसार, 24 जून को एसटीएफ ने पूर्वी चंपारण जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में छापेमारी कर गुड्डू कुमार को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के हुस्सेपुर पंचरुखिया गांव निवासी प्रमोद राय का पुत्र है। पुलिस के मुताबिक, दिसंबर 2020 में साहेबगंज थाना क्षेत्र के चिकनौटा इलाके में पूर्वी चंपारण के केसरिया थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर निवासी अखिलेश कुमार को रास्ते में रोककर चाकू मारकर घायल कर दिया गया था। इसके बाद बदमाशों ने उसके पास मौजूद जरूरी दस्तावेज और करीब नौ हजार रुपये लूट लिए थे। विरोध करने पर आरोपियों ने कई राउंड फायरिंग भी की थी। घटना के बाद से गुड्डू कुमार लगातार फरार चल रहा था।

लोक समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी जोरों पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। बिहार प्रदेश लोक समिति के प्रांतीय महामंत्री शिवजी सिंह ने एविज्ञप्ति जारी कर बताया कि लोक समिति, लोक नायक जयप्रकाश नारायण द्वारा स्थापित एक गैर दलीय राष्ट्रीय जन संगठन है। जिसकी स्थापना जेपी ने 30 जून 1977 को की थी। श्री सिंह ने कहा कि इन दिनों देश में बढती महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, शिक्षा, खेती- किसानी का संकट, पुलिस-जुल्म तथा लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे को देखते हुए आज जेपी के विचारों की प्रासंगिकता पहले से ज्यादा ही बढ़ गयी है। श्री सिंह ने कहा कि इस वर्ष लोक समिति का 49 वां राष्ट्रीय सम्मेलन 30 जून को झारखंड प्रदेश के राँची के शांतमन नगर , स्थित नव भारत जागृति केन्द्र के सभागार में सम्पन्न कराने की तैयारी जोरों पर चल रही है। श्री सिंह ने कहा कि सम्मेलन की सफलता को लेकर प्रांतीय एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी लगातार एक दूसरे से संवाद स्थापित कर तैयारी की समीक्षा कर जिलेवार रिपोर्ट प्राप्त कर रहें है। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन गांधी वादी चिंतक एवं लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरिजा सतीश करेंगे, तथा राष्ट्रीय संयोजक कौशल गणेश आजाद मुख्य वक्ता होंगे ।श्री सिंह ने बताया कि बिहार से सम्मेलन में रोहतास, बक्सर, कैमूर जिला से जिला से सर्व सुरेश प्रसाद, भानु प्रकाश राय, हीरालाल राय, मथुरा सिंह, अनिल कुमार यादव, भोलानाथ सिंह ,चम्पारण से रवीन्द्रनाथ तिवारी, शम्भुनाथ मिश्रा उर्फ ज्ञानी, राजेश यादव, विश्वजीत तिवारी ,लालदेव चौधरी, भोजपुर से गीता पाण्डेय, पुष्पा कुमारी, सजला श्रीवास्तव, गुडिया देवी, कलावती देवी, छपरा से सवलिया गिरी, सदन सिंह, भरत सिंह, मुजफ्फरपुर से मकबूल आलम, मानिकचन्द सहनी, सुबोध पाण्डेय, भागलपुर, राजू रंजना, गोपाल यादव, नालंदा से विनोद शर्मा, पटना से चन्द्रभूषण, गया से पुतुल कुमारी, उपेन्द्र सिंह, बिन्दु सिंह, सीतामढ़ी से हृषीकेश कुमार, समस्तीपुर से डॉ. निगहवान अहमद, पप्पू यादव, एवं शोभा कान्त, औरंगाबाद से अजय कुमार श्रीवास्तव शामिल रहेंगे।

फूल लेने गयी किशोरी के साथ दुष्कर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। दूसरे के दालान पर फूल लेने गई किशोरी के साथ युवक ने दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़िता को कमरे में बंद कर फरार हो गया। बाद में पुलिस की डायल 112 टीम ने पीड़ित किशोरी को कमरे से मुक्त कराया। इस मामले को लेकर किशोरी की चाची ने शेखपुरा महिला थाना में सुजीत तिवारी पर प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया है। इस घटना को लेकर एक बात और कही जा रही है कि किशोरी इस घटना के एक दिन पूर्व उक्त युवक सुजीत से अपनी शादी कराने के लिए पुलिस से सहयोग मांगने के लिए बरबीघा थाना पर गई थी।

किशोरी के माता-पिता बाहर रहते हैं और वह स्वयं गांव में चाची के साथ रहती है। यह मामला जिला के बरबीघा थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

अपर पुलिस अधीक्षक डॉ राकेश कुमार ने बताया किशोरी जिस दालान से फूल लेने गई थी तथा जहां उसके साथ दुष्कर्म हुआ,वह दालान

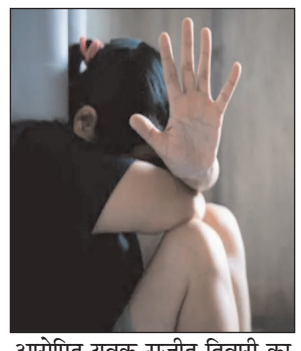

आरोपित युवक सुजीत तिवारी का है।

बताया गया बुधवार 24 जून को किशोरी दोपहर में पूजा के लिए फूल तोड़ने के लिए युवक सुजीत तिवारी के दालान पर गई थी।

दालान में उस समय सुजीत भी मौजूद था। दोपहर और अकेली देखकर सुजीत ने किशोरी को जबरन कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

इसके बाद कमरे को बाहर से बंद करके स्वयं वहां से भाग गया। बाद में किशोरी के शोर मचाने पर पुलिस की डायल 112 टीम को सूचना दी गई।

सूचना पर पुलिस ने कमरे को खोलकर दुष्कर्म पीड़ित किशोरी को बाहर निकाला। इस मामले को लेकर शुक्रवार को शेखपुरा महिला थाना में आवेदन दिया गया है।

गोली मारकर युवक की हत्या

आरा। जिले के आरा शहर में बेखौफ अपराधियों ने कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए एक युवक की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना नगर थाना क्षेत्र के धरहरा पुल के पास की है। मृतक की पहचान नवादा थाना क्षेत्र के श्री टोला स्थित वार्ड संख्या-36 निवासी चंदन यादव (28) के रूप में हुई है। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर तफ्तीश शुरू कर दी है।

घटना के संबंध में चंदन की पत्नी गीता देवी ने बताया कि गुरुवार की रात कुछ लोग चंदन यादव को नाश्ता करने के बहाने उसे घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे। धरहरा मुसहर टोली के समीप अपराधियों ने चंदन पर करीब से फायरिंग की। गोली उसके पेट के दाहिने हिस्से में लगी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में मृतक की पत्नी गीता देवी का आरोप है कि चंदन का पहले भी कुछ लोगों से विवाद हुआ था। उन्हीं लोगों ने साजिश के तहत इस घटना को अंजाम दिया है। वहीं घटना के संबंध में पुलिस का मानना है कि चर्चा इस बात का भी है कि इस हत्या के पीछे प्रेम-प्रसंग का मामला है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि हत्या के असली कारणों का पता लगाने के लिए हर संभावित एंगल को खंगाला जा रहा है। जहां एक तरफ परिजनों ने पुराने विवाद में हत्या का आरोप लगाया है, वहीं पुलिस प्रेम-प्रसंग से जुड़े बिंदुओं पर भी गुप्त रूप से जानकारी जुटा रही है। नगर थाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मनायी गयी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। भारत के कार्ल मार्क्स कहे जाने वाले, किसान- मजदूर के मशीहा, महान स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि गया के स्थानीय अनुग्रह नारायण रोड स्थित दुबे आश्रम में मनाई गई। सर्वप्रथम स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में शामिल बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि प्रो विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, टिंकू गिरी, विपिन बिहारी सिन्हा, विशाल कुमार, रूपेश चौधरी, राहुल चंद्रवंशी, पप्पू दुखहरनी, आदि ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती का कथन जो अन्न वस्त्र उपजायेगा शासन वही चलाएगा, भारत देश उसी का है, कानून वहीं बनाएगा तथा भगवान और रोटी दोनों बड़े है, परंतु रोटी भगवान से ज्यादा जरूरी है, आज भी प्रासंगिक है। नेताओं ने कहा कि स्वामी आजीवन किसान- मजदूर के हक हुकूकत की लड़ाई लड़ने, गांगी जमुनी तहजीब को जन - जन में पहुचाने का काम किए थे।

युवक ने किन्नर से रचायी शादी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। जिले से एक ऐसी प्रेम कहानी सामने आई है, जिसने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पांच साल तक चले प्रेम संबंध के बाद एक युवक ने अपनी किन्नर प्रेमिका से हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार धूमधाम से विवाह रचा लिया। इस अनोखी शादी को देखने और नवदंपती को आशीर्वाद देने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुटे। बताया जाता है कि युवक विकास ने करीब पांच वर्ष पूर्व एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान भीड़ में सुशीला को देखा था। पहली नजर में ही वह उसे पसंद करने लगा। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई।

हालांकि अपनी पहचान और सामाजिक सोच के कारण सुशीला शुरू में इस रिश्ते को लेकर असहज थी, लेकिन विकास के स्नेह और विश्वास ने उसे नया हौसला दिया। इसके बाद दोनों ने पांच वर्षों तक एक-दूसरे का साथ निभाया।

जहां ऐसे मामलों में अक्सर लोग चुपचाप या कोर्ट मैरिज का रास्ता अपनाते हैं, वहीं विकास ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। वह बैंड-बाजे और बारात के साथ सुशीला के घर पहुंचा। बारात में उसके मित्रों और करीबी रिश्तेदारों ने भी हिस्सा लिया तथा नवदंपती को शुभकामनाएं दीं।

विवाह समारोह पूरी तरह पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ। पंडित के मंत्रोच्चारण के बीच दोनों ने अग्नि के सात फेरे लिए। विकास ने सुशीला की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी जीवनसंगिनी के रूप में स्वीकार किया। इस अवसर पर किन्नर समुदाय के लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। उन्होंने अपनी साथी को आशीर्वाद देते हुए हर्षोल्लास के साथ विदा किया।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि समाज में समानता और स्वीकार्यता का संदेश भी है। लोगों का कहना था कि प्रेम में जाति, वर्ग या लिंग की सीमाएं मायने नहीं रखतीं। यदि दो लोग अपनी सहमति और खुशी से जीवन बिताना चाहते हैं, तो समाज को भी उनका सम्मान करना चाहिए।

शादी के बाद विदाई के समय भावुक माहौल बन गया। सुशीला के साथियों की आंखें नम थीं, लेकिन उनके चेहरे पर खुशी भी साफ झलक रही थी। सभी ने नवदंपती के सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। इसके बाद विकास अपनी नवविवाहिता पत्नी को सम्मानपूर्वक अपने घर ले गया, जहां पारंपरिक रीति से उसका स्वागत किया गया।

गोलीबारी में दारोगा घायल, हमलावर को भीड़ ने मारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां बहादुरपुर थानाक्षेत्र के ओझौल गांव में शुक्रवार की सुबह अपराधियों ने पटना में तैनात एक सब-इंस्पेक्टर (दारोगा) को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना से आक्रोशित स्थानीय भीड़ ने हमलावर को मौके पर ही दबोच लिया और फरसा से काटकर उसकी जान ले ली। इस हत्याकांड और जानलेवा हमले के बाद से पूरे इलाके में भारी तनाव है और पूरा गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका है।

घायल दारोगा की पहचान ओझौल गांव निवासी मो. इलियास के पुत्र मो. मोबिन (40 वर्ष) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में पटना सिविल कोर्ट में तैनात हैं। वह दो दिन पहले ही छुट्टी पर अपने घर आए थे। उन्हें गंभीर हालत में दरभंगा शहर के अल्लपट्टी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वहीं, भीड़ के गुस्से का शिकार बने मृतक आरोपित की पहचान गांव के ही दिलीप सहनी के पुत्र सुनील सहनी (27 वर्ष) के रूप में की गई है।

पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा और खून से लथपथ फरसा बरामद किया है। हालांकि, घटना के दौरान भीड़ में शामिल कोई अज्ञात शख्स सुनील की पिस्टल लेकर फरार हो गया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि कुख्यात सुनील सहनी शुक्रवार की अहले सुबह अपने कुछ साथियों के साथ गांव लौटा था। इमामबाड़ा के पास मुहर्रम को लेकर लगाई गई लाइटिंग को देखकर वह अचानक भड़क गया।

उसने अपनी पिस्टल निकाली और फायरिंग कर सभी लाइटों को फोड़ दिया। इसी बीच सुबह की नमाज पढ़कर लौट रहे ग्रामीणों ने जब उसकी इस हरकत का विरोध किया, तो सुनील उनसे मारपीट और गाली-गलौज करने लगा।

दूल्हे की मौत से चीख-पुकार

मझौलिया। जिले के मझौलिया प्रखंड क्षेत्र स्थित सरिसवा पंचायत के भरवलिया गांव (वार्ड संख्या-6) में गुरुवार को शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। जिस घर से गाजे-बाजे के साथ बारात निकली थी और जहां शहनाइयां गूंज रही थीं, वहां अचानक चीख-पुकार मच गई। विवाह की रस्मों के लिए मंडप में बैठे दूल्हे की अचानक तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद दोनों ही परिवारों में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार, भरवलिया निवासी स्वर्गीय जगदीश शर्मा के 25 वर्षीय पुत्र शक्तिनाथ शर्मा की बारात पूर्वी चंपारण जिले के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के चिकनी गांव गई थी। वहां संतोष शर्मा की पुत्री रघुनी कुमारी के साथ रामगढ़वा के प्रसिद्ध जानकी मंदिर में विवाह संपन्न होना था। दोपहर करीब दो बजे बारात रामगढ़वा पहुंची, जहां वधू पक्ष ने बारातियों का भव्य स्वागत किया। इसके बाद करीब तीन बजे दूल्हा और दुल्हन विवाह के जोड़े में सज-धजकर मंडप में बैठ गए।

फरार ऋणधारकों के विरूद्ध गैरजमानती वारंट जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा /कटिहार। प्रखंड क्षेत्र के रामपुर पंचायत स्थित इंडियन बैंक की रामपुर शाखा से ऋण लेकर बकाया नहीं चुकाने वाले 10 खाताधारकों पर बैंक ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। लगातार नोटिस के बावजूद ऋण राशि जमा नहीं करने पर इन खातों को एनपीए नॉन परफॉर्मिंग एसेट घोषित कर दिया गया है। साथ ही वरीय उपसमाहर्ता सह जिला नीलामपत्र पदाधिकारी मेराज जमील के द्वारा जारी पत्र के माध्यम से संबंधित ऋणधारकों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कराया गया है। बैंक के अनुसार इन सभी ऋणधारकों पर कुल 20 लाख 13 हजार रुपये से अधिक की राशि बकाया है। निर्धारित समय पर ऋण की अदायगी नहीं होने के कारण अब बैंक ने कानूनी कार्रवाई तेज कर दी है।इंडियन बैंक रामपुर शाखा के शाखा प्रबंधक चंदन कुमार ने बताया कि निर्धारित अवधि में बकाया राशि जमा नहीं किये जाने के कारण गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। साथ ही उनकी संपत्तियों की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। बैंक द्वारा जारी सूची के अनुसार गोरही चचमा बिंजी निवासी नीरज कुमार पर 3,46,143 रुपये, बिंजी निवासी अजय कुमार सिंह पर 2,51,921 रुपये, रामपुर निवासी परमहंस दास पर 1,07,930 रुपये, गोरही बिंजी निवासी धर्मेंद्र राम पर 1,64,256 रुपये, बाबनगंज बिंजी निवासी मुबारक अली पर 1,14,295 रुपये, मालबारी बिंजी निवासी सुखदेव मुर्मू पर 1,18,833 रुपये, चरखी कोढ़ा निवासी मो. रकीब पर 1,03,428 रुपये, चरखी वार्ड संख्या-1 निवासी शमीरुन निशा पर 1,47,442 रुपये तथा बिंजी निवासी नीतीश कुमार पर 5,33,729 रुपये सहित ब्याज की राशि बकाया है। बैंक ने बताया कि सूची में शामिल सभी एनपीए खाताधारकों के विरुद्ध गैर जमानती वारंट निर्गत किया गया है। बैंक प्रबंधक चंदन कुमार का कहना है कि बार-बार सूचना और नोटिस देने के बावजूद ऋणधारकों द्वारा बकाया राशि जमा नहीं की गई। इसके बाद बैंक ने कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए प्रशासन की मदद से कार्रवाई शुरू की है। बैंक प्रबंधन ने अन्य ऋणधारकों से भी समय पर ऋण सहित ब्याज अदायगी करने की अपील की है,

पुलिस को चकमा देकर गिरफ्तार तस्कर फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बरांटी थाना क्षेत्र के अक्षयवट राय नगर रेलवे स्टेशन चौराहे से हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया तस्कर नगर थाना क्षेत्र स्थित हाजीपुर सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के दौरान पुलिस को चकमा देकर रस्सा काट कर हथकड़ी सहित गुरुवार को फरार हो गया।

पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह भागने में सफल रहा। बरांटी थाना के चौकीदार सुरेश पासवान ने कैदी भागने के मामले में नगर थाना में लिखित शिकायत कराई है।

पुलिस प्राथमिकी कर आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। भागने वाले कैदी की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के खरीका निवासी उपनेश सिंह के पुत्र शांतनु कुमार के रूप में हुई है। चौकीदार ने बताया कि शांतनु कुमार को निकल जांच एवं न्यायालय हाजीपुर में उप स्थापन हेतु बरांटी थाना से प्रस्थान कर आरोपित के साथ सदर अस्पताल हाजीपुर में मेडिकल जांच करवा रहे थे।

मेडिकल जांच के क्रम में आरोपित हथकड़ी में लगे रस्सी काटकर हथकड़ी सहित भाग गया। जिसे पकड़ने के लिए काफी पीछा किया लेकिन भीड़भाड़ के फायदा उठाकर वह भाग गया।

गौरतलब हो कि पूर्व में भी नगर थाना क्षेत्र से कैदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो चुका है। मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो बिहार के विशेष अभियान दल को मिली गुप्त सूचना पर ब्यूरो एवं बरांटी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने अक्षयवट राय नगर रेलवे स्टेशन चौराहे से शांतनु कुमार को गिरफ्तार किया था।

उसके पास से लगभग 41.12 ग्राम हेरोइन जैसा मादक पदार्थ और 01 मोबाइल बरामद किया गया था। पूछताछ के बाद प्राथमिकी कर सदर अस्पताल मेडिकल के लिए लाया गया। इसी दौरान वह पुलिस हिरासत से फरार हो गया।

मिथिला मल्टी-कमोडिटी उद्यान क्लस्टर को मिली केंद्र सरकार की मंजूरी, हजारों किसानों को मिलेगा लाभ

करीब 100 करोड़ की लागत से मधुबनी और दरभंगा में शुरू होगी क्लस्टर आधारित बागवानी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मिथिला के किसानों को केंद्र सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। बिहार सरकार का कृषि विभाग करीब 100 करोड़ की लागत से मधुबनी और दरभंगा जिले में क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत काम शुरू करने जा रहा है। भारत सरकार के राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड यानी एनएचबी ने मिथिला मल्टी-कमोडिटी उद्यान क्लस्टर के क्लस्टर गैप असेसमेंट रिपोर्ट, सीजीएआर, को स्वीकार कर लिया है। अब कृषि विभाग का उद्यान निदेशालय जल्द ही क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम, सीडीपी, 2021 के अंतर्गत इम्प्लीमेंटिंग एजेंसी का चयन कर कार्य शुरू करने जा रहा है। मिथिला मल्टी-कमोडिटी उद्यान क्लस्टर मेगा श्रेणी का एकीकृत बागवानी क्लस्टर है जिसकी कुल प्रस्तावित परियोजना लागत 98.80 करोड़ रुपए है। क्लस्टर का क्षेत्र लगभग 15,100 हेक्टेयर है तथा इससे 19,200 किसानों को लाभान्वित करने का प्रस्ताव है। इस क्लस्टर में प्रमुख फसलें केला एवं आम हैं। साथ ही लीची और मखाना अतिरिक्त क्लस्टर फसलें हैं। यह परियोजना एनएचबी, भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित केंद्रीय क्षेत्र कार्यक्रम सीडीपी के अंतर्गत है। कार्यक्रम के तहत पूर्व-उत्पादन एवं उत्पादन के लिए 38.4 करोड़ रुपये, कटाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन के लिए 42.5 करोड़ रुपये और लॉजिस्टिक्स, विपणन एवं ब्रांडिंग के लिए 17.9 करोड़ रुपये का प्रावधान है। इससे हाई-टेक नर्सरी, टिश्यू-कल्चर एवं वायरस-इंडेक्सिंग सुदृढ़ीकरण, प्लांट हेल्थ क्लिनिक, ड्रिप इरिगेशन आधारित क्षेत्र विस्तार, हाई-डेंसिटी प्लांटिंग, पुराने आम बागों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके साथ ही सॉइल/लीफ/एमआरएल टेस्टिंग, 26 इंटीग्रेटेड पैक-हाउस, 4,500 मीट्रिक टन क्षमता का मल्टी-टेम्परेचर कोल्ड स्टोरेज, 21 राइपनिंग चैंबर्स, 15 रीफर वाहन, दरभंगा एयरपोर्ट पर पेरिशेबल कार्गो सुविधा और 'नॉर्थ बिहार फ्रूट बास्केट' नाम से क्लस्टर ब्रांडिंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस मौके पर बिहार के माननीय कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सीडीपी 2021 के अंतर्गत मिथिला बहु-फसलीय बागवानी क्लस्टर की स्वीकृति बिहार के लिए रोजगार-उन्मुखी है। इससे आधुनिक मूल्य शृंखला विकसित होगी और यह महिलाओं और युवाओं के अनुकूल रोजगार के अवसर प्रशस्त करेगा। यह परियोजना 15,100 हेक्टेयर क्षेत्र में शुरू होने जा रही है। इससे 19,200 किसानों को लाभ होगा। परियोजना 98.80 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश तथा आधुनिक पौधशाला, सूक्ष्म-सिंचाई आधारित विस्तार, पौध स्वास्थ्य प्रवर्धन, शीत-चेन शृंखला, पैकहाउस, शीतक-परिवहन, डिजिटल मार्केटिंग और निर्यात-मानकों जैसे प्रमाणित तथ्यों एवं वैज्ञानिक वैल्यू-चेन प्लान पर आधारित है। इससे किसान, एफपीओ, उद्यमी, महिलाएं और युवा सशक्त होंगे तथा बिहार के किसान परिवारों में समृद्धि का नया मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि उद्यान निदेशालय अब जल्द ही एनएचबी के साथ मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट का निष्पादन कर सीडीपी 2021 के प्रावधानों के अनुरूप इम्प्लीमेंटिंग एजेंसी के चयन के लिए आरएफपी जारी करेगा।

इस वर्ष अब तक 4 मेलों के लिए 8.24 करोड़ रुपये आवंटित

श्रावणी मेला पर खर्च होगी 2.75 करोड़ से अधिक की राशि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण मेलों के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग अलग से राशि आवंटित करता है। इस वर्ष अब तक आयोजित हुए 4 मेलों के लिए 8 करोड़ 24 लाख रुपये आवंटित हो चुके हैं। इनमें खास महत्व रखने वाले एक मेला श्रावणी मेला की तैयारी के लिए 2.75 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित कर दी गई है। इसके आवंटन की प्रक्रिया अंतिम चरण में चल रही है। यह राशि उन जिलों को आवंटित की गई है जहां मेले का आयोजन होने वाले हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अनुसार राज्य में आयोजित हुए जिन 4 महत्वपूर्ण मेलों के लिए अब तक राशि आवंटित हो चुकी है, उनमें राजगीर मलमास मेला के लिए 4 करोड़ 85 लाख रुपये, दरभंगा में आयोजित हुए वीर लौरिक मेला और रामनवमी मेला के लिए भी अलग से राशि दी गई है। राज्यभर में प्रत्येक वर्ष करीब चार दर्जन मेलों का आयोजन होता है। इनमें कुछ मेलों का विशेष अवसर या महत्व को लेकर आयोजित किए जाते हैं। एक दर्जन से अधिक मेलों को राजकीय मेला का दर्जा भी प्राप्त है। कुछ मेलों का ही आयोजन पर्यटन विभाग के स्तर से होता है, लेकिन अन्य सभी मेलों का आयोजन राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के स्तर से होता है। इस मामले में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल का कहना है कि राज्य के महत्वपूर्ण मेलों के सफल आयोजन कराने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसके लिए इस वित्तीय वर्ष में अब तक 8.24 करोड़ रुपये से अधिक राशि आवंटित कर दिया गया है।

सिवान की धरती ने विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिभाओं को जन्म दिया : मंत्री

सिवान जिले के गोरियाकोठी में मंत्री श्रवण कुमार ने किया पुस्तक का विमोचन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास एवं जनसंपर्क मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने कहा है कि सिवान की धरती ने शिक्षा, समाजसेवा, राजनीति, स्वतंत्रता आंदोलन, खेल समेत विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाओं को जन्म दिया है। इन विभूतियों के आंदोलन को एक पुस्तक में समाहित करना अत्यंत प्रशंसनीय एवं प्रेरणादायक कार्य है। मंत्री शुक्रवार को सिवान जिला के गोरियाकोठी प्रखंड में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने एक वरिष्ठ

पत्रकार धनंजय कुमार सिंह की लिखी पुस्तक 'सिवान माटी की विभूतियां' का विमोचन किया। धनंजय कुमार सिंह गोरियाकोठी प्रखंड के दुधड़ा गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में नई दिल्ली स्थित नेशन न्यूज चैनल के वरिष्ठ पत्रकार हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पुस्तक के लेखक धनंजय कुमार सिंह ने कहा कि इस पुस्तक के लेखन का उद्देश्य सिवान जिले की महान हस्तियों को सम्मान देना है। इस मौके पर महाराजगंज विधायक हेमनारायण शाह, डॉ प्रभुनाथ शर्मा, अधिवक्ता संजय कुमार सिंह, डॉ मनु राय, दिलीप कुमार शर्मा, डॉ सतीश चंद्र सिंह, डॉ सीबी तिवारी, प्रो विजय शर्मा, पैक्स अध्यक्ष राघव प्रसाद राय, पिंटू सिंह, राम नरेश शर्मा, देवेंद्र शर्मा, संतोष कुमार राय, अनुज तिवारी, रविंद्र कुमार सिंह, अधिवक्ता प्रिया रंजन सिंह, राजू कुमार सिंह, रतनलाल चौधरी, अवध प्रसाद समेत अन्य लोग मौजूद थे।

15वें फेडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में बिहार का शानदार प्रदर्शन

स्वर्ण पदक विजेता शत्रुघ्न पासवान को डॉ. रणबीर नंदन ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन के तत्वावधान में पंजाब के लुधियाना में आयोजित 15वें फेडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप-2026 में बिहार के खिलाड़ी एवं पटना रेल जीआरपी में कार्यरत शत्रुघ्न पासवान ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर न्यू बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन, बिहार के मुख्य संरक्षक डॉ. रणबीर नंदन (अध्यक्ष, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड) ने अपने आवास पर आयोजित एक सम्मान समारोह में शत्रुघ्न पासवान को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं नगद राशि प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ी के

उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके कार्यक्षेत्र में पदोन्नति (प्रमोशन) के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर डॉ. रणबीर नंदन (अध्यक्ष, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड) ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में बिहार के अन्य खिलाड़ियों प्रकाश कुमार, गोविंद कुमार एवं सुमित कुमार ने भी सराहनीय प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाया। संघ के अध्यक्ष अभय सुंदर ने कहा कि यह सफलता बिहार में बॉडी बिल्डिंग खेल के निरंतर विकास, खिलाड़ियों की मेहनत एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में बिहार के खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई उपलब्धियां हासिल करेंगे। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि शत्रुघ्न पासवान भविष्य में विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं तो एसोसिएशन हर स्तर पर उनके साथ खड़ी रहेगी और उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि न्यू बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन भविष्य में भी खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, अवसर एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने किया पौधारोपण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने सूबे से सघन पौधारोपण अभियान 5 जुलाई तक चला रहे हैं। विश्व युवक केंद्र दिल्ली एवं प्रेम यूथ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता माह के अंतर्गत सेमिनार, रैली, पोस्टर निर्माण एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए प्लास्टिक के कचरा को जमा किया जा रहा है। फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर देवानंद ने बताया कि राजधानी के युवा आवास में पौधारोपण किया गया जिसमें आम, अमरूद, जामुन, नीम, बेल, कटहल का पेड़ लगाया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण से छेड़छाड़ मानव सभ्यता के लिए खतरे की घंटी है जहां बागों से

गुलजार गुलजारबाग हुआ करता था वहां हम एशिया के सबसे बड़ा कॉलोनी कंकड़बाग बना दिया। विकास की अंधी दौड़ में जिस रफ्तार से पेड़ों की कटाई हो रही है यह चिंता का विषय है। पटना में मेट्रो निर्माण के लिए सौ साल पुराना पेड़ों को काट दिया गया जबकि उस पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया जा सकता था। वन क्षेत्रों में कमी का सीधा असर जलवायु परिवर्तन के रूप में सामने है। अतिवर्षा, सुखाड़, सुनामी के रूप में सामने है। स्वयंसेवक ऋषिकेश भट्ट ने कहा कि हम सभी लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लेना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम चलाया है उसे हम सभी स्वयंसेवक मिलकर घर-घर पहुंचायेंगे। हर यादगार पल पर पौधारोपण करें। बिहार सरकार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से मात्र दस रुपया में पौधा मिल रहा है।

सम्राट चौधरी हर प्रयास का जवाब विकास से देंगे : श्याम सुन्दर शरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्याम सुन्दर शरण ने कहा कि लंबे समय बाद जब नेतृत्व परिवर्तन होता है तो कुछ राजनीतिक, प्रशासनिक और स्वार्थी तत्व नई व्यवस्था को अस्थिर करने का प्रयास करते हैं। यह लोकतांत्रिक परिवर्तन की स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इन परिस्थितियों का जवाब आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि सुशासन, विकास और अपने राजनीतिक कौशल से दे रहे हैं। समय के साथ वे यह साबित करेंगे कि बिहार सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब टकराव की राजनीति नहीं, बल्कि परिणाम चाहती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर आगे बढ़ रही है। कुछ लोगों के दुष्प्रचार और अस्थिरता फैलाने के प्रयासों से विकास की गति रुकने वाली नहीं है। सम्राट चौधरी धैर्य, दृढ़ता और अपने राजनीतिक अनुभव के बल पर हर चुनौती का सामना करेंगे। श्याम सुन्दर शरण ने विश्वास जताया कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार निवेश, उद्योग, रोजगार, शिक्षा, सिंचाई और बेहतर कानून-व्यवस्था के नए आयाम स्थापित करेगा। आने वाले वर्षों में बिहार देश के विकसित और अग्रणी राज्यों की श्रेणी में अपनी मजबूत पहचान बनाएगा। जनता ने जनादेश दिया है और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने नेतृत्व व राजनीतिक कौशल से उस विश्वास को विकास के परिणामों में बदलकर दिखाएंगे।

कौशल विकास आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : डॉ. आनंद रंजन झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जन्दाहा (वैशाली)। समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी और तकनीकी युग में केवल शैक्षणिक डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उद्योगों और संस्थानों को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनके पास व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और बेहतर संचार कौशल हो। कंप्यूटर शिक्षा, डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई), डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स तथा अन्य रोजगारोन्मुखी कौशल

युवाओं के लिए नए अवसरों का सृजन कर रहे हैं। डॉ. झा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी शैक्षणिक पढ़ाई के साथ-साथ किसी न किसी रोजगारपरक कौशल का प्रशिक्षण अवश्य प्राप्त करें, ताकि वे रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ स्वरोजगार के माध्यम से भी आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जन्दाहा युवाओं को आधुनिक एवं रोजगारपरक कौशल प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। संस्थान का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। अंत में उन्होंने कहा कि कौशल विकास केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की मजबूत नींव है। यदि देश का युवा कुशल होगा, तो देश आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बनेगा।

राज्य में नए सेटेलाइट शहरों के बसाने के साथ ही पुराने शहरों का होगा पुनरुद्धार : प्रधान सचिव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नगर विकास एवं आवास तथा विश्व बैंक के संयुक्त तत्वावधान में बिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन कार्यक्रम के अंतर्गत 'को-क्रिएटिंग द विजन एंड स्ट्रेटेजी फॉर सस्टेनेबल अर्बनाइजेशन' विषय पर 'वर्किंग लेवल विजनिंग' कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने की। विश्व बैंक की ओर से रोसाना निट्टी ने टीम का नेतृत्व करते हुए सतत शहरीकरण एवं शहरी परिवर्तन से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रधान सचिव विनय कुमार ने कहा कि बिहार सरकार शहरी विकास के क्षेत्र में एक अत्यंत महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य में जहां एक ओर नए शहरों और सैटेलाइट टाउनशिप के विकास पर कार्य किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पुराने शहरों के व्यापक पुनरुद्धार एवं कायाकल्प की दिशा में भी ठोस पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तनकारी यात्रा में विश्व बैंक राज्य सरकार का महत्वपूर्ण साझेदार है। आने वाले दस वर्षों में विश्व बैंक के सहयोग से कई महत्वपूर्ण शहरी विकास परियोजनाओं को मूर्त रूप दिया जाएगा। इनमें कुछ अल्पकालिक परियोजनाएं अगले दो से तीन वर्षों में धरातल पर दिखाई देने लगेंगी।

किसानों और मजदूरों के कल्याण के लिए संघर्षरत रहे स्वामी सहजानंद सरस्वती : डॉ. अरुण कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान, पटना के सभागार में आज अखिल भारतीय स्वामी सहजानंद सरस्वती विचार मंच के तत्वावधान में दंडी स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के संयोजक संजीत कुमार चौधरी ने की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने स्वामी सहजानंद सरस्वती के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पूर्व सांसद डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने अपना संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों

और वंचित वर्ग के अधिकारों की लड़ाई को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि जमींदारी उन्मूलन की दिशा में हुए ऐतिहासिक बदलावों के पीछे स्वामी जी के संघर्ष और आंदोलनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने युवाओं, किसानों और मजदूरों से स्वामी जी के आदर्शों पर चलकर उनके सपनों का भारत बनाने का आह्वान किया। डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती विश्व के सबसे बड़े किसान नेता थे जिन्होंने किसानों को संगठित कर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद स्वामी जी के योगदान की अपेक्षित चर्चा नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। सांसद रहते हुए उन्होंने संसद में स्वामी जी के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने के प्रयास किए जिसके परिणामस्वरूप संसद भवन में उनका तैलचित्र स्थापित किया गया। उन्होंने बताया कि स्वामी सहजानंद सरस्वती, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रमुख सहयोगियों में थे और उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को गांव-गांव तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने स्वामी जी के प्रसिद्ध विचार- 'जो अन्न और वस्त्र उपजाएगा, वही देश का कानून बनाएगा' का उल्लेख करते हुए किसानों की निर्णायक भूमिका पर बल दिया। मुख्य अतिथि एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजय पासवान ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती केवल किसानों के नहीं, बल्कि पूरे समाज के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों और मजदूरों को उनका उचित अधिकार और सम्मान नहीं मिलेगा, तब तक देश का समग्र विकास संभव नहीं है।

विश्व संगीत दिवस उत्सव सह सम्मान समारोह का आयोजन आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर राजधानी पटना के बुद्ध मार्ग स्थित पटना म्यूजियम के सभागार में 27 जून को 'विश्व संगीत दिवस उत्सव सह सम्मान समारोह 2026' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस उत्सव का आयोजन 'परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट एजुकेटर्स ऑफ बिहार' द्वारा बिहार म्यूजियम, पटना के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का विधिवत पोस्टर आज 25 जून को लांच किया गया। 'परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट एजुकेटर्स ऑफ बिहार' बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत संगीत, नृत्य एवं ललित कला के शिक्षकों, व्याख्याताओं और प्राध्यापकों का एक सक्रिय अकादमिक समूह है। वर्तमान में इस समूह से राज्य भर के एक हजार से अधिक कला-शिक्षक एवं शिक्षाविद जुड़े हैं। यह समूह बिहार में कला शिक्षा के उत्थान, लोक कलाओं के संरक्षण और शिक्षाविदों के व्यावसायिक विकास के लिए लगातार काम कर रहा है।

60 शिक्षकों को मिलेगा 'आर्ट एजुकेटर्स अवार्ड'

उत्सव के संयोजक डॉ. जैनेंद्र दोस्त ने बताया कि कार्यक्रम में बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत संगीत, नृत्य, ललित कला और रंगमंच विषय के 60 शिक्षकों, व्याख्याताओं और प्राध्यापकों को कला शिक्षा में बेहतर योगदान के लिए 'आर्ट एजुकेटर्स अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा।

जीविका दीदियों के हाथों से तैयार चायपत्ती बनी किशनगंज की पहचान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य में समूहों से जुड़ीं जीविका दीदियां अपनी हुनर और मेहनत लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। रसोई, सिलाई, पशुपालन, नर्सरी, लघु एवं कुटीर उद्योग के साथ अब उन्होंने दूसरे अन्य कई क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। नई बानगी के तौर पर किशनगंज के पोठिया प्रखंड में इन दीदियों के हाथों चायपत्ती फैक्ट्री के संचालन के रूप में देखा जा सकता है। इस फैक्ट्री में दीदियों ने अपनी दक्षता के बल पर न सिर्फ रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं बल्कि दूसरों की जीविका का भी एक सशक्त माध्यम खड़ा किया है। किशनगंज के पोठिया ब्लॉक में समूह से जुड़ीं दीदियां महानंदा एफपीसी (महिला एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड) की ओर से संचालित टी प्रोसेसिंग एंड पैकेजिंग इकाई के सहारे व्यापक स्तर पर चायपत्ती का उत्पादन कर रही हैं। इस काम से दीदियों को वार्षिक तौर पर लाखों की आमदनी भी हो रही है। वर्ष 2002 में स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाइ) के तहत जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) किशनगंज को एक विशेष परियोजना स्वीकृत की गई थी। इसे देखते हुए 2010 में किशनगंज के पोठिया प्रखंड के कुसियारी पंचायत स्थित कालीदास किस्मत में करीब 10 एकड़ भूमि पर 9.64 करोड़ रुपये की लागत से बिहार सरकार ने एक चाय कारखाना स्थापित किया। कारखाने की स्थापना का उद्देश्य चाय पत्ता की खेती और पत्ता तोड़ने वालों स्थानीय किसानों के संघ के माध्यम से कारखाने का संचालन करना था। इसी बीच जीविका के माध्यम से महानंदा संघ बनाने का निर्णय लिया गया। नतीजा, 14 जून 2021 को 10 प्रमोटर सदस्यों के सहारे महानंदा जीविका महिला एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का गठन किया गया। एफपीसी से जुड़ी सभी महिलाएं जीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं। आज कुल 45 दीदियां किसानों के यहां से खरीदकर लाए गए चाय पत्ता से चायपत्ती का उत्पादन कर रही हैं। इस कार्य से जुड़े कर्मियों की तनख्वाह 10 हजार रुपये से लेकर 40 हजार रुपये तक निर्धारित है। जीविका समूह के अधिकारियों का कहना है कि जीविका दीदियों के हाथों पिछले सीजन में डेढ़ लाख किलो चायपत्ती तैयार किया गया था।

कौशल विकास योजना से 9 वर्षों में 45 हजार महिलाओं को मिला प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। समाज कल्याण विभाग के अधीन महिला एवं बाल विकास निगम की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इस कड़ी में निगम विभिन्न क्षेत्रों में निशुल्क या अनुदानित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है जिससे महिलाएं सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत हो सके। पिछले 9 वर्षों में 45 हजार 481 महिलाओं को लेखा सहायक, सौंदर्य चिकित्सक, शेफ, इलेक्ट्रीशियन, स्पा थेरेपिस्ट, ऑटो रिक्शा चालक, ड्रोन ऑपरेटर, डिजिटल मित्र, हेयरड्रेसर, गृह स्वास्थ्य सहयोगी, मोबाइल रिपेयर, सिलाई मशीन ऑपरेटर, सोलर पीवी इंस्टॉलर समेत कई अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में महिलाओं की बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए निगम ने उन्नत और तकनीकी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शामिल किया है। इनमें ड्रोन टेक्नोलॉजी, किसान ड्रोन ऑपरेटर, मल्टी रोटर ड्रोन ऑपरेटर, पेस्ट्री/बेकरी असिस्टेंट तथा पेस्टिसाइड एवं फर्टिलाइजर एप्लिकेटर जैसे आधुनिक कोर्स शामिल हैं। हाल ही में 16 और 17 मार्च 2026 को निगम की ओर से पहली बार महिला मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 6 हजार से अधिक महिलाओं को राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार मिला। मेले में 50 से ज्यादा कंपनियां शामिल हुईं जिसने महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले। इच्छुक महिलाएं ऑनलाइन या फोन नंबर के माध्यम से इन योजनाओं का लाभ अथवा जानकारी ले सकती हैं।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय पटना ने बैंक का 119वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा बैंक का 119वां स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। प्रातःकाल अरदास, संकीर्तन एवं सुखमनी साहिब पाठ का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष रंजन सहित समस्त कार्मिकों ने श्रद्धापूर्वक एवं उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर पूरे कार्यालय परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों एवं आकर्षक प्रकाश सज्जा से सुसज्जित किया गया। समारोह के दौरान बैंक के सेवानिवृत्त सहकर्मियों को शॉल एवं स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष रंजन ने सभी कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त साथियों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बैंक ने अपने गौरवपूर्ण 119 वर्षों की यात्रा में समाज के प्रत्येक वर्ग का विश्वास अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि बैंक ने सदैव अपने ध्येय वाक्य

'जहां सेवा ही जीवन का ध्येय है' को चरितार्थ करते हुए ग्राहकों एवं समाज के साथ मजबूत एवं आत्मीय संबंध स्थापित किए हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सुदृढ़ उपस्थिति तथा उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के कारण बैंक ने एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से बैंक की समृद्ध परंपराओं एवं मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए उत्कृष्ट सेवा एवं व्यवसायिक उपलब्धियों के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। इस प्रकार पूरे दिन क्षेत्रीय कार्यालय में उत्सव, सम्मान एवं आत्मीयता का वातावरण बना रहा तथा बैंक का 119वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

संपादकीय

दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए

हिंदू समाज में मंदिर आस्था के केंद्र होते हैं, वहां लोग मानिसक शांति और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। साथ ही वहां स्वेच्छा से धन या अन्य सामग्री दान करते हैं, ताकि उसका इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में किया जा सके।श्रद्धालु इस विश्वास के साथ मंदिर में दान करते हैं कि इस राशि को खर्च करते वक्त पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। मगर इस दान राशि में ही अगर हेरफेर होने लगे, तो इसे लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं, तो और क्या कहा जाएगा। दोषियों को न्याय के कटघरे में खड़ा जरूर किया जाए।मसला जब अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ा हो, तो मामला और भी संवेदनशील एवं गंभीर हो जाता है। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष दल (एसआइटी) गठित किया है, जिसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट मुख्य सचिव (गृह) को सौंप दी है।खबरों के मुताबिक, रिपोर्ट में दान राशि और कीमती सामान के प्रबंधन में कमियों का जिक्र करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की गई है। इससे स्पष्ट है कि मंदिर के वित्तीय मामले में कुछ तो हेरफेर हुआ है, जिसकी गहन जांच की जरूरत है।गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए 13 जून को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया था। सरकार का दावा था कि एसआइटी की जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा।अब एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है, मगर उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच दल के अधिकारियों का कहना है कि यह गोपनीय रिपोर्ट है और इसे मीडिया से साझा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में अब सरकार के दावों और उसकी मंशा पर भी सवाल उठने लगे हैं।अगर जांच के दौरान मंदिर की दान राशि में किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई है, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है? जिन श्रदालुओं ने राम मंदिर में राशि या कीमती सामान दान किया है, क्या उन्हें यह जानने का हक नहीं है कि उसका इस्तेमाल कहां हुआ? अगर मंदिर के वित्तीय प्रबंधन में किसी तरह का हेरफेर कर लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ होता है, तो इसके लिए जवाबदेही किसकी है? अयोध्या स्थित राम मंदिर में हर साल देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आते हैं और वहां करोड़ों रुपए का चढ़ावा चढ़ता है। ऐसे में दान राशि में गड़बड़ी से इस तीर्थ स्थल की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा। एक सवाल यह भी उठ रहा है कि अमूमन किसी मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जांच प्रकिया शुरू की जाती है, लेकिन इस मामले में पहले जांच की गई और अब एसआइटी ने प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की है।विपक्षी दलों का कहना है कि जब तब इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती है, तब तक कोई भी जांच बिना तीर के कमान जैसी है।

लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं, वे यदि धुएं से भरे कमरों, बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा। यह उन परिस्थितियों में हुई मौत है, जिसे रोका जा सकता था, टाला जा सकता था और जिसकी जिम्मेदारी तय की जा सकती है।

व्यवस्था की चिता पर जलते सपने, आखिर कब रुकेगा मौत का कारोबार?

(योगेश कुमार गोयल)

उपहार सिनेमा अग्निकांड को लगभग तीन दशक बीत चुके हैं। उस घटना में बंद निकास द्वारों के कारण 59 लोगों की मौत हुई थी। देश ने उस समय कड़े कानूनों और सख्त निगरानी की मांग की थी। लेकिन क्या वास्तव में कुछ बदला? यदि बदला होता तो मुंडका, अनाज मंडी, करोल बाग, मालवीय नगर और लखनऊ जैसी घटनाएं दोहराई नहीं जाती।

लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं, वे यदि धुएं से भरे कमरों, बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा। यह उन परिस्थितियों में हुई मौत है, जिसे रोका जा सकता था, टाला जा सकता था और जिसकी जिम्मेदारी तय की जा सकती है। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में हादसा था या फिर भ्रष्ट व्यवस्था द्वारा किया गया एक सुनियोजित प्रशासनिक हत्याकांड? घटना के विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए पर्याप्त हैं। आग लगने के बाद छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे।

कुछ तीसरी मंजिल से नीचे कूद गए, कुछ बाथरूम में छिप गए, यह सोचकर कि शायद वहां धुएं से बच सकेंगे लेकिन दम घुटने से उनकी मौत हो गई। यह दृश्य किसी युद्ध या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि उस इमारत का दृश्य था, जिसे नियमों की अनदेखी कर व्यावसायिक लाभ कमाने के लिए तैयार किया गया था। जहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे, जहां फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं हुआ और जहां छात्रों की सुरक्षा से अधिक महत्व मुनाफे को दिया गया।

कुछ ही समय पहले दिल्ली के मालवीय नगर में भी भीषण आग ने 21 लोगों की जान ले ली थी। उससे पहले मुंडका, अनाज मंडी, करोल बाग, अलीपुर और उपहार सिनेमा जैसे अनेक अग्निकांड देश देख चुका है। हर बार जांच में लगभग एक जैसी बातें सामने आती हैं, अवैध निर्माण, बंद निकास मार्ग, फायर एनओसी का अभाव, क्षमता से अधिक लोगों की मौजूदगी, प्रशासनिक अनदेखी और भ्रष्टाचार। यदि हर बार कारण एक जैसे हैं तो फिर इन घटनाओं को दुर्घटना नहीं बल्कि व्यवस्था की विफलता का परिणाम माना जाना चाहिए। लखनऊ अग्निकांड की प्रारंभिक जांच ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जिस इमारत में कोचिंग सेंटर चल रहा था, वहां स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण किया गया था। सेटबैक क्षेत्र तक को कवर कर लिया गया था। नीचे पेट शॉप और गेमिंग जोन संचालित हो रहे थे जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी चल रही थी। एक ही इमारत में अलग-अलग व्यावसायिक गतिविधियों का ऐसा मिश्रण सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक माना जाता है। सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि जिस रास्ते से छात्रों को बाहर निकलना था, वह प्रभावी रूप से बंद था। ऐसे में आग लगने के बाद उनके पास बचने का कोई विकल्प नहीं बचा। यह केवल तकनीकी गलती नहीं बल्कि मानव जीवन के प्रति घोर उपेक्षा का उदाहरण है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी इमारतें अस्तित्व में आती कैसे हैं? क्या नगर निगम, विकास प्राधिकरण, फायर विभाग, बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं होती? कोई भी अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं हो जाता। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें खड़ी होती हैं, मंजिलें बनती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन दिए जाते हैं और फिर वहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभाग शामिल होते हैं। सच्चाई यही है कि भ्रष्टाचार और मिलीभगत की जड़ें इतनी गहरी हैं कि नियम केवल फाइलों में रह जाते हैं जबकि जमीन पर अवैधता का साम्राज्य खड़ा हो जाता है। देश का शहरी विकास मॉडल भी इस समस्या के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। आज अधिकांश शहरों में अधिक से अधिक लाभ कमाने की होड़ लगी हुई है। बिल्डर अतिरिक्त मंजिलें जोड़ देते हैं, सेटबैक क्षेत्र को कवर कर लेते हैं, बेसमेंट का उपयोग अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के लिए करते हैं और आपातकालीन निकास को स्टोर रूम में बदल देते हैं। बदले में कुछ अधिकारियों की जेबें गर्म हो जाती हैं और फाइलों में सब कुछ वैध दिखाई देने लगता है। नतीजा यह होता है कि एक पूरी इमारत धीरे-धीरे मौत के जाल में बदल जाती है और किसी दिन एक चिंगारी सैंकड़ों परिवारों की खुशियां छीन लेती है।

उपहार सिनेमा अग्निकांड को लगभग तीन दशक बीत चुके हैं। उस घटना में बंद निकास द्वारों के कारण 59 लोगों की मौत हुई थी। देश ने उस समय कड़े कानूनों और सख्त निगरानी की मांग की थी। लेकिन क्या वास्तव में कुछ बदला? यदि बदला होता तो मुंडका, अनाज मंडी, करोल बाग, मालवीय नगर और लखनऊ जैसी घटनाएं दोहराई नहीं जाती। हर बड़े हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं, कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है और मीडिया में कुछ दिनों तक बहस चलती है। फिर मामला धीरे-धीरे ठंडा पड़ जाता है और व्यवस्था अगले हादसे का इंतजार करने लगती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि आज भी देश के लगभग हर शहर में हजारों ऐसी इमारतें मौजूद हैं, जो किसी भी समय अग्निकांड का केंद्र बन सकती हैं। संकरी गलियों में बनी बहुमंजिला इमारतें, बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, अवैध रूप से संचालित फैक्ट्रियां, बेसमेंट में चल रहे व्यवसाय, बंद खिड़कियां और एकमात्र निकास मार्ग, ये सभी भविष्य की त्रासदियों के संकेत हैं। कई स्थानों पर फायर सेफ्टी उपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए जाते हैं। उनकी समय-समय पर जांच नहीं होती। आपातकालीन निकास मार्ग कागजों में तो मौजूद रहते हैं लेकिन वास्तविकता में ताले या सामान से बंद मिलते हैं। ऐसे में आग लगने पर लोग आग से कम और धुएं से अधिक मरते हैं।

लखनऊ में बाथरूम में छिपे छात्रों की दम घुटने से हुई मौतें इस बात का प्रमाण हैं कि उन्हें बाहर निकलने का कोई सुरक्षित रास्ता नहीं मिला। यदि पर्याप्त निकास द्वार होते, यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता, यदि नियमित निरीक्षण हुए होते और यदि संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई की होती तो संभव है कि ये सभी जिंदगियां बचाई जा सकती थी। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि इन मौतों के पीछे केवल आग नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव भी जिम्मेदार है। अब समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं है। देश को एक कठोर और निर्णायक नीति की आवश्यकता है। सभी व्यावसायिक इमारतों, कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, होटलों और मॉल्स का नियमित तथा डिजिटल सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए। फायर एनओसी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और सार्वजनिक होनी चाहिए ताकि कोई भी नागरिक किसी भवन की सुरक्षा स्थिति की जांच कर सके। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाने की परंपरा समाप्त होनी चाहिए और ऐसे निर्माणों को तत्काल ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिन अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में ऐसे अवैध निर्माण पनपते हैं, उन्हें भी समान रूप से उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए।

कानूनी व्यवस्था में भी बदलाव की आवश्यकता है। जब किसी भवन मालिक या अधिकारी की लापरवाही के कारण लोगों की मौत होती है तो उसे केवल प्रशासनिक गलती मानकर छोड़ देना न्याय के साथ खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में कठोर आपराधिक दायित्व तय होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति मानव जीवन की कीमत पर लाभ कमाने का साहस न कर सके।

लखनऊ का अग्निकांड केवल 15 परिवारों का व्यक्तिगत दुःख नहीं है, यह पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह बताता है कि यदि हमने व्यवस्था की खामियों को दूर नहीं किया, यदि भ्रष्टाचार और मिलीभगत पर अंकुश नहीं लगाया और यदि सुरक्षा मानकों को केवल कागजी औपचारिकता बनाए रखा तो अगली त्रासदी केवल समय का प्रश्न होगी। तब फिर कुछ मासूम जिंदगियां बुझ जाएंगी, कुछ परिवार हमेशा के लिए उजड़ जाएंगे और व्यवस्था फिर वही पुराना राग अलापेगी। इसलिए अब खोखले आश्वासनों का समय समाप्त हो चुका है। अब जरूरत है जवाबदेही, पारदर्शिता और कठोर कार्रवाई की।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पेपर खरीदने वालों के खिलाफ भी आंदोलन होना चाहिए

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

नीट मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अब तक 13 मुख्य मास्टरमाइंड और दलालों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कोचिंग संस्थानों के शिक्षक, प्रोफेसर और डॉक्टर शामिल हैं। नीट समेत देश की कई प्रतिष्ठित परीक्षाएं आयोजित कराने की जिम्मेदारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की है।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2026 पेपर लीक इन दिनों मामला सुर्खियों में है। 3 मई को आयोजित हुई परीक्षा पेपर लीक के बाद रद्द कर दी गई थी जिसके बाद परीक्षा के लिए नई तारीखों की घोषणा की गयी थी। 21 जून को पुनर्परीक्षा संपन्न हो चुकी है। नयी नवेली कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। आखिरकार ये परीक्षा की शुचिता के साथ ही साथ लाखों छात्रों के भविष्य का प्रश्न जो ठहरा।

इस घटना के दो पक्ष हैं। एक पेपर लीक करने वाले और दूसरे पेपर खरीदने वाले। पेपर लीक करने और बेचने वालों का तंत्र देश में मौजूद है। इस तंत्र या रैकेट का मकसद परीक्षा की शुचिता भंग कर, मोटी कमाई करना होता है। आजाद भारत का इतिहास देखें तो हजारों छोटी बड़ी परीक्षाओं के पेपर अब तक लीक हो चुके हैं। इस तंत्र की पहुंच इतनी ऊपर और इतने स्तर पर होती है कि असली गुनहगार कानून के शिकंजे से बच जाते हैं। वहीं, पेपर लीक करने और बेचने वालों के खिलाफ कभी ऐसे कड़ी कार्रवाई भी नहीं हुई, जो दूसरों के लिए नजीर बनती। दो चार दिन के हो हल्ले और बयानबाजी के बाद गाड़ी पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है।

नीट मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अब तक 13 मुख्य मास्टरमाइंड और दलालों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कोचिंग संस्थानों के शिक्षक, प्रोफेसर और डॉक्टर शामिल हैं। नीट समेत देश की कई प्रतिष्ठित परीक्षाएं आयोजित कराने की जिम्मेदारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की है। पेपर लीक मामले में एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार को सरकार ने पद से हटा दिया है।

इस प्रकरण का दूसरा पक्ष पेपर खरीदने वालों का है। इस पक्ष की चर्चा न के बराबर है। पेपर खरीदने वालों की एक जमात हमारे समाज में सदा से विद्यमान है। जो येन केन प्रकारेण दाखिले से लेकर नौकरी के लिये पेपर खरीदने से लेकर तमाम गैर कानूनी काम से करने से बाज नहीं आती। चूंकि समाज में ऐसे लोग भी हैं जो परिश्रम के बजाय तिकड़म के सहारे सफल होना चाहते हैं। ऐसे में ये लोग लाखों रुपये में पेपर खरीदने का पा करते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार का पुराना घुन लगा ही हुआ है। ऐसे में मोटी कमाई के लालच में पेपर लीक करने वाले सजा या दंड की परवाह किये बिना परीक्षा की शुचिता को तार–तार करने का दुस्साहस करते हैं।

पेपर लीक होने पर अभ्यर्थी, अभिभावक, समाज सेवी, राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता सरकार, प्रशासन और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के खिलाफ धरना, प्रदर्शन और आंदोलन करते हैं। सोशल मीडिया पर लंबे चौड़े पोस्ट लिखे जाते हैं। ये गुस्सा और नाराजगी जायज भी है। वास्तव में, किसी परीक्षा की शुचिता कायम रखना संबंधित विभाग, एजेंसी या सरकार की जिम्मेदारी होता है। किसी भी स्तर पर चूक से लाखों अभ्यर्थी और उनके परिवार प्रभावित होते हैं। लेकिन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ धरना, प्रदर्शन और गुस्सा प्रकट करने वाले कभी पेपर खरीदने वालों के खिलाफ कोई प्रदर्शन या आंदोलन नहीं करते। उसूलन,पेपर खरीदने वाले भी पेपर बेचने वालों जितने बराबर के दोषी हैं। गलत तरीके से परीक्षा पास करने की चाहत रखने वाले चंद भ्रष्ट अभ्यर्थियों और अभिभावकों के कारण परिश्रमी अभ्यर्थियों के सपने चकनाचूर होते हैं। ऐसे में आंदोलन, प्रदर्शन के साथ सख्त कानूनी कार्रवाई पेपर खरीदने वालों के खिलाफ भी होनी चाहिए।

जब समाज में नैतिकता का स्तर ऊंचा होगा तो गलत काम करने वाले निरूत्साहित होंगे। लेकिन जब समाज स्वयं अनैतिक कृत्यों में शामिल होगा या उसका भागीदार बनेगा तो सख्त से सख्त कानून और फूलप्रूफ व्यवस्था के भी नाकाम होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नीट यूजी मामले में समाज के चंद भ्रष्ट लोगों ने लाखों में पेपर खरीदा। लेकिन पेपर लीक होने का असर 22 लाख अभ्यर्थियों पर पड़ा। मतलब, समाज की चंद गंदी मछलियों का भुगतान पूरे तालाब की मछलियों को उठाना पड़ा। ऐसे में चंद गंदी मछलियों की खिलाफत भी जरूरी है। नीट पेपर लीक केस में लगातार अपडेट सामने आ रहे हैं। देश के सात राज्यों में लीक हुए इस पेपर को जयपुर के जमवारामगढ़ के मांगीलाल और दिनेश ने 26 अप्रैल को ही 30 लाख में खरीदा था। इन दोनों भाइयों ने सीकर में तैयारी कर रहे अपने बेटे को यह पेपर दिया। उसके बाद दोनों भाई सीकर पहुंचे और वहां 29 अप्रैल कई लोगों को सीकर में बेचा। इस परिवार से पिछले साल ही चार बच्चे नीट में चयनित हुए थे।

दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है ओलम्पिक

(योगेश कुमार गोयल)

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास।

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ।

उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्ट्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे।

1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है। ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टेडियम में पहुंचती है।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं)

ब्रेन मलेरिया के मरीज की पुष्टि से विभाग में हड़कम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पोटका। पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को 9 माह की एक सबर बच्ची सहित कुल 9 नए मरीजों में ब्रेन मलेरिया की पुष्टि हुई है। इनमें पीएमश्री कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय (केजीबीवी) पोटका की तीन छात्राएं भी शामिल हैं। बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है।

गौरतलब है कि एक दिन पहले केजीबीवी की छात्रा लख्खी सरदार और हितबासा निवासी राहुल सरदार की ब्रेन मलेरिया से मौत हो चुकी है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में जांच और जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार को बुखार की शिकायत पर केजीबीवी पोटका की तीन छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पोटका में भर्ती कराया गया।

नौ माह की बच्ची सहित मरीजों की संख्या बढ़कर हुई नौ

ब्लड जांच में प्रियंका महाकुड़ (कक्षा 10), लक्ष्मी टुडू (कक्षा 6), सुकुरमुनी भूमिज (कक्षा 8) तथा प्रियंका महाकुड़ की मां सलमा महाकुड़ में ब्रेन मलेरिया की पुष्टि हुई।

चांदपुर गांव की संप्रिया सिंह और उनकी बेटी कार्तिक सिंह को भी तेज बुखार के बाद सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां जांच में दोनों ब्रेन मलेरिया पॉजिटिव पाए गए। वहीं, पिटीदिरी गांव के एम सबर, मिंकी सबर तथा 9 माह की एक सबर बच्ची की हालत गंभीर होने और बुखार नहीं उतरने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर रेफर कर दिया गया।

केजीबीवी की छात्रा लख्खी सरदार की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सानग्राम गांव में विशेष जांच शिविर लगाया। शिविर में 68 लोगों की मलेरिया जांच की गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि कोई भी व्यक्ति मलेरिया पॉजिटिव नहीं मिला।

सीएचसी पोटका की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रजनी महाकुड़ ने बताया कि हितबासा और सानग्राम में मलेरिया एवं ब्रेन मलेरिया की जांच के लिए विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं।

उन्होंने लोगों से मच्छरों से बचाव के लिए नियमित रूप से मच्छरदानी का उपयोग करने, घर के आसपास जलजमाव नहीं होने देने तथा बुखार आने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि ब्रेन मलेरिया के लक्षण संक्रमित मच्छर के काटने के लगभग 10 से 14 दिनों के भीतर दिखाई देने लगते हैं,

सहायता राशि का वितरण

मनिहारी /कटिहार। प्रखंड के नवाबगंज बालू टोला वार्ड संख्या-09 में गुरुवार को खाना बनाने के दौरान अचानक आग लगने से दो परिवारों के घर जलकर राख हो गए। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि ग्रामीणों की तत्परता और दमकल विभाग के सहयोग से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।घटना की सूचना मिलते ही अंचल पदाधिकारी मनिहारी निहारिका राय ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षति का आकलन करने के लिए राजस्व कर्मियों को मौके पर भेजा। जांच के बाद प्रभावित परिवारों को तत्काल सरकारी सहायता उपलब्ध कराई गई। दोपहर में अंचल कार्यालय की ओर से अग्निपीड़ित परिवारों की मुखिया गीता देवी एवं उषा देवी को डिग्निटी किट प्रदान की गई। साथ ही सरकार द्वारा निर्धारित राहत मानकों के अनुरूप प्रत्येक परिवार को 12 हजार रुपये की सहायता राशि चेक के माध्यम से उपलब्ध कराई।

वायरल वीडियो पर सीएम ने दिखाई संवेदनशीलता

फाइलेरिया से जूझ रहे परिवार के पास पहुंची चिकित्सकों की टीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे एक युवक की लाचारी की तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त को तत्काल कार्रवाई करने और पीड़ित को हर संभव स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद बुधवार को उपायुक्त के आदेश पर काठीकुंड प्रखंड विकास पदाधिकारी सौरव कुमार और चिकित्सा प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार दास के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की एक विशेष टीम बलिया गांव जाकर पीड़ित युवक की स्थिति का जायजा लिया।

चिकित्सा प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार दास ने बताया कि पीड़ित युवक और उसके पिता कारु टुडू दोनों ही फाइलेरिया की गंभीर स्थिति (स्टेज-7) में हैं। पिता-पुत्र दोनों का नाम फाइलेरिया (हाथी पांव) प्रभावित मरीजों की सूची में पहले से दर्ज है और विभाग नियमित रूप से उनकी निगरानी कर रहा है।

बताया कि मरीज के लिए फाइलेरिया केयर किट, आवश्यक दवाएं और विशेष फुटवियर उपलब्ध कराया है। स्पष्ट किया कि हाथीपांव का यह स्तर विकसित हो चुका है, इसलिए अभी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिक उपचार 'विशेष देखभाल' (केयर) है, ताकि मरीज अपनी दैनिक दिनचर्या को सुगमता से चला सके।

प्रशासनिक टीम ने पीड़ित युवक से सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। युवक ने बताया कि उसे खाद्यान्न योजना का लाभ तो मिल रहा है, लेकिन आवास योजना का लाभ अभी तक नहीं मिला है। इसके लिए पहले भी आवेदन दिया था।

बीडीओ सौरव कुमार ने तत्काल संबंधित दस्तावेज लेकर आश्वस्त किया कि पात्रता के अनुसार उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए पहल की जाएगी। साथ ही, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत आर्थिक सहायता दिलाने के लिए युवक से आवेदन फॉर्म भरवाया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि विभाग के पास पीड़ित का पूरा कंप्यूटराइज्ड रिकॉर्ड है, जिसमें उनके जूते के नाप से लेकर स्वास्थ्य संबंधी अन्य जानकारियां दर्ज हैं। स्वास्थ्य टीम ने युवक को साफ-सफाई रखने और चिकित्सीय सलाह का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि स्थिति और अधिक न बिगड़े।

उमस भरी गर्मी से लोगों का जीना हुआ मुहाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। बारियातू प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को पूरे दिन उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। सुबह से ही तेज धूप व हवा नहीं चलने के कारण वातावरण में उमस बनी रही, जिससे आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मौसम का असर ऐसा रहा कि लोग घरों से बाहर निकलने से बचते नजर आए। बाजारों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ काफी कम रही। दोपहर के समय सड़कें लगभग सूनी दिखीं और लोग जरूरी काम होने पर ही बाहर निकले।

गर्मी व उमस का सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों तथा दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों पर पड़ा। खेतों और निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों को काम करने में काफी दिक्कत हुई। इसी बीच मोहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के तहत एहतियातन कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति बंद रखी गई।

बिजली नहीं रहने से घरों व दुकानों में पंखे व कूलर बंद हो गए, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई। दिन के समय कुछ देर के लिए हल्की वर्षा हुई। लोगों को उम्मीद थी कि वर्षा से मौसम सुहाना होगा, लेकिन इसके उलट वर्षा के बाद वातावरण में नमी बढ़ने से उमस और अधिक हो गई। इससे लोगों को राहत मिलने के बजाय बेचैनी का सामना करना पड़ा।

प्रशासन रहा चौकस

अररिया। मुहर्रम पर्व के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था संधारण एवं शांतिपूर्ण माहौल में पर्व सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी अररिया विनोद दूहन एवं पुलिस अधीक्षक अररिया जितेन्द्र कुमार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन द्वारा की गई सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला पदाधिकारी ने जोकीहाट क्षेत्र में धनपुरा चौक से करबला (नगर पंचायत जोकीहाट), ठेंगापुर चौक, भेवड़ा चौक होते हुए मुख्य सड़क (अररिया-जोकीहाट मार्ग) तक भ्रमण कर विधि-व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों, दंडाधिकारियों एवं सुरक्षा बलों की तैनाती की समीक्षा करते हुए सभी को पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा फारबिसगंज नगर परिषद क्षेत्र का भी भ्रमण किया। उन्होंने पूरे शहरी क्षेत्र में साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम तथा ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्गों पर की गई प्रशासनिक तैयारियों का निरीक्षण किया।

रोक के बाद भी नदियों से बालू का अवैध उठाव जारी, प्रशासन मौन

लोगों में प्रशासन से मिलीभगत की चर्चा तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। पर्यावरण और नदी के संरक्षण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण के तहत नदियों से बालू के उठाव पर रोक के बावजूद भी सारवां थाना क्षेत्र के विभिन्न नदी घाटों में अवैध रूप से बालू जारी है। बालू का उठाव रात के अंधेरे नहीं बल्कि दिन के उजाले में भी जारी है। थाना क्षेत्र के कुछ घाटों में रात्रि नौ बजे से लेकर सुबह छह तक बृहद पैमाने पर बालू का उठाव होता है। लेकिन कुछ घाटों में दिन के उजाले में भी बालू का उठाव बेरोक टोक जारी है। पुलिस और प्रशासन के पहुंचने के पूर्व ही ट्रैक्टर मालिकों को उनकी गतिविधि की इसकी सूचना मिल जाती है।

ऐसे में छापेमारी से पहले ही बालू माफिया सचेत हो जाते हैं। बुधवार को 6: 26 से 7 : 10 तक सुबह सारवां थाना क्षेत्र के पहरीडीह बालू घाट पुल के पूर्वी और पश्चिम दिशा में बालू उठाव करते बालू माफिया नजर आए।

वहीं अजय नदी बढ़ैता घाट और ताराटांड़ में ट्रैक्टर बालू उठाव कर ले जाते ट्रैक्टर वाले दिखे। इसकी सूचना अंचल और थाने को दिए जाने के बाद करीब एक घंटा में पेट्रोलिंग वाहन पहरीडीह घाट पहुंची। लेकिन तब तक ट्रैक्टर बालू उठाव कर आराम से फरार हो चुके थे।

सूत्रों की माने तो यहां हर दिन एनजीटी की खुलेआम धज्जियां उड़ रही है। प्रशासन इस पर रोक लगाने में पूरी तरह से विफल नजर आ रही है। ट्रैक्टर चालक पुलिस के पहुंचने से पहले भी भाग जाते हैं। सूत्रों के मुताबिक सारवां थाना क्षेत्र के पहरीडीह, बढ़ैता, ताराटांड़, जुरुलिया,चंदना, बालीडीह, दुर्जनी सहित अन्य घाटों में बालू का उठाव लगातार जारी है।

वहीं इस बारे में सारवां सीओ राजेश कुमार साहा से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि सभी घाटों में चौकीदार को निगरानी रखने के लिए अंचल से पत्र भी जारी किया गया है। वहीं थाना प्रभारी को भी निर्देशित किया गया है कि बालू का उठाव ना हो ।

पुलिस ने किया तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस ने छापेमारी के दौरान करमाटांड़ थाना क्षेत्र के पारटोल गांव स्थित सुनसान ठिकाने और ताराबहाल के उत्क्रमित मध्य विद्यालय स्थित बरामदे पर बैठकर साइबर ठगी करते तीन शातिरों को दबोचा है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपित करमाटांड़ थाना क्षेत्र के सुगापहाड़ी का रहने वाला समीम अंसारी, नारायणपुर थाना क्षेत्र के राजाभिठा का रहने वाला कैफ अंसारी और करमाटांड़ के बरियारपुर गांव का रहने वाला मुस्तकीम अंसारी है।

इस बात की जानकारी जामताड़ा साइबर डीएसपी अमित कुमार ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दी। डीएसपी ने बताया कि ये शातिर लोगों को ईज माय डील एप से फोन-पे पर कैश बैक का आफर देकर लोगों को झांसे में लेता था और जो भी इनके झांसे में आ जाता था ये उन्हें ठगी का शिकार बनाते थे।

साथ ही ये शातिर लोगों को डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड बंद होने की बात कहकर भी ठगी का शिकार बना रहे थे। आरोपितों के पास से छह मोबाइल और चार फर्जी आईडी पर खरीदे गए सिम कार्ड बरामद हुए हैं।

डीएसपी ने बताया कि विभागीय सूचना के आधार पर साइबर थाना प्रभारी राजेश मंडल की अगुवाई सभी आरोपितों को रंगेहाथों दबोचा गया है। सभी आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

पुलिस की जांच में पता चला है कि मुस्तकिम अंसारी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है और उसके खिलाफ पहले भी जामताड़ा साइबर थाने में केस दर्ज है। ये शातिर देश भर के अलग-अलग राज्यों में साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे और अलग-अलग तरीकों से लाखों की ठगी कर चुके हैं।

सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस गर्ल्स हाई स्कूल बदहाली में

स्मार्ट क्लासरूम का संचालन हुआ बंद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने और छात्राओं को बेहतर डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित शहर का सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस गर्ल्स हाई स्कूल इन दिनों अपनी बदहाल आधारभूत संरचना को लेकर चर्चा में है।

यह विद्यालय नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली कहावत को चरितार्थ करता नजर आ रहा है। लगातार छत से प्लास्टर और मलबा गिरने के कारण छात्राओं एवं शिक्षकों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी संभावित दुर्घटना से बचने के लिए विद्यालय प्रशासन ने सभी स्मार्ट क्लासरूम का संचालन फिलहाल बंद कर दिया है।

विद्यालय में कक्षा छह से बारहवीं तक की पढ़ाई होती है और सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लासरूम के रूप में विकसित किया गया था, लेकिन भवन की जर्जर स्थिति के कारण इनका उपयोग बंद करना पड़ा है।

हालांकि भवन की जर्जर स्थिति के कारण इन कक्षाओं का उपयोग करना सुरक्षित नहीं रह गया है। स्थिति यह है कि छत से लगातार प्लास्टर झड़ने और मलबा गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे छात्राओं और शिक्षकों के बीच भय का माहौल बना हुआ है।

स्मार्ट क्लासरूम बंद होने के बाद वर्तमान में विद्यालय परिसर में बने लैब भवन में कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। इस भवन में तीन विज्ञान प्रयोगशालाएं, एक लैंग्वेज लैब तथा एक पुस्तकालय है। सीमित संसाधनों और स्थान के बावजूद विद्यालय प्रबंधन छात्राओं की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कक्षाएं संचालित कर रहा है।

विद्यालय प्रशासन ने भवन की खराब स्थिति से जिला स्तर के वरीय अधिकारियों को अवगत करा दिया है । बताया गया है कि भवन काफी पुराना है इसे तोड़कर नया भवन बनाने की आवश्यकता है। भवन की तकनीकी जांच, आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षा प्रमाणन के बाद ही स्मार्ट क्लासरूम को दोबारा खोला जाएगा।

इधर, अभिभावकों में भी विद्यालय भवन की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

उनका कहना है कि छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और भवन की मरम्मत जल्द से जल्द कराई जानी चाहिए ताकि स्मार्ट क्लासरूम की सुविधा पुनः बहाल हो सके और शिक्षण कार्य सामान्य रूप से संचालित किया जा सके।

महिला को सांप ने डंसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। विशुनपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अमहर पंचायत के मधुरी गांव निवासी शाहबान अंसारी की पत्नी 25 वर्षीय रुखसाना खातून को शुक्रवार सुबह सांप ने डंस लिया। सर्पदंश के बाद स्वजन उसे इलाज के लिए विशुनपुरा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। स्वजन ने बताया कि शुक्रवार सुबह रुखसाना खातून मुहर्रम के ताजिया को सजाने के लिए घर के बाहर फूल तोड़ने गई थी। इसी दौरान बहिराजाड़ा (रसेल वाइपर) सांप ने उसके बाएं पैर में डंस लिया। घटना के बाद उसके बाएं पैर में तेज दर्द और सूजन होने लगी। इसके बाद स्वजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे।

युवती ने युवक पर लगाए गंभीर आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र में एक युवती ने एक युवक पर धार्मिक पहचान छिपाकर प्रेम संबंध बनाने, शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने, निजी फोटो-वीडियो के माध्यम से ब्लैकमेल करने तथा मारपीट कर मोबाइल और लैपटॉप छीन लेने का आरोप लगाया है।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता, जो उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सैफई की रहने वाली है और एक निजी ई-कॉमर्स कंपनी में कार्यरत है, उसने बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व उसकी पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के करिया गांव निवासी एक युवक से हुई थी।

आरोप है कि युवक ने अपना नाम 'राजा' बताते हुए स्वयं को राजपूत समुदाय का बताया और शादी का भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि विश्वास में लेकर युवक ने उसके निजी फोटो और वीडियो बना लिए।

बाद में उसे जानकारी मिली कि आरोपी ने अपनी वास्तविक धार्मिक पहचान छिपाई थी। जब उसने संबंध समाप्त करने की बात कही तो आरोपी कथित रूप से निजी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा तथा मानसिक दबाव बनाकर संबंध बनाए रखने के लिए मजबूर करता रहा।

युवती ने आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि गुरुवार शाम वह अपने निजी फोटो और वीडियो वापस लेने के उद्देश्य से आरोपी के गांव करिया पहुंची थी। वहां आरोपी और उसके स्वजनों ने उसके साथ मारपीट की, रातभर घर के बाहर रखा तथा उसका मोबाइल फोन और लैपटाप छीन लिया। पीड़िता के अनुसार, वह किसी तरह शुक्रवार सुबह वहां से निकलकर करीब छह किलोमीटर पैदल चलकर मोहम्मदगंज थाना पहुंची और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी।

नियमों को ताक पर रखकर चल रहे गाड़ी वाशिंग सेंटर और आरओ प्लांट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। भीषण गर्मी के बीच नगर में पानी की बढ़ती किल्लत ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। एक ओर जहां तापमान लगातार बढ़ रहा है और जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है, वहीं दूसरी ओर शहरी क्षेत्र में पानी की बर्बादी खुलेआम जारी है। नगर क्षेत्र में कई जगहों पर अवैध रूप से गाड़ी वाशिंग सेंटर और आरओ प्लांट संचालित हो रहे हैं, जिनमें बड़ी मात्रा में पानी का दुरुपयोग किया जा रहा है। इन अवैध गाड़ी वाशिंग दुकानों में बिना किसी नियंत्रण के पाइप से लगातार पानी बहाया जाता है। एक-एक वाहन की धुलाई में सैकड़ों लीटर पानी खर्च हो जाता है।

वहीं आरओ प्लांटों में भी शुद्ध पानी निकालने के दौरान बड़ी मात्रा में पानी बेकार बहा दिया जाता है। जिले में शुद्ध पेयजल के नाम पर चल रहे आरओ प्लांटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण बाजारों तक जार और बोतलबंद पानी की मांग बढ़ने के साथ ही दर्जनों नए आरओ प्लांट स्थापित हो गए हैं।

अनुमान है कि जिले में सौ से अधिक छोटे-बड़े आरओ प्लांट संचालित हो रहे हैं, जहां से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी की आपूर्ति घरों, दुकानों, होटलों, निजी संस्थानों और विभिन्न कार्यक्रमों में की जा रही है। लेकिन इन प्लांटों के संचालन, लाइसेंस, जल गुणवत्ता और भूजल दोहन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि जिले में संचालित अधिकांश आरओ प्लांटों की नियमित जांच नहीं हो रही है। कई प्लांटों के निबंधन और लाइसेंस संबंधी दस्तावेजों की भी समय-समय पर समीक्षा नहीं की जाती।

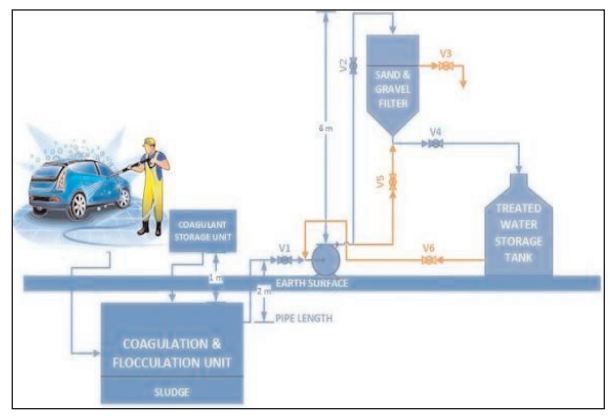

खाद्य सुरक्षा विभाग से निरीक्षण नहीं किए जाने के कारण उपभोक्ताओं को मिलने वाले पानी की गुणवत्ता और सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। लोगों का कहना है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। अगर समय रहते इन अवैध गाड़ी वाशिंग दुकानों और आरओ प्लांटों पर रोक नहीं लगाई गई, तो आने वाले दिनों में शहर में पानी का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

जहां एक तरफ कहावत है कि जल ही जीवन है पानी की हर बूंद कीमती है तो वही दूसरे तरफ पानी का धड़ल्ले से दुरुपयोग किया जा रहा है यदि इसका सही प्रबंधन नहीं किया गया, तो भविष्य में हालात और बिगड़ सकते हैं। जिले में कई स्थानों पर 20 लीटर के जार के अलावा आधा लीटर, एक लीटर और दो लीटर की बोतलों में भी पानी की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। गर्मी के मौसम में इनकी मांग काफी बढ़ जाती है। लेकिन अधिकांश उपभोक्ताओं को यह जानकारी नहीं होती कि जिस पानी का वे उपयोग कर रहे हैं, उसका परीक्षण कब हुआ था। वह निर्धारित मानकों पर खरा उतरता है या नहीं जबकि पैक पेयजल का उत्पादन करने वाली इकाइयों के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है। पानी की शुद्धता, टीडीएस स्तर, बैक्टीरिया की उपस्थिति और अन्य रासायनिक तत्वों की नियमित जांच करानी होती है।

दवा के उलट-फेर से गई मरीज की जान, अस्पताल में हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शहर के बरटांड़ स्थित एशियन जालान अस्पताल में भर्ती एक मरीज की इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो जाने के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जताई।

24 वर्षीय मिथिलेश पासवान 20 जून को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए एशियन जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा था। शुक्रवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो उठे। उनका आरोप था कि मरीज की हालत लगातार बिगड़ रही थी, लेकिन समय पर

समुचित इलाज नहीं किया गया। परिजनों ने यह भी कहा कि अस्पताल प्रबंधन ने मरीज की वास्तविक स्थिति की पूरी जानकारी नहीं दी और इलाज के नाम पर लगातार बिल बढ़ाया जाता रहा। इसी को लेकर परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया।

हंगामे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और मामले की जानकारी ली। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई और अस्पताल का कामकाज फिर से शुरू हो सका।

वहीं, अस्पताल के सेंटर हेड डॉ. सी. राजन ने इलाज में लापरवाही के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि मरीज सड़क दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट के साथ अस्पताल लाया गया था। भर्ती के बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने लगातार उसकी निगरानी करते हुए हरसंभव चिकित्सकीय प्रयास किए। बावजूद इसके, गंभीर चोट के कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीज के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती गई।परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में मिथिलेश पासवान और मिथिलेश वर्मा नाम के दो मरीज भर्ती थे। मिथिलेश पासवान सड़क दुर्घटना में सिर में गंभीर चोट लगने के कारण भर्ती थे, जबकि दूसरे मरीज मिथिलेश वर्मा हृदय रोग के मरीज थे। परिजनों का आरोप है कि दोनों मरीजों की दवाओं में उलटफेर हो गया, जिसके कारण मिथिलेश पासवान की जान चली गई।

प्रीमियम से डिस्काउंट पर आया रूस!

कच्चा तेल सस्ता होने से रिफाइनरीज की होने वाली है चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी गिरावट आई है। होर्मुज स्ट्रेट से धीरे-धीरे ट्रैफिक सामान्य हो रहा है। इससे गुरुवार को कच्चा तेल ईरान युद्ध के पहले स्तर पर आ गया। होर्मुज स्ट्रेट के खुलने से भारी मात्रा में अटके हुए तेल के फिर से बाजार में आने की संभावना है। इससे ओवरसप्लाई हो सकती है और कच्चे तेल की कीमत में भारी गिरावट की आशंका है। कच्चा तेल सस्ता होने से भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों को मोटा मुनाफा होने की उम्मीद है।

गुरुवार को बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत गिरकर लगभग 72 प्रति बैरल रह गई। जून के पहले हफ्ते में यह कीमत औसतन 99 थी। उससे पहले मार्च से मई तक के तीन महीनों में यह 109 प्रति डॉलर थी। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट को देखते हुए रूस ने एक बार फिर से डिस्काउंट देना शुरू कर दिया है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद वह भारी प्रीमियम वसूल रहा था।

कैसे होगी कमाई= ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रिफाइनरीज को होर्मुज स्ट्रेट के खुलने के साथ-साथ ईरानी तेल की बाजार में वापसी, यूएई के ओपेक से बाहर निकलने और रूस से बड़ी मात्रा में तेल की लगातार सप्लाई से भी फायदा होने की उम्मीद है। रिफाइनरीज अभी ऊंची कीमत पर खरीदे गए तेल को ही प्रोसेस कर रही हैं। इसलिए सस्ते तेल का फायदा उन्हें जुलाई-

सितंबर की कमाई में देखने को मिलेगा। इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि अगर क्रूड की कीमतें इसी स्तर के आस-पास बनी रहती हैं, तो रिफाइनरीज को सितंबर तिमाही में भारी प्रॉफिट हो सकता है। बशर्ते रिटेल फ्यूल की कीमतें नहीं बदलती हैं और सरकार मार्च में घोषित 10 प्रति लीटर फ्यूल टैक्स कटौती को वापस नहीं लेती है। सरकार ने मई में पेट्रोल और डीजल की कीमत में करीब 8 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। चीन दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा इंपोर्टर है। लेकिन चीन ने पिछले दो महीनों में खरीद में भारी कटौती की है। इससे ग्लोबल कीमतें काबू में रही हैं। अगर चीन अपने रिजर्व को भरने के लिए कोई कदम उठाता है, तो मार्केट तेजी से टाइट हो सकता है और कीमतें बढ़ सकती हैं।

चीन की चाल

एक अधिकारी ने कहा कि हम अब भी डे-टु-डे आधार पर काम कर रहे हैं। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका-ईरान डील का अंतिम स्वरूप कैसा रहता है। साथ ही ईरानी तथा रूसी तेल पर प्रतिबंधों के भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता बनी हुई है। चीन के अगले कदम पर भी नजर रखी जा रही है।

तेल का खेल: कच्चे तेल की कीमत ईरान युद्ध से पहले के स्तर पर पहुंची स्ट्रेट ऑफ होर्मुज स्ट्रेट में ट्रैफिक धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है कच्चा तेल सस्ता होने से रूस ने फिर से डिस्काउंट शुरू किया इससे भारतीय रिफाइनरीज को काफी फायदा होने की उम्मीद

सस्ता तेल: अधिकारियों का कहना है कि भारतीय रिफाइनरीज सबसे सस्ता कच्चा तेल खरीदने की कोशिश कर रही हैं। इसके साथ ही खाड़ी के सप्लायर्स के साथ टर्म-परचेज कमिटमेंट को भी पूरा करने की कोशिश कर रही हैं। इराक, कुवैत, कतर और सऊदी अरब अपना कमिटमेंट पूरा करने के लिए तैयार हैं। कुछ रिफाइनरीज ने पहले ही ऑर्डर देना और लॉजिस्टिक्स का इंतजाम शुरू कर दिया है।

लगातार चौथे हफ्ते गिरावट की तरफ बढ़ रहा सोना, जानिए आपके शहर में आज क्या है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। मुहर्रम के मौके पर आज एमसीएक्स पर सुबह के सत्र में ट्रेडिंग बंद है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना लगातार चौथे हफ्ते गिरावट की तरफ बढ़ रहा है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदों के कारण डॉलर मजबूत हुई है। साथ ही निवेशक अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का भी आकलन कर रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि यह समझौता कभी भी टूट सकता है। इसका असर सोने की कीमत पर देखने को मिल रहा है। स्पॉट गोल्ड 0.1% गिरकर 4,022.95 प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। इस हफ्ते इसमें 3.4% गिरावट आई है। अगस्त डिलीवरी के लिए यूएस गोल्ड फ़्यूचर्स 0.2% गिरकर 4,038.10 पर आ गया। ईरान ने गुरुवार को होर्मुज की खाड़ी में एक जहाज पर हमला किया। होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा देने का अपना ऑपरेशन रोक दिया। इससे अमेरिका-ईरान डील को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ गईं हैं। इस

बीच अमेरिका में गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मई में देश में महंगाई और इजाफा हुआ। एनर्जी की कीमतें बढ़ने से महंगाई दर तीन साल में पहली बार 4.0% के स्तर को पार कर गई। ट्रेडर्स को इस साल फेड द्वारा ब्याज दरों में तीन बार बढ़ोतरी की उम्मीद है। इस बीच मई में हांग कांग के जरिए चीन का नेट गोल्ड इंपोर्ट अप्रैल के मुकाबले करीब 38% गिर गया। हालांकि सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 270 रुपये की तेजी के साथ 141600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है।

नैक पैकेजिंग का आईपीओ अगले सप्ताह आ रहा है, ग्रे मार्केट में अभी से दिख रही है डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल बाजार में आप चावल की बोरी लें या दाल या फिर गेहूं की बोरी। सब बड़े आकर्षक प्रिंटेड और लैमिनेटेड वीवन पॉलीप्रोपलीन बैग में पैक होते

हैं। ऐसी ही बैग बनाने वाली गुजरात की कंपनी नैक पैकेजिंग का आईपीओ अगले सप्ताह आ रहा है। यह आईपीओ अगले एक जुलाई को खुलेगा और तीन जुलाई को बंद हो जाएगा। जानते हैं इसके बारे में विस्तार से। नैक पैकेजिंग ने 2,58,52,941 इक्विटी शेयर जारी कर 439.50 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। इसमें से 2,23,52,941 शेयरों का फ्रेश इश्यू है। इससे 380 करोड़ रुपये जुटाये जाएंगे। इसके अलावा करीब 35,00,000 शेयर ऑफर फोर सेल के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये के अंकित मूल्य के शेयर बेचे जाएंगे। इसका प्राइस बैंड 161 से 170 रुपये तय किया गया है। इसमें निवेशक एक जुलाई 2026 यानी अगले बुधवार से बोली लगा सकते हैं। तीन जुलाई यानी अगला शुक्रवार बोली लगाने का अंतिम दिन है। ग्रे मार्केट में नैक पैकेजिंग के शेयरों पर इस समय प्रीमियम या जीएमपी 6.76 फीसदी दिखाया जा रहा है। मतलब कि यदि प्राइस बैंड के ऊपरी लेवल यानी 170 रुपये को शेयर का मूल्य माना जाए तो निवेशकों को लिस्टिंग के बाद 11.50 रुपये प्रति शेयर का मुनाफा मिल सकता है। नैक पैकेजिंग प्रिंटेड और लैमिनेटेड वॉवन पॉलीप्रोपाइलीन बैग्स और पिन्च बॉटम बैग्स बनाने वाली देश की एक प्रमुख कंपनी है। यह इनोवेटिव पैकेजिंग सॉल्यूशंस प्रोवाइडर है जो कस्टमाइज्ड और हाई-स्ट्रेंथ बैग्स बनाती है। इसके प्रोडक्ट्स कई इंडस्ट्रीज में काम आते हैं। इनमें फूड, पेट फूड, एग्रीकल्चर, केमिकल्स, फर्टिलाइज़र, बिल्डिंग मटीरियल्स और अन्य इंडस्ट्रियल एप्लिकेशन्स आदि शामिल हैं। इसकी फैक्ट्री गुजरात में है।

डिजिटल फ्रॉड पर बैंक देगा 25 हजार मुआवजा, अगले साल जनवरी से नियम होंगे लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल पेमेंट में धोखाधड़ी के शिकार होने को लेकर रिजर्व बैंक ने अपनी फाइनल गाइडलाइंस

जारी कर दी है। इसके तहत अगर किसी के साथ 50,000 रुपये तक का फ्रॉड होता है, तो बैंक उसे 25,000 रुपये तक का मुआवजा देगा। हालांकि, यह सुविधा जीवन में केवल एक बार ही मिलेगी। ये नियम 1 जनवरी 2027 से लागू होंगे। निर्देशों के मुताबिक, अनधिकृत डिजिटल ट्रांजेक्शन होने पर मुआवजे की रकम मिलकर भरी जाएगी। इसमें 65% हिस्सा देगा। 10% हिस्सा उस बैंक का होगा जिसमें पीड़ित का खाता है। 10% हिस्सा उस बैंक का होगा जिसमें फ्रॉड का पैसा गया है (बेनेफिशियरी बैंक)। पहली बार ऋख्र्ढ्ढ ने सीमा पार होने वाले फ्रॉड के लिए भी मुआवजे का नियम बनाया है। अगर किसी ऐसे फ्रॉड में पैसा विदेश गया है जहां कोई भारतीय बैंक शामिल नहीं है, तो मुआवजे का 65% हिस्सा और बाकी 35% हिस्सा ग्राहक का बैंक देगा। फ्रॉड होने के 5 दिनों के भीतर नैशनल साइबर क्राइम पोर्टल या हेल्पलाइन (1930) पर शिकायत करनी होगी। अपने बैंक को भी जानकारी देनी होगी। ग्राहक की अर्जी मिलने के 5 दिनों के भीतर बैंक को मुआवजा देना होगा। क्रेडिट कार्ड फ्रॉड के मामलों में ने शैडो रिवर्सल की सुविधा शुरू की है। इसका मतलब यह है कि जैसे ही ग्राहक फ्रॉड की रिपोर्ट करेगा, बैंक को 5 दिनों के भीतर वह रकम ग्राहक के खाते में (प्रोविजनल क्रेडिट के तौर पर) डालनी होगी, भले ही जांच पूरी न हुई हो। देश के भीतर होने वाले फ्रॉड की जांच 45 दिनों में और अंतरराष्ट्रीय फ्रॉड की जांच 60 दिनों के भीतर पूरी कर सुलझानी होगी। साथ ही, बैंकों को इन शिकायतों की रिपोर्ट समय-समय पर अपने बोर्ड को देनी होगी।

इंडियन बास्केट क्रूड भी आ गया नीचे, नोएडा में आज भी पेट्रोल 102 तो डीजल 95 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच डील होने के बाद से इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में गिरावट ही आ रही है। स्थिति यह है कि अब क्रूड ऑयल का दाम युद्ध शुरू होने से पहले के स्तर पर आ गया। इसी के साथ इंडियन बास्केट क्रूड के दाम भी कम हुए हैं। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों ने शुक्रवार, 26 जून 2026, को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं।

सस्ता ही हो रहा है क्रूड ऑयल

अमेरिका और ईरान में डील होने के बाद से ही इंटरनेशनल क्रूड मार्केट नरम पड़ रहा है। भारत सरकार के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के डेटा के अनुसार, 24 जून को इंडियन बास्केट की औसत कीमत 70.71 डॉलर प्रति बैरल थी। चालू जून महीने के लिए इंडियन बास्केट की औसत कीमत 86.31 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि फरवरी 2026 में यह औसत 72.47 डॉलर प्रति बैरल थी। यदि स्पॉट मार्केट की बात करें तो आज सुबह करीब छह बजे स्टेंडर्ड ब्रेंट क्रूड ऑयल 0.66 फीसदी या 0.50 डॉलर प्रति बैरल घट कर 74.76 पर ट्रेड हो रहा था।

पेट्रोल-डीजल के घटेंगे दाम

पेट्रोल-डीजल के दाम घटेंगे इस पर इंडस्ट्री के एक अधिकारी का कहना है कि इस समय पेट्रोल-डीजल की कीमतें इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में रोजाना होने वाले उतार-चढ़ाव के आधार पर तय नहीं की जाती हैं। इसके बजाय आमतौर पर पिछले दो हफ्तों या महीने की औसत ऑयल कीमतों के आधार पर तय होती हैं। नतीजतन, अगर इंटरनेशनल दरें कम बनी रहती हैं तो क्रूड की कीमतों में हालिया गिरावट का फायदा पंप तक पहुंचने में समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि सरकारी तेल कंपिनयों ने युद्ध शुरू होने के बाद ग्लोबल क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद लगभग ढाई महीने तक रिटेल कीमतें स्थिर रखी थीं।

पिछले महीने 4 बार बढ़े हैं दाम

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने बीते मई महीने में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है।

अमेरिका से टेंशन के बीच चीन ने भारत में दबाकर ठूंस दिए ये तीन प्रोडक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने घरेलू मैन्युफैक्चरर्स की अलग-अलग शिकायतों के बाद चीन से तीन प्रोडक्ट्स के इंपोर्ट के खिलाफ एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है। ये प्रोडक्ट्स हैं - थर्मल पेपर, बायएक्सियली ओरिएंटेड पॉलियामाइड फिल्म और कुछ एंटीऑक्सीडेंट्स। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने नोटिफिकेशन जारी कर यह जानकारी दी। इस जांच में चार अन्य देश कोरिया, सिंगापुर, अमेरिका और थाईलैंड भी

शामिल हैं। अमेरिका-चीन ट्रेड टेंशन और चीन की बहुत ज्यादा इंडस्ट्रियल कैपेसिटी की वजह से भारत में सस्ते चीनी सामान के डंप होने का बड़ा खतरा है। जांच शुरू करने के लिए मिनिस्ट्री के डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज के सामने अलग-अलग घरेलू कंपनियों ने चार एप्लीकेशन फाइल की हैं। विनती ऑर्गेनिक्स लिमिटेड ने चीन, कोरिया और सिंगापुर से कुछ एंटीऑक्सीडेंट्स (जो पॉलीमर इंडस्ट्री में इस्तेमाल होते हैं) के इंपोर्ट के खिलाफ डंपिंग जांच की मांग करते हुए एप्लीकेशन फाइल की है। फिल्म्स ने चीन और थाईलैंड से एक्सपोर्ट होने वाली 'बायएक्सियली ओरिएंटेड पॉलियामाइड फिल्म' (जो पैकेजिंग इंडस्ट्री में इस्तेमाल होती है) के इंपोर्ट के खिलाफ जांच की मांग की है। दक्षिण कोरिया से 'थर्मल पेपर या थर्मल सेंसिटिव पेपर' के इंपोर्ट से जुड़ी एंटी-डंपिंग ड्यूटी जांच शुरू करने के लिए छ्वत्रक्र के सामने एप्लीकेशन फाइल की है।

इंपोर्ट से घरेलू इंडस्ट्रीज को नुकसान

नोटिफिकेशन के अनुसार, सभी एप्लीकेंट्स ने आरोप लगाया है कि इन देशों से सामान के डंप किए गए इंपोर्ट से घरेलू इंडस्ट्रीज को काफी नुकसान हो रहा है। उन्होंने सस्ते इंपोर्टेड सामान के असर से घरेलू कंपनियों को बचाने के लिए इंपोर्ट पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की मांग की है। एक नोटिफिकेशन में कहा गया है, 'एप्लीकेंट की ओर से फाइल की गई एप्लीकेशन के आधार पर... घरेलू इंडस्ट्री के पेश किए गए शुरुआती सबूतों के आधार पर जो प्रोडक्ट की डंपिंग को साबित करते हैं... अथॉरिटी इसके जरिए एंटी-डंपिंग जांच शुरू करती है।' इन सभी जांचों में डायरेक्टरेट इन देशों से एक्सपोर्ट किए जाने वाले केमिकल की डंपिंग के होने, उसके स्तर और असर का पता लगाएगा।

भारत में शेयर मार्केट बंद लेकिन साउथ कोरिया में धराशायी हो गया बाजार, रोकनी पड़ी ट्रेडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। मुहर्रम के मौके पर आज भारत में शेयर बाजार बंद है। इस बीच साउथ कोरिया के शेयर बाजार में आज भारी गिरावट देखने को मिली। हालत यह हो गई कि 20 मिनट तक ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। इस हफ्ते यह दूसरा मौका है जब साउथ कोरिया के बाजार में सर्किट ब्रेकर हॉल्ट लगा है। चिप बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट के कारण कोस्पी इंडेक्स में 8% से ज्यादा गिरावट आई। इस तरह साउथ कोरिया का मार्केट तीन महीने में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट के करीब पहुंच गया।

अमेरिकी के टेक शेयरों में गुरुवार को हुई गिरावट के बाद निवेशकों ने प्रॉफिट बुकिंग शुरू कर दी। कोस्पी की बड़ी कंपनियों में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 8.02% गिरावट आई। एक और बड़ी चिपमेकर एसके हाइनिक्स में भी 8.94% की भारी गिरावट आई। इसी तरह बैटरी बनाने वाली एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के शेयर 5.11% गिर गए।

अमेरिकी बाजार का हाल

इसी तरह हुंडई मोटर के शेयरों में 4.77% और उसकी सहयोगी कंपनी किया कॉर्प के शेयरों में 4.30% की गिरावट आई। स्टील बनाने वाली पोस्को होल्डिंग्स के शेयर 5.73% गिर गए जबकि फार्मा कंपनी सैमसंग बायोलॉजिक्स में 3.10% की गिरावट आई। सुबह के सत्र में विदेशी निवेशकों ने करीब 1.7 अरब के शेयर बेच दिए।

कोरिया से जापान तक के बाजारों में भूचाल, कोस्पी 8.2% टूटा, सैमसंग और एसके हायनिक्स के शेयर धड़ाम

नईदिल्ली, एजेंसी। एशियाई शेयर बाजारों में भूचाल आ गया है। यह शुक्रवार दक्षिण कोरिया के स्टॉक मार्केट के लिए ब्लैक फ्राइडे साबित हुआ है। 26 जून 2026, शुक्रवार को भी सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के चलते पिछले सेशन की बढ़त पूरी तरह खत्म हो गई। इस हफ्ते टेक्नोलॉजी शेयरों में उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा

दी है। बता दें भारतीय शेयर मार्केट आज 26 जून को मुहर्रम के अवसर पर बंद है। बीएसई और एनएसई दोनों प्रमुख एक्सचेंजों पर आज कोई कारोबार नहीं होगा। इसलिए इसका असर सोमवार को दिखाई दे सकता है।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 8.2% टूटा: ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार में शुक्रवार को जबरदस्त गिरावट आई। चिपमेकर कंपनियों पर भारी बिकवाली का दबाव रहा, जिससे कोस्पी इंडेक्स 8.2% तक लुढ़क गया। इतनी तेज गिरावट के चलते कोरिया एक्सचेंज ने 20 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोक दी। यह इस हफ्ते दूसरी बार हुआ जब बाजार इतना अस्थिर हो गया कि ट्रेडिंग को रोकना पड़ा। इस दौरान सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और स्र्य हाइनिक्स के शेयरों में 9% से ज्यादा की गिरावट आई।

हुंडई मोटर और उसकी सहयोगी कार कंपनी किआ कॉर्प के शेयरों में क्रमशः 4.77% और 4.30% की गिरावट आई। स्टील बनाने वाली कंपनी होल्डिंग्स के शेयरों में 5.73% की गिरावट हुई, जबकि दवा बनाने वाली कंपनी सैमसंग बायोलॉजिक्स के शेयरों में 3.10% की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, विदेशी निवेशकों ने सुबह के सेशन में 2.7 ट्रिलियन वॉन (1.7 अरब डॉलर) के शेयर बेचे। जापान का निक्केई भी शुक्रवार को तेजी से नीचे आया। पिछले सेशन में रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद होने के बाद आज यह 3.7% गिरकर 69,704.88 अंक पर आ गया। सॉफ्टबैंक ग्रुप के शेयरों में 12% से अधिक की गिरावट आई, क्योंकि खबरें आई कि अपनी आईपीओ को टाल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार अपनी शुरुआती सार्वजनिक पेशकश को 2027 तक टालने पर विचार कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कंपनी के आंतरिक विचार-विमर्श का हवाला देते हुए यह जानकारी दी गई है।अमेरिकी फ्यूचर्स में भी कमजोरीः अमेरिकी बाजारों के भी कमजोर खुलने के संकेत हैं। नैस्डैक-100 फ्यूचर्स 0.6% और एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.2% की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन ने इस शेयर में की बड़ी खरीद-फरोख्त, पिछले 5 साल में दिया है 44% रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन ने एक ब्लॉक डील में डीपी वायर्स के शेयर बेचे हैं। यह कंपनी खास तरह के स्ट्रैंड्स, स्टील वायर और जियोमेम्ब्रेन शीट बनाती है। बच्चन कम से कम मार्च 2018 की तिमाही से पब्लिक शेयरहोल्डर के तौर पर यह स्टॉक रखे हुए थे। उन्होंने 1,23,622 शेयर औसतन 200.84 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे। इनकी कुल कीमत 2.48 करोड़ रुपये थी। एक और ट्रांजैक्शन में उन्होंने 41,566 डीपी वायर्स शेयर 199.90 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे। इनकी कुल कीमत 83 लाख रुपये थी। कॉर्पोरेट डेटाबेस एसइक्विटी से मिले डेटा के मुताबिक, अमिताभ बच्चन ने पिछले चार क्वार्टर में कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 2.11 फीसदी (3,27,590 शेयर) बनाए रखी थी। उनके पास अभी भी डीपी वायर्स के शेयर हैं। डीपी वायर्स वित्त वर्ष 2017-18 में स्स्ब्ब के तौर पर पब्लिक हुई थी। यह स्टॉक 17

जनवरी, 2020 को मेनबोर्ड प्लेटफॉर्म पर आ गया। डीपी वायर्स स्टील वायर और प्लास्टिक फिल्म बनाने और सप्लाई करने का काम करती है। इनका इस्तेमाल ऑयल एंड गैस, पावर, पर्यावरण, सिविल, एनर्जी, ऑटोमोबाइल, इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे उद्योगों में होता है। कंपनी के प्लास्टिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहरों की लाइनिंग, लैंडफिल, हाईवे और सड़क निर्माण, तालाबों, टैंकों, पानी के जलाशयों, माइनिंग और सॉल्यूशन पॉन्ड्स में और स्टील टैंकों को जंग से बचाने के लिए किया जाता है।एसइक्विटी के मुताबिक, इसके वायर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कंस्ट्रक्शन, पुलों, ऑयल एंड गैस और इंफ्रास्ट्रक्चर में होता है। डीपी वायर्स की स्टैंडअलोन बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में 620.93 करोड़ रुपये से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 480.11 करोड़ रुपये हो गई।

5 साल में दिया है 44% रिटर्न

इस स्टॉक ने 2026 में अब तक 7 फीसदी और पिछले पांच सालों में 44 फीसदी का रिटर्न दिया है। गुरुवार को 3.11 फीसदी बढ़कर 216.99 रुपये पर पहुंचने के बावजूद यह 17 नवंबर, 2023 को बने अपने रिकॉर्ड हाई 681.45 रुपये से 68 फीसदी नीचे है। मार्च 2018 के आखिर में बच्चन के पास डीपी वायर्स के 3,32,800 शेयर या 2.45 फीसदी हिस्सेदारी थी। सितंबर 2023 तिमाही में उनकी हिस्सेदारी घटकर 1.47 फीसदी रह गई थी। सुप्रिया सुले की बेटी की शादी में पहुंचे अमिताभ बच्चन, अनीता अंबानी संग बात करते दिखे बिग बी साल-दर-साल आधार पर कंपनी का मुनाफा 22.20 करोड़ रुपये से घटकर 17.58 करोड़ रुपये रह गया।

'द आर्चीज' मेरे लिए फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अभिनेता ने अपनी डेब्यू फिल्म 'द आर्चीज' को लेकर खुलकर बात की। बातचीत में वेदांग रैना ने बताया कि 'द आर्चीज' उनके लिए सिर्फ पहली फिल्म नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला मौका थी। अभिनेता ने कहा, 'अगर 'द आर्चीज' मुझे नहीं मिलती, तो शायद मेरी जिंदगी बिल्कुल अलग दिशा में जा रही होती। उस समय मैं नौकरी ढूंढ रहा था और एमबीए के लिए आवेदन करने की तैयारी भी कर रहा था। मैं एक ऐसे मोड़ पर था, जहां मेरा भविष्य कुछ और ही हो सकता था।'

फिल्म रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना और ट्रोलिंग को लेकर वेदांग ने कहा कि उन्होंने कभी भी इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मैंने उस पूरे अनुभव को कभी उस नजरिए से देखा ही नहीं। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मैं पहली बार इतने बड़े स्तर पर स्क्रीन पर नजर आ रहा था और लोग मेरा काम देख रहे थे। मैं उस मौके के लिए बेहद खुश था।'

वेदांग ने साफ कहा कि लोगों की राय अपनी जगह है। लेकिन उनके लिए यह फिल्म सपनों को सच करने वाला मौका साबित हुई। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए उस फिल्म का मतलब सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं था, उसने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी। इसलिए मैंने हमेशा उस अनुभव को अच्छे नजरिए से देखा। लोगों की राय अपनी जगह है, लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे ऐसा मौका मिला, जिसने मेरे सपनों को सच कर दिया। आज भी मैं उस मौके के लिए बेहद शुक्रगुजार हूं।'

वेदांग रैना ने यह भी बताया कि 'द आर्चीज' की पूरी स्टारकास्ट आज भी एक-दूसरे के संपर्क में रहती है। हालांकि सभी अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'हम टच में हैं। सब लोग बहुत बिजी हो जाते हैं। जब मैं शूट कर रहा होता हूं तो बाकी लोग अपने काम में लगे होते हैं। सबकी अपनी-अपनी जर्नी है, लेकिन हम एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। किसी की फिल्म आती है तो उसे बधाई भी देते हैं।' बता दें कि 'द आर्चीज' 7 दिसंबर 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

हॉरर फिल्म शैली में कदम रखने जा रही हैं जैकलीन फर्नांडीज

जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीज़र और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है।दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।

निर्देशक नेल्सन के साथ काम करना चाहते हैं सूर्या

सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म 'करुप्पू' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। सिनेमाघरों के बाद फिल्म प्राइम वीडियो पर आ चुकी है, जहां इसे लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है। इस बीच, खबर है कि सूर्या अपनी आगामी फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह अपनी 50वीं फिल्म के लिए निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार के साथ काम करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सूर्या निर्देशक नेल्सन के साथ फिल्म 'सूर्या 50' में काम करने के इच्छुक हैं। बताया जा रहा है कि सूर्या की टीम ने इस कॉमेडी फिल्म में संभावित सहयोग के लिए निर्देशक से संपर्क भी किया है। हालांकि नेल्सन अभी रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में बिजी हैं। फिलहाल दोनों के सहयोग की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।'

सूर्या की अगली फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' हैं। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस मामिता बैजू दिखाई आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सनी देओल की आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' और इमरान हाशमी की फिल्म 'आवारापन 2' के साथ होगी।

'ढिंढोरा 2' लेकर आएंगे भुवन बाम, शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का हिस्सा भी बनेंगे

यूट्यूबर से एक्टर बने भुवन बाम की वेब सीरीज 'ढिंढोरा 2' जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसकी शूटिंग वह इन दिनों कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में एक नए किरदार की एंट्री भी होने वाली है। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' ने भुवन ने अपनी वेब सीरीज की शूटिंग का जिक्र किया। साथ ही समय रैना के शो में आने की बात भी कही।

सोशल मीडिया पर की घोषणा

भुवन बाम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शो 'ढिंढोरा 2' की घोषणा की। वह सीरीज के किरदार टीटू मामा के गेटअप में नजर आए। उनके साथ एक महिला किरदार भी खड़ी दिखीं। 'ढिंढोरा 2' में वह इस बार नए किरदार की एंट्री करेंगे। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में भी भुवन बाम ने फोन बताया कि वह 'ढिंढोरा 2' की शूटिंग कर रहे हैं। दरअसल, समय रैना ने एक प्रतियोगी की बात फोन पर भुवन बाम से करवाई थी, वह प्रतियोगी भुवन का बहुत बड़ा फैन था।

'ढिंढोरा 2' को भुवन ने ही लिखा है

'ढिंढोरा 2' को भुवन बाम, अब्बास दलाल, हुसैन दलाल, चेतन डांगे, गोपाल दत्त, शुभम दुबे और अनंत दुबे ने लिखा है। इसे रोहित राज और भुवन बाम ने प्रोड्यूस किया है। इस वेब सीरीज के पहले सीजन को फैंस ने खूब पसंद किया था। मल्टी टैलेंटेड हैं भुवन बाम भुवन बाम एक चर्चित कॉमेडियन, एक्टर, राइटर, सिंगर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने यूट्यूब पर भारत में ऑनलाइन स्केच कॉमेडी की शुरुआत की थी।

रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं नानी

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'धंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है।

स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी

नानी की टीम अभी स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं। खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

मां बनने के बाद जिंदगी बदल गई है

रुबीना दिलैक ने बताया कि मां बनने के बाद जिंदगी कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा कि जीवा और ईधा जुड़वा बेटियों के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। उन्होंने बताया- मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे।

टेलिविजन जगत की मशहूर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को इंडस्ट्री में लंबा अरसा हो गया है, मगर बीते वक्त के साथ वे निखरती चली गई हैं। फिक्शन शोज हों या नॉन फिक्शन अथवा हों रियलिटी शोज, वे हर जगह चमकी हैं। दो जुड़वा बेटियों की मां रुबीना फैशन गोल्स ही नहीं बल्कि फैमिली गोल्स भी सेट करती नजर आती हैं। उनका मानना है कि पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण जरूर है, मगर असंभव नहीं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर कभी बिकीनी तो कभी अपने सेक्सी कॉस्टयूम से रुबीना चर्चा में रहती हैं। खुद को कैसे मेंटेन कर पाती हैं? इस सवाल के जवाब में वे कहती हैं, 'आपको अपने दिमाग और बॉडी को एक खास तरह की फिटनेस के साथ रखना ही पड़ता है, फिर इसके बाद खूबसूरत लगना बायप्रोडक्ट हो जाता है। मैं किसी खास शेप या फिगर के लिए ऐसा नहीं करती। मुझे अपनी एनर्जी हाइ चाहिए और मेरी परफॉर्मेंस पर फर्क नहीं पड़ना चाहिए, इसी वजह से मैं हेल्दी रहना पसंद करती हूं। इसके लिए मैं डिसिप्लिन में रहना पसंद करती हूं।'

शादी में लगा था बहुत हो गया, अब बस

रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला की शादी कई उतार-चढ़ाव से गुजरी। बिग बॉस 14 में जाने से पहले उनकी शादी तलाक के कगार तक पहुंच गई थी। रुबीना कहती हैं, 'हम अपनी शादी में ये जान चुके हैं कि बॉलिवुड से हमें आइडिया ऑफ लव बेचा गया है। मगर असलियत में वो वैसा नहीं है। प्यार हर रोज का कमिटमेंट है। जब आप सुबह उठते हैं और अपने पार्टनर की आंखों में देखते हैं, तो उनकी तमाम बुराइयों, कमियों और नकारत्मकता के बावजूद आप उनके साथ रहना चाहते हैं, तो वही प्यार है। आपको लगातार रिश्तों पर काम करना पड़ता है। मगर यदि आप ये सोचते हैं कि ये मैं इसके साथ कहां फंस गई, तो फिर उस रिलेशनशिप से तुरंत निकल जाइए। हमारी शादी में अभिनव ने मेरे मामले में कभी हार नहीं मानी। हां मैं कह देती थी, आइ एम डन, बहुत हो गया, अब नहीं।' तब अभिनव कहते, 'शांत हो जाओ, थोड़ा सोच लो' अभिनव ने मुझे बहुत संभाला।'

सभी जानते हैं कि रुबीना जीवा और ईधा जैसी दो जुड़वा बेटियों की मां हैं, मगर ट्विंस के पालन -पोषण में उन्हें पति अभिनव का पूरा साथ मिला है। वे कहती हैं, 'बच्चों के पालन-पोषण में बहुत पेरेंट्स की पार्टनशिप बहुत जरूरी है और हम उसी तरीके से आगे बढ़ते हैं।'

वो कहते, मां बनने के बाद लीड रोल नहीं मिलेंगे

कई बार मदरहुड महिलाओं के लिए रुकावट भी बन जाता है। मगर क्या एंटरटेनमेंट की दुनिया में भीअभिनेत्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है? इस पर रुबीना कहती हैं, 'मैं आपको बताना चाहूंगी कि 60 से 65 प्रतिशत महिलाएं मां बनने के बाद काम रेज्यूम नहीं कर पातीं, क्योंकि उनके पास सपोर्ट सिस्टम नहीं होता। हमने ऐसा कोई इकोसिस्टम भी नहीं बनाया, जहां नई मांएं अपने मदरहुड के साथ करियर भी आगे बढ़ा सकें। हमारी इंडस्ट्री की खासियत ये है कि हम काम पर रेज्यूम करना चुन सकते हैं। मगर हमारे काम करने का नेचर ऐसा बन गया है कि लोग आपको लेबल और जज करना शुरू कर देते हैं। जैसे 'मां बन गई है, उम्र दिखने लगी है', 'अलग सी दिखने लगी है', 'अब ये वाले रोल नहीं भाते' तो अब यहां आपको एक बहुत ही पॉजिटिव और एनर्जी वाले माइंडसेट के साथ काम करना है, तो साथ में सुंदर भी लगना है, तो एक अलग तरह का दबाव रहता है। मुझसे तो कई लोगों ने कहा भी कि मां बन जाओगी, तो में लीड रोल नहीं मिलेंगे। डर और इन्सिक्योरिटी दोनों सताते है, मगर आपको उसी के बीच रास्ता तलाशना होता है। मां बनने के बाद मेरे हाथ से बहुत सारा काम और प्रॉजेक्ट्स गए हैं।'

वैभव सूर्यवंशी के तूफान से पहले जुरेल का धमाका

श्रीलंका के खिलाफ ठोका जबरदस्त शतक, कप्तान बनकर हुए हिट

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका ए के खिलाफ गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच में इंडिया ए के कप्तान ध्रुव जुरेल ने मोर्चे से टीम की अगुवाई करते हुए एक बेहतरीन शतकीय पारी खेली है। यह उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का कुल छठा शतक है। मैच के दूसरे दिन के दूसरे सेशन के दौरान जुरेल ने सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए अपनी पारी को शतक में बदला। उनसे पहले ओपनिंग बल्लेबाज

साई सुदर्शन ने भी 132 रनों की शतकीय पारी खेली थी। इन दो दमदार शतकों के दम पर भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 400 से अधिक रनों का मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया है। भारतीय टीम ने जब 181 रन के स्कोर पर अपना तीसरा विकेट गंवाया था, तब कप्तान ध्रुव जुरेल क्रीज पर उतरे। उन्होंने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने आए शेख राशीद के साथ मिलकर टीम को संभाला और चौथे विकेट के लिए 136 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। राशीद 113 गेंदों का सामना करते हुए 63 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर आउट हुए लेकिन जुरेल ने एक छोर थामे रखा और अपनी क्लास दिखाते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों की हर रणनीति को नाकाम कर दिया।

शानदार चल रहा है फर्स्ट क्लास करियर- उत्तर प्रदेश की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ध्रुव जुरेल का प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। साल 2022 में रणजी ट्रॉफी से अपने फर्स्ट क्लास करियर की शुरुआत करने वाले जुरेल ने अब तक खेले 35 मैचों की 52 पारियों में लगभग 50 से अधिक की शानदार औसत के साथ 2400 से ज्यादा रन बनाए हैं। इस प्रारूप में अब उनके नाम 6 शतक और 14 अर्धशतक दर्ज हो चुके हैं।

2024 में किया था टेस्ट डेब्यू- घरेलू स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत जुरेल ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय सीनियर टेस्ट टीम में अपना डेब्यू किया था।

जर्मनी पर इक्वाडोर की ऐतिहासिक जीत

● नॉकआउट में जापान और स्वीडन

ईस्ट रदरफोर्ड (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में इक्वाडोर का अपना वर्ल्ड कप कैंपेन जारी है. जानकारी के मुताबिक गोंजालो प्लाटा के विजयी गोल ने गुरुवार को जर्मनी पर 2-1 से यादगार जीत हासिल की और उन्हें अंतिम 32 में पहुंचा दिया। ग्रुप ई के मैच में दो मिनट से भी कम समय में लेरॉय साने ने विवादित तरीके से जर्मनी को बढ़त दिला दी, लेकिन सुंदरलैंड के विंगर निल्सन एंगुलो के शानदार गोल से इक्वाडोर ने वापसी की। इसके बाद प्लाटा ने मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले करीब से गोल किया। ऐसा होते ही न्यू जर्सी में इक्वाडोर की भीड़ के बीच जबरदस्त जश्न मनाया गया. दक्षिण अमेरिकियों ने सुनिश्चित किया कि वे आठ सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में से एक के रूप में आगे बढ़ेंगे।

जर्मनी सोमवार को तीसरे नंबर पर रहने वाली एक और टीम के खिलाफ अपने लास्ट-32 मुकाबले के लिए फॉक्सबोरो जाएगा, जो 2014 में ट्रॉफी उठाने के बाद उनका पहला वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच होगा. इस जीत के बाद कप्तान जोशुआ किमिच ने कहा कि उनकी टीम को नॉकआउट राउंड में और बेहतर प्रदर्शन करना होगा. किमिच ने आगे कहा कि हम अपनी विरोधी टीम को गेम में वापसी का मौका देते हैं, और इससे वे और मजबूत होते हैं।

अच्छी बात ये है कि अभी तक कुछ नहीं हुआ है, लेकिन हम एक और हार नहीं झेल सकते. हम हर गेम में एक या दो गोल नहीं खा सकते. हमें बॉल कम से कम देनी होगी, तभी हम किसी को भी हरा सकते हैं. जूलियन नेगल्समैन ने चोट की वजह से दो बदलाव किए, जिसमें एंटोनियो रुडिगर को निको श्लोटरबेक की जगह शामिल किया गया, क्योंकि बोरूसिया डॉर्टमुंड के डिफेंडर एंकल लिगामेंट में चोट के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे।

डेविड राउम लेफ्ट-बैक पर नैथेनियल ब्राउन की जगह आए, लेकिन नैगल्समैन ने डेनिज उन्दाव को शुरू करने का लालच रोक दिया, भले ही उन्होंने आइवरी कोस्ट के खिलाफ बेंच से शानदार प्रदर्शन किया था, जब उन्होंने 2-1 की जीत में दोनों गोल किए थे. ग्रुप में टॉप पर जगह पक्की कर चुकी जर्मनी ने इस तरह बढ़त बना ली कि इक्वाडोर की टीम गुस्सा हो गई, जो अपने पहले दो गेम में सिर्फ एक पॉइंट लेकर टूर्नामेंट में बने रहने के लिए लड़ रही थी। साने ने फ्लोरियन विर्ट्ज के ले-

ऑफ से एरिया में पहली बार शॉट मारा, लेकिन इक्वाडोर इस बात से नाराज था कि मूव में पहले फाउल क्यों नहीं दिया गया, जब एलेक्जेंडर पावलोविच ने पेड्रो विटे के सिर पर हाई बूट मारा था.

नीदरलैंड्स और यूएसए टॉप पर ऑस्ट्रेलिया राउंड ऑफ 32 में पहुंचा

सैंटा क्लारा (कैलिफोर्निया) (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड 2026 का रोमांच अपने चरम पर है. फुटबॉल प्रेमियों को हर दिन नए-नए रिकॉर्ड देखने को मिल रहे हैं. इसी सिलसिले में आज 26 जून को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्त्र के मुकाबलों में नीदरलैंड्स टेबल टॉपर के तौर पर नॉकआउट स्टेज में पहुंच गया है, जबकि जापान और स्वीडन ने एक हाई-प्रेशर मैच में 1-1 से ड्रॉ किया, जिससे दोनों टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंच गईं।

बता दें, ग्रुप डी की टीमों के मैच भी पूरे हो गए, जिसमें यूएसए और ऑस्ट्रेलिया ने क्वालीफाई किया है. जापान ने राउंड ऑफ 32 में ब्राजील के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर मुकाबला तय किया है।

नीदरलैंड्स ग्रुप एफ में टॉप पर, जापान और स्वीडन नॉकआउट में आगे बढ़े

नीदरलैंड्स ने गुरुवार को बारिश से प्रभावित मैच में ट्यूनीशिया पर 3-1 से आसान जीत दर्ज की और राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ने के लिए तैयार है. ब्रायन ब्रॉबी और जान पॉल वैन हेके ने एक-एक गोल किया, जबकि एलीस स्कीरी ने एक गोल किया. ट्यूनीशिया के लिए हेजम मस्तूरी ने एक गोल किया।

वहीं, दूसरी तरफ, जापान ने स्वीडन के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला और दोनों टीमों ने नॉकआउट में जगह पक्की कर ली. जापान के लिए डाइजेन माएडा ने एक गोल किया, जबकि स्वीडन के लिए एंथनी एलंगा ने एक गोल किया. जापान लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ रहा है और 2002 में को-होस्ट के तौर पर राउंड ऑफ 16 में पहुंचने के बाद से सात कोशिशों में पांचवीं बार ऐसा हुआ है. खास बात यह है कि इतिहास में यह पहली बार है जब जापान किसी एक वर्ल्ड कप एडिशन के ग्रुप स्टेज में बिना हारे रहा है।

ऑस्ट्रेलिया नॉकआउट में

ग्रुप स्टेज के पहले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद यूएसए को बड़ा झटका लगा, क्योंकि उसे तुर्की के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा. इस रोमांचक मुकाबले में तुर्की के लिए अर्दा गुलर (10), ओरकुन कोकचू (31) और कान अयहान (90+8) ने गोल किए, जबकि यूएसए के लिए ऑस्टन ट्रस्टी (3) और सेबेस्टियन बेरहाल्टर (49) ने गोल किए।

डिफेंडर ऑस्टन ट्रस्टी के गोल के साथ, यह मौजूदा एडिशन सबसे ज्यादा गोल करने वाला टूर्नामेंट बन गया, जिसने कतर में 2022 एडिशन में बनाए गए 172 गोल के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया. सेबेस्टियन बरहाल्टर एक ही वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी भी बने. अर्डा गुलर सिर्फ 21 साल और 120 दिन की उम्र में वर्ल्ड कप में तुर्की के लिए गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

के शुरुआती दौर में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट की चुनौती

लंदन (एजेंसी)। सात बार की विम्बलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी।

सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा

उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नये चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था। पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप: राधा की खतरनाक गेंदबाजी, शेफाली की शानदार बल्लेबाजी,

भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

मैनचेस्टर (एजेंसी)। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच में भारत ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हरा दिया. 137 रनों के लक्ष्य को भारत ने ओपनर शेफाली वर्मा की तूफानी हाफ सेंचुरी की बदौलत 19 गेंदें और 5 विकेट शेष रहते हुए हासिल कर लिया।

आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने आक्रामक शुरुआत की और बांग्लादेश के गेंदबाजों को जमने का मौका नहीं दिया. छह ओवर के बाद भारत का स्कोर 63/1 था, जो महिला टी 20 वर्ल्ड कप के इतिहास में उनका अब तक का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर था. पिछला रिकॉर्ड 59 रन का था, जो इसी टूर्नामेंट में नीदरलैंड्स के खिलाफ बना था. स्मृति मंधाना ने छह गेंदों पर आठ रन बनाकर आउट हुईं।

सातवें ओवर में शेफाली ने सिर्फ 29 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. यह महिला टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाया गया दूसरा सबसे तेज अर्धशतक था. उसके बाद शेफाली 34 गेंदों पर शानदार 53 रन बनाकर आउट हो गईं, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था।

उसके बाद यास्तिका ने 18 गेंदों में तीन बाउंड्री की मदद से 23 रन बनाए, लेकिन 12वें ओवर में आउट हो गईं. अगले ओवर में राबेया खान ने फिर से सफलता हासिल की और ऋचा घोष को 10 रन पर एलीडब्ल्यू आउट कर दिया. इन विकेटों से भारत की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई. जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर को जमने में थोड़ा समय लगा क्योंकि बांग्लादेश ने कुछ कसी हुई गेंदबाजी करके दबाव बनाने की कोशिश की।

आखिरकार, जेमिमा ने 16वें ओवर में एक छक्का लगाकर दबाव तोड़ा और फिर कुछ और रन बनाकर भारत को जीत के करीब पहुंचाया. इसके बाद उन्होंने अगले ओवर में लगातार दो बाउंड्री लगाईं और 15 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट होने से पहले लगभग जीत पक्की कर दी थी. उनकी शानदार पारी में तीन चौके और एक छक्का शामिल था।जीत के लिए बस कुछ ही रनों की जरूरत थी, जिसे हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा ने पूरा किया. भारत ने 16.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और पांच विकेट से आसान जीत दर्ज की।

इससे पहले, बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम ने 136/8 का स्कोर बनाया. उनकी पारी ओपनर जुएरिया फिरदौस और कप्तान निगार सुल्ताना के अहम योगदान पर टिकी थी.

श्री चरणी की ऐतिहासिक उपलब्धि

नम्बर 1 खिलाड़ी बनी

ये मेरी प्राथमिकता नहीं हैं: श्रीचरणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर श्री चरणी ने दुनिया की नंबर 1 टी20 इंटरनेशनल गेंदबाज बनने के बाद कहा कि टॉप-रैंक पर होना फिलहाल उनकी प्राथमिकता नहीं है। इसके बजाय वह पूरी तरह से मौजूदा आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप पर ध्यान दे रही हैं, जहां वह टूर्नामेंट के एक ही एडिशन में बनाए गए 10 विकेट के भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

चरणी ने जियोस्टार पर कहा, सच कहूं तो, अभी मेरा पूरा ध्यान वर्ल्ड कप पर है। हम टूर्नामेंट के बीच में हैं, और मेरे लिए यही मायने रखता है। मैं नंबर वन अ20ढ्ढ गेंदबाज बनने या किसी व्यक्तिगत रैंकिंग के बारे में नहीं सोच रही हूं। ये चीजें

भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान यह बाएं हाथ की स्पिनर टूर्नामेंट के एक ही एडिशन में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज भी बनीं।

21 साल की इस खिलाड़ी ने बांग्लादेश की पारी के 20वें ओवर में यह उपलब्धि हासिल की, जब उन्होंने शोर्ना अख्तर को आउट करके टूर्नामेंट में अपना 11वां विकेट लिया। इसके साथ ही उन्होंने पूनम यादव के 2020 एडिशन में अच्छी तो हैं, लेकिन फिलहाल मेरी प्राथमिकता नहीं हैं। मैं बस अपनी गेंदबाजी पर ध्यान देना चाहती हूं, अपनी योजनाओं पर टिके रहना चाहती हूं, टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं और वर्ल्ड कप जीतना चाहती हूं। अगर मैं ऐसा करती रही, तो बाकी सब अपने आप हो जाएगा।

बांग्लादेश के खिलाफ अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने चीजों को सरल रखा; मैंने कुछ भी एक्स्ट्रा करने की कोशिश नहीं की और उस पर ध्यान दिया जिसकी मैंने प्रैक्टिस की थी।

बांग्लादेश पर जीत के बाद हरमनप्रीत ने जताई चिंता

मैनचेस्टर (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ 5 विकेट से आसान जीत के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने खुशी जताई, लेकिन साथ ही माना कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग चिंता का एक बड़ा विषय है। गुरुवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत ने 137 रन का लक्ष्य 16.5 ओवर में हासिल कर लिया। इसमें शैफाली वर्मा की 34 गेंदों पर 53 रनों की तूफानी पारी का अहम योगदान रहा जबकि गेंदबाजों ने बांग्लादेश को 136/8 पर रोक दिया था।

इस जीत से भारत का अभियान सही रास्ते पर बना रहा और नेट रन रेट में भी सुधार हुआ। हरमनप्रीत ने माना कि मैच से पहले टीम की योजना में यह शामिल था। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छी जीत है। हम इसी की तलाश में थे। अच्छी बात यह है कि हमने मैच को जल्दी खत्म करने के बारे में सोचा था, और भले ही इसमें थोड़ा समय लगा, फिर भी मुझे लगता है कि हमने मैच को दो-तीन ओवर रहते ही खत्म कर दिया। इसलिए मुझे लगता है कि यह हमारे लिए एक अच्छी बात है। नतीजे से खुश होने के बावजूद भारतीय कप्तान ने माना कि टीम के अगले मैच से पहले अभी भी काफी काम करने की जरूरत है, खासकर फील्डिंग में। बांग्लादेश को एक काबू में रहने लायक स्कोर पर रोकने के बावजूद भारत ने पारी के दौरान कई कैच छोड़े, जिससे बांग्लादेशी बल्लेबाजों को अपनी साझेदारी बढ़ाने और कीमती रन बनाने का मौका मिला। टूर्नामेंट के दौरान कैच छोड़ने की समस्या बार-बार सामने आई है और हरमनप्रीत चाहती हैं कि उनकी टीम जल्द ही इस पर ध्यान दे। उन्होंने कहा, मैं कई चीजों के बारे में सोच रही हूं, लेकिन फील्डिंग एक ऐसी चीज है जिस पर हम बहुत मेहनत कर रहे हैं।

यूएस ओपन बैडमिंटन

किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर में

● ली जी जिया से होगी बड़ी टक्कर

यूएस (एजेंसी)। पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहले दौर में भारत के ही दयानंद सनीथ को सीधे गेमों में 21-14, 21-12 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। महज 30 मिनट में मिली इस जीत के साथ 33 वर्षीय श्रीकांत ने अगले दौर का टिकट कटाया, जहां उनका सामना मलेशिया के स्टार खिलाड़ी ली जी जिया से होगा।

भारतीय चुनौती की अगुआई कर रहे हैं श्रीकांत- लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से ऐन वक्त पर हटने के बाद किदांबी श्रीकांत भारतीय एकल खिलाड़ियों में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। ऐसे में उनसे टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

रौनक चौहान का शानदार प्रदर्शन जारी- पुरुष एकल में रौनक चौहान ने भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। उन्होंने हमवतन शंकर सुब्रमण्यम को 23-21, 21-16 से हराया। रौनक ने मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए पहले दो क्वालिफाइंग मुकाबले भी जीते थे और अब उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है।

महिला एकल में मिली-जुली रही भारत की शुरुआत- महिला एकल वर्ग में भारत को कुछ निराशा भी हाथ लगी।

एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप 2026

भारतीय पुरुष फ़ॉइल टीम ने एशियन गेम्स के लिए किया क्वालिफाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में भारतीय पुरुष फ़ॉइल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स के लिए सीधा क्वालिफिकेशन हासिल कर लिया। टीम प्रतियोगिता में भारत आठवें स्थान पर रहा, जो आगामी एशियाई खेलों में जगह बनाने के लिए पर्याप्त साबित हुआ।

पुरुष फ़ॉइल टीम ने दिलाया क्वालिफिकेशन- सचिन, सनासम हेमाश सिंह, तेजस मनोज पाटिल और आदित्य की भारतीय चौकड़ी ने पुरुष फ़ॉइल टीम स्पर्धा में आठवां स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के दम पर भारत ने एशियन गेम्स के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया, जो भारतीय तलवारबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

महिला एपी टीम नौवें स्थान पर रही- महिला एपी टीम में प्राची लोहान, तनिष्का खत्री, मितवा जेसंगभाई चौधरी और यशकीरत कौर हायर शामिल थीं। भारतीय टीम ने प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन करते हुए नौवां स्थान हासिल किया।

दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी से मिलेगी राहत, दोपहर बाद मौसम बदलने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में चल रही भीषण गर्मी और लू के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बड़ी राहत भरी खबर दी है. मौसम विभाग ने आज 21 राज्यों में भारी बारिश, गरज-चमक के साथ आंधी और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है. दिल्ली में कल गुरुवार को ज्यादातर इलाकों में दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तीखी और तेज हो गई. हालांकि, बीच-बीच में बादलों की आवाजाही होती रही. मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.6 डिग्री ज्यादा है. न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम है. आर्द्रता का स्तर 42 से 92 फीसदी तक रहा. मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री के बीच रहेगा. न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार 29, 30 जून और 1 जुलाई को दिल्ली-एनसीआर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे. दोपहर या शाम के समय आंधी-तूफान, बिजली कड़कने के साथ हल्की बारिश देखी जा सकती है. हवा की स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है. 29 और 30 जून को दिल्ली में अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सिसय रिकॉर्ड किया जा सकता है. केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड के अनुसार राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह 7 बजे तक औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक 127 अंक पर बना हुआ है, जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 108, गुरुग्राम में 133, गाजियाबाद में 115, ग्रेटर नोएडा में 122 और नोएडा में 118 अंक पर बना हुआ है. राजधानी दिल्ली के अधिकांश इलाकों में आईक्यू लेवल 100 से ऊपर और 200 के बीच में बना हुआ है. जबकि कुछ इलाकों में आईक्यू लेवल 100 से नीचे बना हुआ है.

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गैंगस्टर शब्बीर चौधरी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यमुनापार और उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हत्या, रंगदारी और गैंगवार जैसी वारदातों को अंजाम देने वाले संगठित अपराध सिंडिकेट के सरगना गैंगस्टर शब्बीर अली उर्फ शबीर चौधरी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है. शबीर अप्रैल 2025 से स्पेशल सेल के मामले में फरार चल रहा था. उसकी गिरफ्तारी हरियाणा के शंभू बॉर्डर से की गई. पुलिस के अनुसार, शबीर चौधरी-हाशिम बाबा-अनवर चाचा गैंग के संगठित अपराध का मुखिया है. यह गिरोह सीलमपुर, मौजपुर, भजनपुरा, शाहदरा समेत पूरे ट्रांस-यमुना क्षेत्र और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय रहा है. गैंग के सदस्य हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, जमीन कब्जाने और अन्य संगीन अपराधों में शामिल रहे हैं. पुलिस का दावा है कि इस सिंडिकेट के कुछ सदस्य नेपाल और दुबई से भी नेटवर्क संचालित कर रहे थे. स्पेशल सेल की टीम ने खुफिया सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर शबीर को दबोचा. उसके कब्जे से एक कार और एक स्कूटी बरामद की गई है.मामले में गैंग के नौ अन्य सदस्य पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं. पुलिस के अनुसार, शबीर मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का रहने वाला है और 1990 के दशक से अपराध की दुनिया में सक्रिय है.

इलाज में बरती जा रही गंभीर लापरवाही की शिकायतों पर एक्शन की तैयारी है

फोर्टिस अस्पताल पर मरीज के इलाज में गंभीर लापरवाही के आरोप, सीएम रेखा गुप्ता के आदेश पर अब होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। शालीमार बाग स्थित फोर्टिस अस्पताल में अनियमितताएं और मरीजों के इलाज में बरती जा रही गंभीर लापरवाही की शिकायतों पर एक्शन की तैयारी है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अस्पताल के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद गुरुवार को विभिन्न विभागों की टीम ने अस्पताल की जांच की और वहां कई अनियमितताएं पाई. शासन ने फोर्टिस अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय लिया है. विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार की जा रही है. गौरतलब है कि हाल ही मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में सुनवाई के दौरान एक परिवार ने मुख्यमंत्री को शिकायत की थी कि शालीमार बाग क्षेत्र में उनके बेटे सुनील झा को चाकू मारकर घायल कर दिया गया था. उनके बेटे को फोर्टिस अस्पताल ले जाया गया. पिता मिथलेश झा ने आरोप लगाया कि अस्पताल ने उसका इलाज करने से पहले उनसे धनराशि की मांग की. त्वरित व सही समय पर इलाज न मिल जाने पर उनके बेटे की मौत हो गई. इस घटना से आहत मुख्यमंत्री ने अस्पताल में बरती जा रही अनियमितताओं व मरीजों के इलाज में बरती जा रही गंभीर लापरवाही को देखते हुए जांच के आदेश जारी किए थे. गुरुवार को मध्य-उत्तरी जिला के डीएम एसएस परिहार के नेतृत्व ने स्वास्थ्य, नगर निगम, अग्निशमन व अन्य विभागों ने अस्पताल की जांच की. इस दौरान उन्हें कई शिकायतें मिलीं. बिल्डिंग बायलॉज का दुरुपयोग, अवैध निर्माण, आग बुझाने के सिस्टम में गड़बड़ी, बेसमेंट का मिसयूज और चिकित्सीय नियमों के लिए बनाई गई एसओपी में भी गंभीर लापरवाही भी पाई गई.

टीम ने सीसीटीवी फुटेज की जांच कर पाया कि जो युवक चाकू लगने से मारा गया था, वह खुद चलकर इमरजेंसी में पहुंचा था. इससे यह अहसास होता है कि अगर उसका सही समय पर इलाज होता तो उसकी जान बच जाती. टीम ने इमरजेंसी विभाग के रिकॉर्ड की भी जांच की है. डीएम के अनुसार इन अनियमितताओं व मरीजों के इलाज में बरती गई लापरवाही को ध्यान में रखते हुए अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय लिया गया है. जांच की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है.

अब हर महीने के दूसरे शनिवार और सभी रविवार को होगा ट्रैफिक चालानों का निपटारा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सभी ज़िला अदालतों में समझौते योग्य सभी चालानों का निपटारा हर महीने के दूसरे शनिवार और सभी रविवार को वीकेंड ट्रैफिक कोर्ट में किया जाएगा. यह वीकेंड ट्रैफिक कोर्ट नाम से एक नई पहल शुरू की गई है. इसका समय सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक किया जाएगा. एक दिन में किसी एक गाड़ी के ज़्यादा से ज़्यादा 20 चालान डाउनलोड किए जा सकते हैं. उल्लंघनकर्ता अपनी सुविधा के अनुसार चालान डाउनलोड करते समय कोर्ट कॉम्प्लेक्स, पेशी की तारीख और समय (सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक या दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक) चुन सकते हैं. उल्लंघनकर्ताओं को चयनित तिथि और समय पर संबंधित न्यायालय परिसर (उनके चयन के अनुसार) में जाना होगा और अपने चालय निपटारे के लिए संबंधित न्यायाधीश के समक्ष चालान पर्ची का प्रिंट आउट प्रस्तुत करना होगा. नई दिल्ली जिले की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (मुख्यालय) अंजू बजाज चांदना द्वारा सभी जिला अदालतों इसके लिए आदेश जारी कर दिया गया है. लोक अदालत में एक गाड़ी के एक बार में सिर्फ पांच ही चालान डाउनलोड किए जा सकते थे. इससे ज्यादा चालान वाली गाड़ियों के चालानों का निपटारा कराने में लोगों को कई महीने लग जाते थे. लेकिन, अब वीकेंड ट्रैफिक कोर्ट में एक गाड़ी के एक दिन में 20 चालान डाउनलोड करने तक की छूट देने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी.

90 लाख की चोरी और ब्लाइंड मर्डर केस का पुलिस ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। करोल बाग के बीडनपुरा स्थित एक मोबाइल थोक व्यापारी की दुकान में हुई 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का दिल्ली पुलिस ने कुछ ही घंटों में पर्दाफाश कर दिया. मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 84 लाख रुपये नकद, चोरी किए गए मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया है. चौंकाने वाली बात यह है कि वारदात का मास्टरमाइंड दुकान का ही भरोसेमंद कर्मचारी निकला. जॉइंट पुलिस कमिश्नर मधुर वर्मा के अनुसार, 24 जून को दुकान मालिक ने शिकायत दी कि रात के दौरान उसकी दुकान से करीब 90 लाख रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन और सीसीटीवी सिस्टम का डीवीआर चोरी हो गया है. सूचना मिलते ही करोल बाग थाना पुलिस, क्राइम टीम और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और कर्मचारियों से पूछताछ के दौरान पुलिस को शक हुआ कि वारदात में किसी अंदरूनी व्यक्ति का हाथ है. जांच आगे बढ़ने पर दुकान के कर्मचारी रवि उर्फ महिपाल और उसके साथियों अंश, मनीष और दीपांशु की भूमिका सामने आई. पूछताछ में खुलासा हुआ कि रवि दुकान बंद करने और चाबियों की जिम्मेदारी संभालता था. उसे पता था कि दुकान में बड़ी मात्रा में नकदी रखी जाती है. उसने अपने साथियों के साथ मिलकर चाबी की डुप्लीकेट तैयार करवाई और चोरी की साजिश रची. 23-24 जून की रात आरोपी बिना ताला तोड़े डुप्लीकेट चाबी से दुकान में दाखिल हुए और नकदी, मोबाइल फोन तथा डीवीआर लेकर फरार हो गए. चोरी के बाद रवि खुद को निर्दोष दिखाने के लिए अगले दिन सामान्य कर्मचारी की तरह दुकान पहुंच गया. डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि करोल बाग थाना पुलिस और सेंट्रल जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने समन्वित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में मामले का खुलासा कर दिया. आरोपियों से पूछताछ के आधार पर शेष रकम और अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है. वही, दूसरे केस में दिल्ली पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस और स्पेशल स्टाफ ने एक सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर केस का पर्दाफाश करते हुए तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है. पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल दो चाकू और आरोपियों के कपड़े भी बरामद किए हैं. डीसीपी रोहिणी शशांक जायसवाल के अनुसार 23 जून 2026 को बेगमपुर थाना क्षेत्र के पंसाली रोड पर एक व्यक्ति के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी.

दिल्ली के बवाना में युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, संगम विहार में पत्नी की गोली मारकर हत्या, पति फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बवाना थाना इलाके के पुठ खुर्द गांव में दिनदहाड़े एक युवक की गोलियों से भूनकर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. वारदात को अंजाम देने के लिए पहले से घात लगाए बैठे हथियारबंद हमलावरों ने युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. जानकारी के मुताबिक मृतक युवक की पहचान 22 वर्षीय केशव के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि केशव पर करीब 4 से 5 हमलावरों ने अचानक हमला किया. हमलावरों ने उस पर कई राउंड गोलियां चलाई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मौके पर करीब 8 से 10 राउंड फायरिंग की आवाज सुनाई दी. इस गोलीबारी में केशव को करीब 5 से 6 गोलियां लगीं, जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया. घटना के तुरंत बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात की सूचना मिलते ही बवाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके. प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि हत्या के पीछे आपसी रंजिश हो सकती है. बताया जा रहा है कि मृतक के परिवार में पहले भी कई हत्याएं हो चुकी हैं, जिसके चलते पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है।

डीआरडीओ की स्मार्ट बाइक एंबुलेंस 'रक्षिता' तैयार, अब तंग गलियों में भी मरीजों को मिलेगी मेडिकल हेल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने 'रक्षिता' नाम की एक विशेष बाइक एंबुलेंस विकसित की है. इसकी खास बात यह है कि जिन इलाकों में एंबुलेंस की सुविधा नहीं पहुंच सकती वहां से गंभीर मरीजों को निकालने में यह सक्षम है. दूसरे शब्दों में संकरी गलियों और आपदा क्षेत्रों में यह काफी उपयोगी साबित होगी. यह बाइक ऑक्सीजन सपोर्ट, ईसीजी मॉनिटरिंग और अन्य हेल्थ पैरामीटर से लैस है, साथ ही यह एंबुलेंस कम लागत में तेज और सुरक्षित मेडिकल सहायता उपलब्ध कराने का दावा करती है. इस बाइक एंबुलेंस को भारत मंडपम में आयोजित इंटरनेशनल पुलिस एक्सपो में प्रदर्शित किया गया. अभी तक जिन एंबुलेंस का इस्तेमाल हो रहा था वह चार पहिया एम्बुलेंस संकरे रास्ते और पतली गलियों में नहीं जा पाती थी. इस समस्या को देखते हुए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बाइक एंबुलेंस को डिजाइन किया है. इस बाइक एंबुलेंस को इस तरीके से तैयार किया गया है कि उस पर मरीज को आसानी से बिठाकर सुरक्षित तरीके से अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाया सकता है. इस एंबुलेंस को रक्षिता नाम दिया गया है. यह बाइक एम्बुलेंस मरीज की देखभाल के लिए जितने पैरामीटर की जरूरत होती है, उन सभी पैरामीटर से लैस है. ऑक्सीजन लेवल, ईसीजी अपडेट सहित सारे हेल्थ पैरामीटर को इसमें लगाई गई स्क्रीन पर आसानी से देख सकते हैं. साथ ही बाइक एंबुलेंस की चेयर के नीचे एक छोटा सा ऑक्सीजन का सिलेंडर भी रहता है.

वेनेजुएला में भूकंप के बाद तबाही का मंजर; मलबे में अपनों को ढूंढ रहे लोग; हजारों लापता

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में गुरुवार तड़के आए 2-2 ताकतवर भूकंप के बाद तबाही का मंजर पसरा हुआ है। हजारों लोग लापता है जिनकी खोज जारी है। घायल और परेशान लोग मलबे के ढेरों में अपनों की तलाश कर रहे हैं। वहीं सैकड़ों लोगों ने पार्क, पार्किंग और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताई। दूसरी तरफ अब तक 188 मौतों की पुष्टि हो चुकी है और यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। राहत दल बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप से कई प्रांतों में भारी नुकसान हुआ है और कई इमारतें ढह गईं। ये भूकंप एक सदी से भी अधिक समय में वेनेजुएला में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से हैं। अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के बाद देशभर में हजारों लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी काराकस के उत्तर में स्थित ला गुएरा के तटीय इलाके में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया गया है।

अपनों की तलाश में बिलख रहे लोग

उत्तरी वेनेजुएला के शहरों में इस वक्त चीख-पुकार और मातम का माहौल है। मलबे से धूल और खून से सने लोगों, बच्चों और बेजुबान जानवरों को निकाला जा रहा है। वेनेजुएला के सरकारी टीवी पर दिखाए गए वीडियो में एक जगह सीमेंट के भारी-भरकम स्लैब के नीचे एक महिला दबी हुई थी, जिसका सिर्फ एक नंगा पैर बाहर दिखाई दे रहा था। रेस्क्यू टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे जिंदा बाहर निकाला।

मलबे के पास खड़ी डायना डेलगाडो ने रोते हुए प्रशासन पर गुस्सा निकाला, 'सरकार ने जिस भारी मशीनरी का वादा किया था, वो कहां है? हमारे पड़ोसी खुद हाथों से मलबा खोद रहे हैं। मेरा 8 साल का बेटा लापता है, मुझे नहीं पता वो मलबे में है या किसी शेल्टर होम में।' एक अन्य जगह पर एक मां अपने 3 और 10 साल के बच्चों के शवों को कंबल में लिपटे देख रो पड़ी।

अब तक 235 की मौत: इस बीच वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को कहा है कि भूकंप में कम से कम 235 लोगों की मौत हो गई और 4300 से अधिक लोग घायल हो गए। इससे फलद रॉड्रिगेज ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए आपातकाल की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि स्कूलों को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है और कुछ स्कूल भवनों का इस्तेमाल राहत शिविरों और सहायता केंद्रों के तौर पर किया जाएगा।

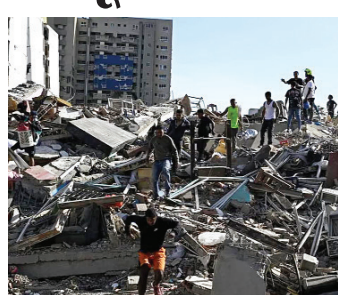

'ला गुएरा' बना डिजास्टर जोन

राजधानी काराकास के उत्तर में स्थित तटीय क्षेत्र ला गुएरा इस आपदा का सबसे बड़ा शिकार बना है। एक रिटायर्ड शिक्षक जुआन अल्बर्टो ने बताया कि वे मलबे के बीच से गुजर रहे थे, जहां हर तरफ लाशें थीं। तभी उन्हें एक दबी हुई महिला दिखी जो हाथ हिलाकर मदद मांग रही थी, लेकिन संसाधन न होने के कारण वे बेबस थे। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में ला गुएरा में एक अस्पताल के बाहर दर्जनों लोगों का इलाज होते हुए देखा जा सकता है, इनमें से कुछ जमीन पर लेटे थे और कुछ बिस्तरों पर थे। देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ला गुएरा में ही है, जो भूकंप के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गया है।

शांति बहाल करने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे

ईरान और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह बातचीत फिर शुरू होने की उम्मीद, पाकिस्तान बना गारंटर

वाशिंगटन , एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अगले सप्ताह फिर से शुरू होने की उम्मीद है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि सभी पक्ष बातचीत के लिए तैयार हैं और प्रक्रिया जारी है। अमेरिका और ईरान ने पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

दोनों देशों ने स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में बातचीत की थी। पाकिस्तान ने इस समझौता ज्ञापन पर 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद दोनों पक्ष 60 दिनों में अंतिम शांति समझौते की दिशा में एक रूपरेखा पर सहमत हुए। अंद्राबी के हवाले से जारी बयान में बताया गया कि बातचीत जारी है। मेरा मानना है कि बातचीत अगले सप्ताह, संभवतः मंगलवार को फिर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, 22 जून की बातचीत के लिए हमारा प्रतिनिधिमंडल बर्गेनस्टॉक में मौजूद था। जहां तक मैं जानता हूं, जब अगले सप्ताह बातचीत फिर से शुरू होगी, तब भी हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहेगा। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना एक सकारात्मक घटनाक्रम है। अमेरिका और ईरान ने हालांकि अब तक बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

पश्चिम एशिया में तनाव में एक के बाद एक आ रहे अड़ंगों के बीच और एक स्थायी समाधान खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में हाई-लेवल डिप्लोमेसी शुरू हो गई है। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'एक्सियोस' (×द्वश्ह्य) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन (रूश्च) के तहत पहले दौर की तकनीकी बातचीत संपन्न हो गई है। इस दौरान लेबनान में सीजफायर बनाए रखने, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को खुला रखने और संभावित परमाणु समझौते के प्रमुख पहलुओं पर गहन चर्चा हुई।

बांग्लादेशी राष्ट्रपति से मिले हाई कमिश्नर, 'टेबल ऑफ प्रिसिडेंस' में मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को ढाका स्थित बंगभवन में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना परिचय पत्र सौंपकर औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। इस मौके पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक चुस्त-दुरुस्त टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। परिचय पत्र सौंपने के बाद दिनेश त्रिवेदी ने राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के रिश्तों, सीमा से जुड़े मुद्दों और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद राष्ट्रपति के प्रेस सचिव मो. सरवर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति ने नए भारतीय हाई कमिश्नर का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनका कार्यकाल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को और मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के लोगों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। राष्ट्रपति ने इस साल फरवरी में हुए आम चुनावों के बाद बनी नई लोकतांत्रिक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की मौजूदगी को भी याद किया और उसके लिए भारत के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश का करीबी पड़ोसी, महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और विकास सहयोगी है। बांग्लादेश भारत के साथ सम्मानजनक, संतुलित और भविष्य को ध्यान में रखकर साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पर दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि दोनों संप्रभु देशों के बीच स्वाभाविक रूप से मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और भारत इन्हें और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की रेप के बाद निर्मम हत्या, 12 संदिग्धों की जांच

कराची , एजेंसी। कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की हत्या का यह दर्दनाक मामला पूरे देश में हलचल मचा रहा है। कराची में एक 3 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी और हत्या की गई है। दोपहर में घर से बाहर खेलने गई यह मासूम बच्ची उसी शाम एक बोरे में मृत पाई गई। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में बहुत ज्यादा शोक और गहरा गुस्सा फैला हुआ है। बच्ची का शव कराची के मुस्लिमबाद में मुस्तफा मस्जिद के पास उसी की गली में मिला। शव को एक बोरे में बंद करके मासूम बच्ची के घर की गली के मेन गेट पर फेंका गया था। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में हिंसक बलात्कार की पुष्टि भी कर दी है। इस भयानक मामले ने सुरक्षा व्यवस्था और समाज की मानसिकता पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस दिल दहला देने वाले मामले में सबसे शर्मनाक बात यह है कि आरोपी कोई करीबी हो सकता है। पुलिस को गहरा शक है कि इस मासूम बच्ची का गुनाहगार उसका अपना ही कोई करीबी रिश्तेदार है। केस हैंडल करने वाले डॉ. सैयद ने इसे अपने मेडिकल करियर का सबसे डरावना मामला बताया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ ऐसे अपराध हमेशा ही बेहद डरावने और बहुत परेशान करने वाले होते हैं। सिंध के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जावेद आलम ओधो ने इस घटना की तुरंत जांच के कड़े आदेश दिए हैं। उन्होंने इस जघन्य अपराध की गहराई से जांच के लिए एक बहुत ही हाई-लेवल टीम का गठन किया है।

बोकारो में शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में निकला मुहर्रम का जुलूस

मुहर्रम पर बोकारो बना सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल, पुलिस की चाक-चौबंद सुरक्षा में शांतिपूर्ण जुलूस

ताजिया जुलूस में उमड़ा जनसैलाब, बोकारो में अमन और एकता का दिखा शानदार नजारा

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बना बोकारो, मुहर्रम जुलूस में सभी समुदायों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में मुहर्रम का पर्व पूरे शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निकाले गए ताजिया जुलूसों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। खास बात यह रही कि सभी धर्मों के लोगों ने एक-दूसरे के साथ मिलकर मुहर्रम में सहभागिता निभाई और सामाजिक एकता की मिसाल पेश की। जिले के संवेदनशील इलाकों में पुलिस और प्रशासन की ओर से चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। जगह-जगह पुलिस बल, दंडाधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी तैनात रहे। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी जुलूसों पर नजर रखी गई, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ताजिया जुलूस के दौरान युवाओं ने पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया, जबकि लोगों ने एक-दूसरे को शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। पूरे आयोजन में प्रशासन और स्थानीय नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। मुहर्रम के अवसर पर बोकारो ने एक बार फिर यह साबित किया कि विविधता में एकता ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। पूरे जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि मनाई गई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्र जननायक एवं स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती जी की पुण्यतिथि स्वामी सहजानंद सरस्वती बीएड कॉलेज बोकारो के प्रांगण में बीएड कॉलेज में मनाई गई। बीएड कॉलेज के निदेशक राम कृष्णा कुमार ने कहा कि स्वामी जी भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और अखिल भारतीय किसान आंदोलन के जनक थे।

उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जमींदारों के अत्याचारों के खिलाफ किसानों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया एवं उन्हीं के नैतिक मूल्यों पर बोकारो में यह संस्थान चल रहा है।बीएड कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर एस एन पाठक ने कहा कि स्वामी जी आदर्शों को हमलोगों को अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए जिससे कि समाज का विकास हो सके। इस कार्यक्रम में कॉलेज के ऑर्डिनेटर उदय कुमार कॉलेज एवं स्कूल के कर्मचारी राजीव कुमार, डॉ चंदना बनर्जी, रंजीता सिन्हा अलका कुमारी, मंजू कुमारी, कुंदन कुमार, रेखा शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, सुनील कुमार मेहता, महेश कुमार, विक्रम शर्मा, भूतनाथ, सुनील कुमार ,प्रमोद कुमार पाठक एवं अन्य स्टाफ मौजूद थे।

शास्त्रीय गायक पंडित अजय चक्रवर्ती 21 नवंबर 2026 को बोकारो में अपनी गायकी से बांधेंगे समां

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आई.टी.सी.संगीत रिसर्च अकादमी, कोलकाता एवं भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो स्टील सिटी के संयुक्त तत्वाधान में 21 नवंबर 2026 को बोकारो में विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पद्म भूषण पंडित अजय चक्रवर्ती अपने गायन की प्रस्तुति देने आ रहे हैं। यह जानकारी साझा करते हुए बोकारो के प्रसिद्ध तबला वादक एवं भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो के सचिव डॉ. राकेश रंजन ने कहा कि बोकारो के लिए वह क्षण गौरव का होगा जब पंडित अजय चक्रवर्ती जी का बोकारो आगमन होगा। पंडित अजय चक्रवर्ती ख्याल और ठुमरी के अलावा टप्पा, भजन, कीर्तन, गजल और आधुनिक गीत भी गाते हैं। उनका गाया फिल्म गदर का गीत 'आन मिलो सजना..' काफी लोकप्रिय हुआ था। वर्ष 2020 में पद्म भूषण, 2011 में पद्म श्री, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, और 2015 का तानसेन सम्मान उन्हें प्राप्त हो चुके हैं।

राष्ट्रीय महादलित एकता संघ द्वारा तीन दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन

धनबाद /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय महादलित एकता संघ, केंद्रीय कमेटी धनबाद के तत्वावधान में पुलिस लाइन क्लब, जगजीवन नगर मैदान में तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं जनता मजदूर संघ के महामंत्री गुड्डू सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने की अपील की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महादलित एकता संघ के संस्थापक अविनाश हाड़ी, देवा बासफोर, सोनू हाड़ी, बिरजू बासफोर, हिमांशु कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वक्ताओं ने कहा कि खेल आपसी भाईचारा, अनुशासन और सामाजिक एकता को मजबूत करता है तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। संगठन की ओर से निर्णय लिया गया कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच देने के लिए प्रत्येक वर्ष इस तरह की फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में संगठन के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

नशा मुक्ति अभियानः नुक्कड़ नाटक के जरिए आमजनों और युवाओं को किया गया जागरूक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। निषिद्ध मादक पदार्थों के खिलाफ जारी नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला जनसंपर्क कार्यालय, बोकारो के सहयोग से आज बेरमो प्रखंड के तीन प्रमुख स्थानों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सहयोगिनी संस्था के समन्वयक रवि कुमार राय ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृत टीम द्वारा नशा मुक्ति के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज बेरमो प्रखंड के करगली बाजार, फुसरो और बेरमो में नुक्कड़ नाटक टीम ने अपनी प्रस्तुति दी। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने नशा करने से स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर पड़ने वाले घातक और कुप्रभावों की जीवंत जानकारी दी। साथ ही, आकर्षक गीत-संगीत के जरिए विशेषकर युवा वर्ग और आम लोगों को हर प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील की गई। इस जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में नुक्कड़ नाटक टीम के कलाकार अभय कुमार सिंह, रवि कुमार, मंजू देवी , प्रकाश, तनु, राखी, और कुमारी किरण आदि ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम को स्थानीय लोगों की भी काफी सराहना मिली।

एशियन जालान अस्पताल में युवक की मौत, हंगामा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एशियन जालान अस्पताल में इलाज के दौरान गिरिडीह निवासी 24 वर्षीय युवक मिथलेश पासवान की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मिली जानकारी के अनुसार मिथलेश 20 जून को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें एशियन जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पिछले 6 दिनों से उनका इलाज चल रहा था। परिजनों का कहना है कि मरीज की तबीयत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा था। लेकिन शुक्रवार को अचानक डॉक्टरों ने हालत नाजुक बताई और कुछ ही देर बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना पर धनबाद थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से बात कर उन्हें शांत कराया। पुलिस का कहना है कि परिजनों के आवेदन पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सफाई कर्मियों की हड़ताल से सदर अस्पताल में गंदगी का अंबार

बकाया वेतन भुगतान की मांग को लेकर सफाई कर्मी हड़ताल को विवश, बार बार होता है वेतन भुगतान में विलंब

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो सदर अस्पताल में सफाई व्यवस्था हमेशा सवालों के घेरे में रहती है, लेकिन अगर कोई वेतन नहीं मिलने के कारण सफाई व्यवस्था को बंद कर दे तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? क्योंकि बोकारो सदर अस्पताल में काम करने वाली एजेंसी कमांडो इंडस्ट्रिल सिक्योरिटी फोर्स एजेंसी के कर्मियों ने तीन महीने का वेतन भुगतान नहीं होने के कारण सफाई व्यवस्था को बंद कर दिया। इस दौरान सदर अस्पताल में गंदगी का अंबार लग गया। मरीज गंदगी के बीच इलाज कराने को मजबूर हो गए। जो मरीज ठीक होने के लिए आए थे उनमें

इन्फेक्शन का खतरा बढ़ गया। लेकिन सभी कर्मियों की स्ट्राइक की दुहाई देकर बचते नजर आए। हालांकि एक महीने का वेतन 24 जून को भुगतान कर दिया गया था। अस्पताल में चार दिनों से स्ट्राइक होने के कारण अस्पताल के अंदर वार्ड व आईसीयू की साफ सफाई नहीं होने के कारण गंदगी से बदबू आने लगा अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ नाक में मास्क लगाकर घूमते हुए देखे गए। छोटे-छोटे बच्चे भी इस गंदगी के बीच इलाज करने को मजबूर हुए। कर्मियों का कहना है कि पेट के आगे मानवता काम नहीं करती यह जिम्मेदार पदाधिकारी से पूछने की जरूरत है कि क्यों इस तरह की स्थिति उत्पन्न हो रही है। अस्पताल मैं मरीज लेकर आए उनके परिजनों का कहना है की गंदगी इस कदर है कि बीमा खुद बीमार है अटेंडेंट भी बीमार हो जाए इस पर सरकार का ध्यान होना चाहिए सफाई अस्पताल का एक महत्वपूर्ण विषय है। वहीं सिविल सर्जन डॉक्टर अभय भूषण प्रसाद ने बताया कि पूरे जिले में सफाई व्यवस्था ठीक है लेकिन महज कुछ सफाई कर्मी हमेशा स्ट्राइक पर चले जाते हैं इस कारण इस तरह की स्थिति उत्पन्न होती है कुर्मी स्थानीय नेताओं के झांसे में आते हैं अस्पताल का काम रोक देते हैं। इसके लिए उपायुक्त के माध्यम से सरकार को लिखने का काम करेंगे और कंपनी पर कार्रवाई करने की मांग करेंगे।

नालसा का महाअभियानः 'नशे को ना, जिंदगी को हां'

नशामुक्त समाज के संकल्प के साथ जिले भर में जागरूकता की लहर : न्यायाधीश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा देश को नशे के दलदल से बाहर निकालने के लिए एक राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध और अवैध तस्करी विरोधी दिवस (विश्व ड्रग दिवस) पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर जिले के विभिन्न स्थानों पर नशा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के घातक दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और उन्हें एक स्वस्थ व सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। उपरोक्त बातें मंडल कारा धनबाद में आयोजित कार्यक्रम में अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कही. वहीं, बरवड्डा स्थित नशामुक्ति केंद्र आरोग्य भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने कहा कि नशा विकास और खुशहाली का सबसे बड़ा दुश्मन है, नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। एलएडीसएस के असिस्टेंट सुमन पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि नशे की लत के कारण हंसते-खेलते परिवार बिखर रहे हैं और युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। वहीं जिले के निरसा तोंपचाची, टंडी, गोविंदपुर प्रखंड में भी नशा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।इस बाबत जानकारी देते हुए न्यायाधीश श्री टोपनो ने बताया कि डालसा की टीम द्वारा विभिन्न गांवों, कस्बों, स्कूलों और कॉलेजों में नुक्कड़ नाटकों, रैलियों, और विधिक साक्षरता शिविरों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि नशे जैसी सामाजिक बुराई को केवल सरकारी प्रयासों या कानूनों से खत्म नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज के हर नागरिक को आगे आना होगा। नशे से दूर रहना और दूसरों को इसके प्रति सचेत करना हम सभी की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। नालसा का यह जागरूकता अभियान समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं से आह्वान करता है कि वे नशे को ना कहें और एक स्वस्थ, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदू, जेलर दिनेश वर्मा, डालसा सहायक सौरभ सरकार ,अरुण कुमार ,नशामुक्ति, केंद्र के अध्यक्ष राहुल सिंह, सचिव सुकांतो चक्रवर्ती ट्रस्टी, संजय कुमार सिंह ,सदस्य, उमेश सिंह, अर्जुन पाठक, रति सिंह, राकेश सिंह, पैरालिगल वॉलंटियर, हेमराज चौहान, गीता सिंह, अनामिका सिंह, पूजा झा, लक्ष्मी देवी, पूनम कुमारी, संध्या देवी, सविता कुमारी, सुभाष चंद्र महतो, रूपामणि, कुमारी, जयप्रकाश महतो समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

द्वितीय एन टी पी सी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट 2026 का बोकारो में होगा आयोजन

अगस्त में होने वाली इस प्रतियोगिता में देश भर से 700 तीरंदाज बोकारो में जुटेंगे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो अब देश की तीरंदाजी राजधानी बनने जा रहा है। 18 से 27 अगस्त तक यहां आयोजित होने वाले द्वितीय एन टी पी सी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूनामेंट 2026 का आयोजन बोकारो स्टील सिटी ने होगा। जिसमें देशभर के करीब 700 तीरंदाज अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी बोकारो को मिली है, जिससे जिले की खेल पहचान को नई मजबूती मिलेगी। देश के बेहतरीन तीरंदाज, ओलंपियन और राष्ट्रीय कोच अगस्त महीने में बोकारो में जुटेंगे। भारतीय तीरंदाजी संघ ने द्वितीय एन टी पी सी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट 2026 की मेजबानी बोकारो को सौंपी है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 18 से 27 अगस्त तक मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में आयोजित होगी। बोकारो जिला तीरंदाजी संघ की प्रेसवार्ता में बोकारो जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष डॉ लम्बोदर महतो ने बताया कि

प्रतियोगिता में देशभर से करीब 700 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज हिस्सा लेंगे। सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्ग की रिकर्व और कंपाउंड स्पर्धाओं में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। संघ की महासचिव एंजेला सिंह का कहना है कि इस राष्ट्रीय आयोजन से बोकारो की खेल पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी। साथ ही स्थानीय खिलाड़ियों को देश के शीर्ष तीरंदाजों के साथ खेलने, सीखने और अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। आयोजन समिति के सदस्य निरंजन ने बताया, प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सर्किट हाउस में अधिकारियों और आयोजन समिति की बैठक के बाद मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। सुरक्षा, खेल मैदान, खिलाड़ियों के ठहरने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता से न सिर्फ देश के नामी तीरंदाजों का प्रदर्शन देखने को मिलेगा, बल्कि बोकारो को खेल मानचित्र पर नई पहचान भी मिलेगी। खेल प्रेमियों की नजरें अगस्त में होने वाले इस तीरंदाजी महाकुंभ पर टिकी हैं।

बीएसएल में बेस्ट इम्प्लाई ऑफ द मंथ अवॉर्ड का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल में मई 2026 के लिए बेस्ट इम्प्लाई ऑफ द मंथ अवॉर्ड का आयोजन किया गया जिसमें आठ (08) कर्मचारी पुरस्कृत किये गए. कर्मचारियों को उनके कार्य में विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया. इस समारोह में बीएसएल के वरीय अधिकारियों सहित सम्बंधित विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे. उपस्थित वरीय अधिकारियों ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस सफलता में कर्मचारियों के साथ- साथ उनके परिवार का भी बहुत बड़ा योगदान है. उन्होंने आह्वान किया कि कर्मचारी दैनिक कार्यों के साथ-साथ नित नई चुनौतियों को स्वीकार करें और नवाचार के माध्यम से उनका समाधान खोजें ताकि संयंत्र के विकास की गति निरंतर बनी रहे. कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने चयनित कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं विशिष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों तथा उनके परिजनों ने भी अपने अनुभव वीडियो क्लिप के दवारा साझा किये और कंपनी के प्रति इस पुरस्कार के लिए चुने जाने पर प्रबंधन का आभार व्यक्त किया. यह पुरस्कार योजना बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने मानव संसाधन को प्रोत्साहित करने और कार्य-संस्कृति में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है. इस प्रकार के आयोजनों से न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि यह उत्पादकता, सुरक्षा मानकों में सुधार और संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

बीएसएल की मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल के सीएसआर के तहत संचालित बोकारो इस्पात संजीवनी - मोबाइल मेडिकल यूनिट टाउनशिप के आस-पास के सीमावर्ती गांवों में ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध करा रही है। इस पहल के तहत, चिकित्सकों और पैरामेडिक्स की टीम से लैस मोबाइल मेडिकल यूनिट हर महीने लगभग 45 सीमावर्ती गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रही है। इस क्रम में टांड बालीडीह में 43 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, झोपड़ो एवं नरकरा में क्रमशः 29 एवं 06 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ तथा कुण्डौरी एवं महेशपुर गांवों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में कुल 46 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसी प्रकार शिबूटांड़ एवं मोहनपुर गांवों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में क्रमशः 24 एवं 16 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और परसाडीह एवं कनारी गांवों में क्रमशः 35 एवं 10 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविरों के दौरान मरीजों की ईसीजी सहित विभिन्न पैथोलॉजिकल परीक्षण किए गए।

पलानी गांव के पहले अग्निवीर बने हिमांशु कुमार का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

तेनुघाट /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोमिया प्रखंड के पलानी गांव के लिए उस समय गौरव का क्षण आया जब गांव का बेटा हिमांशु कुमार अग्निवीर बनकर अपने घर लौटा। हिमांशु पलानी गांव के पहले अग्निवीर हैं। शुक्रवार को गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने हिमांशु का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप पर पूरा गांव देशभक्ति के माहौल में डूबा नजर आया। हिमांशु ने भी हाथ जोड़कर सभी ग्रामीणों का अभिवादन किया। हिमांशु ने बताया कि देशभक्ति का जज्बा और देश के लिए कुछ कर गुजरने की ललक उन्हें बचपन से ही था। वे सेना में शामिल होने के लिए लगातार मेहनत कर रहे थे। इसी बीच अग्निवीर के बारे में पता चला तो उन्होंने अपना मन बना लिया कि वे अग्निवीर में जाएंगे, और इसके बाद

अग्निवीर बनने के लिए उन्होंने फार्म भरा। बताया कि बीते वर्ष अगस्त महीने में दौड़ में सफलता हासिल करने के बाद शारीरिक एवं स्वास्थ्य जांच में भी वे सफल हुए। इसके बाद बीते दिसंबर महीने में वे हैदराबाद ट्रेनिंग के लिए गए। छह महीने की कठिन ट्रेनिंग पूरी करने के पश्चात वे अपने गांव लौटे हैं, जहां ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। हिमांशु ने कहा आज मेरे लिए सचमुच ही बड़े गौरव की बात है। हिमांशु कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और मित्रों को दिया। उन्होंने कहा इन सभी के लगातार हौसला बढ़ाने से ही मेरा मनोबल हमेशा ऊंचा रहा और मैं इस मुकाम तक पहुंच पाया। हिमांशु के पिता महेंद्र रविदास एवं माता रीना देवी ने कहा कि बेटे का अग्निवीर बनना पूरे गांव के लिए गौरव की बात है। कहा कि हिमांशु की इस उपलब्धि से गांव के अन्य युवाओं को भी भारतीय सेना और प्रतियोगी परीक्षाओं में जाने की प्रेरणा मिलेगी। तेनुघाट महाविद्यालय के प्रोफेसर धनंजय रविदास ने हिमांशु को शुभकामना देते हुए कहा कि बचपन से ही मेहनतकश हिमांशु सेना में जाने के लिए स्वयं और अपने मित्रों को प्रेरित करते रहते थे। कहा कि हिमांशु का अग्निवीर बनना पूरे क्षेत्र के लिए बड़े सम्मान की बात है, उनका अग्निवीर में चयन, पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए मिसाल बन गया है। मौके पर पंसस चन्द्रदेव यादव, मुखिया प्रतिनिधि बबलू यादव, रोहित राम, रमेश रविदास, सुशील कुमार दास, बाल्मीकि रविदास, मुकेश रविदास, सूरज रविदास, अमरदीप रविदास, गुलटन यादव आदि उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com